जबलपुर
शुक्रवार 10 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष –08
वर्ष : 20, अंक : 339
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 27
न्यून. 16

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

8 भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव

मैट्रो
14 15 साल से पुरानी बसों के संचालन ..

नर्सिंग फर्जीवाड़ा मामला...अगली सुनवाई 24 अप्रैल को

मप्र हाईकोर्ट ने जीएनएम प्रथम वर्ष (2022-23) का नतीजा रोका

30 हजार विद्यार्थियों पर असर, हाईकोर्ट ने कहा पहले पेश करो पूरा रिकॉर्ड... फिर होगी सुनवाई

छात्रों को पहले पात्र कॉलेजों में स्थानांतरित करें

काउंसिल के आवेदन पर हाई कोर्ट ने टिप्पणी की है कि जब तक काउंसिल के द्वारा ये सभी जानकारी विस्तार से हाई कोर्ट में पेश नहीं की जाएगी तब तक किसी भी प्रकार की परीक्षा परिणाम जारी करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मापदंडों की पूर्ति नहीं करने वाले संस्थाओं के छात्रों को सर्वप्रथम पात्र कॉलेजों में स्थानांतरित करने की कार्यवाही की जानी चाहिए। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को होगी ।

याचिकाकर्ता की दलील

- बिना आवश्यक संसाधनों भवन, लैब, लाइब्रेरी और फैकल्टी के सैकड़ों कॉलेजों को मान्यता दी गई
- जांच में अपात्र पाए जाने के बाद भी इन कॉलेजों के छात्रों को पात्र संस्थानों में स्थानांतरित नहीं किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

बहुचर्चित नर्सिंग फर्जीवाड़ा मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए सत्र 2022-23 के जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) प्रथम वर्ष के करीब 30 हजार छात्रों के परीक्षा परिणाम फिलहाल जारी करने पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने एमपी नर्सिंग काउंसिल से स्पष्ट कहा है कि पहले पूरा रिकॉर्ड और तथ्य पेश किए जाएं, उसके बाद ही किसी निर्णय पर विचार

फाइल फोटो

किया जाएगा। सुनवाई के दौरान नर्सिंग काउंसिल ने रिजल्ट जारी करने की अनुमति मांगी थी, जिस पर याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि बिना आवश्यक संसाधनों भवन, लैब, लाइब्रेरी और फैकल्टी के सैकड़ों कॉलेजों को मान्यता दी गई। जांच में अपात्र पाए जाने के बावजूद इन कॉलेजों के छात्रों को पात्र संस्थानों में स्थानांतरित नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा कि जिन छात्रों का परिणाम जारी करने की मांग की जा रही है, वे किन संस्थानों में अध्ययनरत थे और क्या उन संस्थानों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध थीं। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि अपात्र कॉलेजों के छात्रों को ट्रांसफर करने के बजाए सीधे परिणाम जारी करने की प्रक्रिया क्यों अपनाई जा रही है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक काउंसिल विस्तृत जानकारी और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करती, तब तक परीक्षा परिणाम जारी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पहले अपात्र संस्थानों के छात्रों को मान्यता प्राप्त कॉलेजों में स्थानांतरित किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
आरआर आरसीबी
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

शिवपुरी में बस-ट्रक की भिड़ंत, 12 यात्री घायल

शिवपुरी। बदरवास थाना क्षेत्र में एनएच-46 पर अटलपुर और बरखेड़ा गांव के बीच गुरुवार को एक यात्री बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में 12 यात्री घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस गुना से खनियाधाना की ओर जा रही थी।

केंद्रीय जेल के मुंशी ने फांसी लगाकर दी जान

रीवा। केंद्रीय जेल में पदस्थ मुंशी रामानंद पटेल ने जेल परिसर स्थित गोशाला में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। रामानंद गुरुवार सुबह घर से ड्यूटी के लिए निकले थे। दोपहर 12 बजे तक अपनी ड्यूटी भी की। उन्होंने गोशाला में आत्मघाती कदम उठा लिया।

नाबालिग बच्ची बनी मां पिता भी है नाबालिग

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र में एक नाबालिग मां बन गई। इस बात का खुलासा तब हुआ जब नाबालिग डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि प्रसूता नाबालिग है। लड़की के इलाके के ही एक लड़के के साथ उसके संबंध थे। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

आज इस्लामाबाद में बैठक : यूएस से जेडी वेंस तैयार, ईरान की 'हां' का इंतजार

ईरान: 'बारूद और बात' साथ-साथ नहीं, लेबनान पर फंसी 'शांति वार्ता'

डोनाल्ड ट्रंप | मोजतबा | नेतन्याहू

अमेरिका व ईरान की रजामंदी के बाद इजराइल शांति वार्ता में नया एंगल डाल रहा है। उसके लेबनान पर ताबड़तोड़ हमले के बाद ईरान ने होर्मुज पर फिर ताला डाल दिया है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भले ही अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते का शांति समझौता गया है लेकिन धमाकों की गूंज अभी भी सुनाई दे रही है। इजराइल ने लेबनान के बरूत शहर में .100 ठिकानों पर महज 10 मिनट के भीतर धमाके कर दिए। इससे करीब 254 लोगों की मौत हो गई। इन धमाको के साथ इजराइल साफ संदेश दिया कि शांति समझौते में लेबनान शामिल नहीं है। ईरान ने नाराजगी जाहिर करते हुए साफ कह दिया कि बारूद और बात साथ-साथ नहीं चल सकते। मतलब एक बार फिर लेबनान को लेकर शांति वार्ता अटकने की संभवना बन गई। गौर हो कि आज शुक्रवार को इस्लामाबाद में शांति वार्ता होने वाली है। अमेरिका और इजराइल की पीएम प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि सीजफायर में लेबनान पर हमले रोकना शर्त में शामिल नहीं है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहना है कि अगर लेबनान में हमले नहीं रुके तो वह तेलअवीव पर फिर से हमले करेगा।

इजराइल सीजफायर में लेबनान को शामिल करने को राजी नहीं

लेबनान में इस तरह धमाके हो रहे हैं

सुरक्षा कारणों से बैठक का स्थान एवं समय सार्वजनिक नहीं किया गया है

***लेबनान के समर्थन में* ईरान पाकिस्तान, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, फ्रांस चीन, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और सीरिया**

***सीजफायर के बाद* इजराइल लेबनान पर टूट पड़ा था, उसने कहा- हिजबुल्लाह को मिटाने तक हमले जारी रहेंगे**

ट्वीट डिलीट करने से बढ़ा संशय

पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रज़ा अमीरी मोघदम ने इस्लामाबाद में होने वाली शांति वार्ता के संबंध में एक ट्वीट किया था, जिसे बाद में उन्होंने डिलीट कर दिया। राजदूत ने पोस्ट में जानकारी दी थी कि अमेरिका के साथ 10-सूत्रीय प्रस्ताव के आधार पर बातचीत के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल 9 अप्रैल, 2026 रात को इस्लामाबाद पहुंचेगा। ट्वीट डिलीट होने के बाद आगामी वार्ता को लेकर सस्पेंस बढ़ गया है। ईरान के परमाणु ऊर्जा प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने साफ कहा है कि उनका देश यूरेनियम एनरिचमेंट प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। दुश्मन ईरान के इस प्रोग्राम को रोकने में सफल नहीं होगा।

कई मुद्दों पर अटकी है शांति वार्ता

पहला: लेबनान
- ईरान और पाकिस्तान का कहना है कि युद्धविराम में लेबनान और हिज़्बुल्ला भी शामिल हैं। इसके विपरीत, अमेरिका का तर्क है कि यह समझौता केवल ईरान के साथ है, जिसके कारण इजराइल ने लेबनान पर हमले जारी रखे हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि लेबनान पर हमले नहीं रुके तो वह समझौते से पीछे हट सकता है।

दूसरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज
- समझौते के तहत ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज व्यापारिक मार्ग को खोलना था। हालांकि, ईरान ने इजराइली हमलों के विरोध में जहाजों की आवाजाही को फिर से सीमित कर दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति पर संकट बना हुआ है।

विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को एक चरण में मतदान करते मतदाता

असम, केरल और पुडुचेरी में बंपर वोटिंग

पुडुचेरी में सबसे ज्यादा 86.92% असम: 84.42%, केरलम :75%

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

असम, केरलम (केरल) और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को एक चरण में मतदान संपन्न हो गया। सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। विधानसभा चुनाव के अलावा कर्नाटक की 2 सीटों, नगालैंड में एक सीट, त्रिपुरा में एक सीट पर उपचुनाव हुआ। वहीं, गोवा में भी एक सीट पर उपचुनाव होना था, लेकिन वहां के उपचुनाव पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि असम में 126 सीटों पर 722 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करने के लिए 31,940 मतदान केंद्र बनाए गए थे। असम के 35 जिलों में मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आयोग ने 1.5 लाख से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था।

पुडुचेरी में दिखा टेक्नोलॉजी का अलग रंग

लहंगा पहने रोबोट 'नीला' ने वोटर्स का किया स्वागत

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में इस बार मतदान का माहौल कुछ अलग ही नजर आया। इस बार एक प्यारा सा ह्यूमनॉइड रोबोट 'नीला' वोटर्स का स्वागत करता दिखा। वीओसी गवर्नमेंट स्कूल स्थित एक मतदान केंद्र पर तैनात यह रोबोट लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया।

टाइगर रिजर्व में महुआ बीनने गया था

बाघ ने शख्स के हाथ-पैर खाए टुकड़ों में शव ले गए परिजन

***शव के पास* बैठा रहा सिर-धड़ अलग किया**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्मदापुरम

नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में ग्रामीण पर बाघ ने हमला कर दिया। ग्रामीण को मारने के बाद उसके हाथ और पैर खा लिए। बाघ शव के पास ही बैठा रहा। मामला केसला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान सुधराम चौहान (49) पिता हजारी चौहान (निवासी चनागढ़ झुनकर) के रूप में हुई है। उसके सिर और धड़ अलग-अलग मिले हैं। मृतक के भाई रघुवर चौहान ने बताया कि सुधराम बुधवार दोपहर तवा नदी पार कर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के कोर क्षेत्र में महुआ बीनने के लिए गया था।

इंदौर, उज्जैन, भोपाल व नर्मदापुरम संभाग

समर्थन मूल्य पर पहले दिन हुई 1616 क्विंटल गेहूं की खरीदी

***शेष संभागों में* 15 अप्रैल से गेहूं का उपार्जन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में गेहूं का उपार्जन इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 9 अप्रैल से शुरू हो चुका है। पहले दिन 45 उपार्जन केंद्रों पर 1616 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया गया है। शेष संभागों में 15 अप्रैल से गेहूं का उपार्जन शुरू किया जाएगा। प्रदेश में गेहूं उपार्जन के लिए इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। मप्र में पिछले वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था।

केदारनाथ-यमुनोत्री में भारी बर्फबारी, बदरीनाथ से औली तक बर्फ की चादर

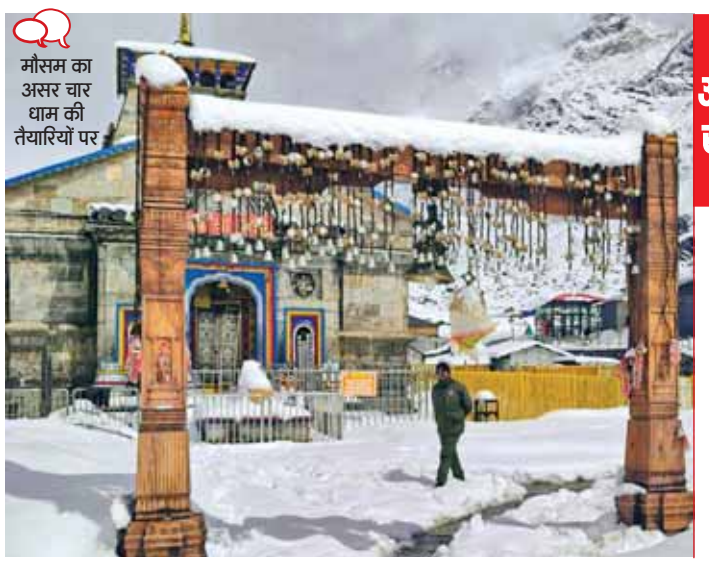

मौसम का असर चार धाम की तैयारियों पर

19 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर खुलेंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

देहरादून। बीते दो दिन केदारनाथ-बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री धाम सहित ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। यमुनोत्री धाम का अद्भुत नजारा देखने को मिला। उधर, बदरीनाथ से औली तक क्षेत्र बर्फ से ढका है। चमोली देवाल में मंगलवार की रात्रि से लगातार हो रही ।

तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव

पश्चिम मध्य रेलवे के नए महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल के नए महाप्रबंधक के रूप में इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नल इंजीनियर वर्ष-1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी दिलीप कुमार सिंह ने पदभार ग्रहण किया है। वे भारतीय रेल के एक अनुभवी एवं कुशल अधिकारी हैं, जिन्हें सिग्नल, दूरसंचार, संरक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव प्राप्त है। सिंह इससे पूर्व रेलवे बोर्ड में प्रिंसिपल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर/ विजिलेंस के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान उन्होंने रेलवे में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सतर्कता तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सिंह ने आईआईटी रुड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। अपने सेवा काल में उन्होंने भारतीय रेल के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए सिग्नल एवं दूरसंचार के क्षेत्र में व्यापक अनुभव अर्जित किया है।

रेलवे में पारदर्शिता जवाबदेही एवं सतर्कता तंत्र को सुदृढ़ किया

देश के महत्वपूर्ण रेल जोन में से एक

महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल के रूप में उनकी प्राथमिकताओं में रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना, परिचालन दक्षता एवं समयपालन में सुधार, अधोसंरचना विकास (नई लाइन, दोहरीकरण/तिहरीकरण, विद्युतीकरण आदि) को गति देना, यात्री सुविधाओं का विस्तार तथा प्रशासनिक पारदर्शिता को सुदृढ़ करना शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा- 2018 के फैसले में पुरुषों के श्रेष्ठ होने की धारणा

सबरीमाला मंदिर मामला

सुप्रीम कोर्ट बोला-मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा, इससे हिंदू धर्म को नुकसान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर चल रहे विवाद पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत में दलील दी कि 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित था कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाओं को निचले स्तर पर रखा गया। सुप्रीम कोर्ट की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा को लेकर व्यापक सवाल उठाए गए हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं है। जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे।

नागरत्ना

केंद्र बोला धर्म से जुड़े विवाद संवेदनशील अदालतों का दखल ठीक नहीं

फाइल फोटो

अनुच्छेद 25 व्यक्ति का, 26 समूह का अधिकार: सीजेआई

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 की व्याख्या करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अनुच्छेद 25 व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ा है, जबकि अनुच्छेद 26 व्यक्तियों के समूह या धार्मिक समुदाय के अधिकारों को संरक्षण देता है। इसके साथ ही उन्होंने अनुच्छेद 25(2) में प्रयुक्त इस अनुच्छेद में कुछ भी नहीं... जैसे प्रावधान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह एक प्रकार का नॉन-ऑब्स्टैंटे क्लॉज है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 से संबंधित है। सीजेआई के अनुसार जब मौजूदा कानून की बात की जाती है, तो इसमें वे सभी कानून शामिल होते हैं ।

सूर्यकांत

भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प और मारपीट भीड़ को तितर-बितर करने पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज

एजेंसी ▶▶ मन्नादीपेट

पुडुचेरी के मन्नादीपेट विधानसभा क्षेत्र के तिरुकानूर गांव में गुरुवार को मतदान के दौरान भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मतदान केंद्र के पास भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी पर आपत्ति जताई। कांग्रेस का कहना है कि वहां केवल मतदाताओं को होना चाहिए। इसके बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने मारपीट शुरू कर दी। हालात को बिगड़ते देख पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस घटना से मतदान प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ा। इस सीट से भाजपा की ओर से गृह मंत्री ए नमशिवायम और कांग्रेस की ओर से पूर्व डिप्टी स्पीकर टीपीआर सेल्वम चुनावी मैदान में हैं।

पुडुचेरी के मन्नादीपेट विधानसभा क्षेत्र के तिरुकानूर गांव में बवाल

पुडुचेरी में मतदान के बीच गरमा-गरमी हुई

असम: मतदान केंद्र का हाल

वीडियो वायरल होने पर प्राथमिकी दर्ज

कार्बी आंगलोंग। असम विधानसभा चुनाव 2026 के बीच कार्बी आंगलोंग जिला प्रशासन के संज्ञान में एक गंभीर मामला आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर एक मतदान केंद्र के भीतर की चुनावी प्रक्रिया को दिखाया गया है। मतदान की गोपनीयता और नियमों के इस उल्लंघन को प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है ताकि वीडियो की सत्यता और इसके पीछे जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान की जा सके।

टीएमसी की भाजपा से 1000 करोड़ की डील

कबीर बोले- एआई का बना वीडियो दिखाया, मानहानि केस करूंगा

कोलकाता। विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त एक बड़ा बवाल है। बवाल के केंद्र में हैं हुमायूं कबीर, जो आम जनता उन्नयन पार्टी पार्टी के मुखिया हैं। सत्तारूढ़ टीएमसी ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें दावा किया गया है कि कबीर भाजपा के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए का खेल कर रहे हैं और मुसलमानों की भावनाओं का इस्तेमाल कर उनके वोट भाजपा की तरफ मोड़ने की कोशिश हो रही है। कबीर ने इन सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया है और कहा है कि यह वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाया गया है, यानी नकली है। उन्होंने टीएमसी के 4 बड़े नेताओं पर मानहानि का मुकदमा करने की धमकी दी है।

दिग्गजों ने किया मतदान

बीसीसीआई महासचिव

चंद्रशेखर भाजपा नेता

पुडुचेरी के राज्यपाल

केरल सीएम विजयन

मुख्यमंत्री हिमंता सरमा ने परिवार के साथ वोट डाला

केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल स्याही दिखाते हुए

केंद्रीय मंत्री गोपी

केरल के राज्यपाल

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई

104 वर्षीय महिला का जज्बा

एक्टर दिलीप और काव्या माधवन ने भी किया मतदान

केंद्रीय मंत्री जार्ज कुरियन वोट के बाद अंगुली दिखाते हुए

चुनाव पर्यवेक्षक ने दी सीईसी को धमकी

ईसी ने उन्हें जनरल ऑब्जर्वर पद से हटाया

नई दिल्ली। एक हाई लेवल चुनाव समीक्षा बैठक में उस वक्त तनाव बढ़ गया जब एक वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को खुलेआम चुनौती दी। इसके बाद पर्यवेक्षक को बैठक से हटा दिया गया है। चुनाव आयोग की तरफ से बुलाई गई वर्चुअल मीटिंग के दौरान कूच बिहार दक्षिण के पर्यवेक्षक अनुराग यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

बंगाल में टीएमसी के गढ़ सिंगूर में शिवराज बोले

ममता की विफलता का स्मारक बन गया

कोलकाता। बंगाल में डेढ़ दशक पहले ममता बेनर्जी ने जिस सिंगूर के सहारे अपनी राजनीति को परवान चढ़ाया था, उसी पर भाजपा ममता की घेराबंदी में जुट गई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टीएमसी पर हमला बोलते हुए कहा कि सिंगूर की ज़मीन पर न खेती हो रही है और न ही कोई उद्योग स्थापित हुआ है। यह भूमि अब राज्य सरकार की विफलता का प्रतीक बन चुकी है। यह विफलता का स्मारक बन गई।

खबर संक्षेप

कंपनी में यौन उत्पीड़न प्रमुख समेत 6 अरेस्ट

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में एक मल्टी-नेशनल कंपनी में

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद टीम लीडर सहित 6लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उत्पीड़न पिछले चार वर्षों से लगातार जारी था। यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के 9 मामले दर्ज किए हैं।

ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सेंस अपनाएं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि अब समय आ गया है कि देश के

लोग सिविक सेंस अपनाएं और ट्रैफिक नियमों का पालन करें। भारतीयों को विकसित देशों से सीख लेनी चाहिए कि सड़क पर कैसे चलना चाहिए और गाड़ी कैसे चलानी चाहिए? यह टिप्पणी जस्टिस जितेंद्र जैन ने की।

मंगोलपुरी में महिला की लाश, प्रेमी समेत 3 अरेस्ट

मंगोलपुरी। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक 35 वर्षीय

महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। महिला की हत्या उसके 22 वर्षीय प्रेमी ने चाचा और एक दोस्त के साथ मिलकर की। वारदात का खुलासा तब हुआ जब पीजी मालिक ने कमरे के भीतर बेड बॉक्स से एक पैर बाहर निकला हुआ देखा। केस में 3 गिरफ्तार हैं।

सुनेत्रा पवार की निर्विरोध जीत तय

बारामती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पार्टी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश

चेन्निथला ने कहा कि उनकी पार्टी बारामती विधानसभा सीट से उपचुनाव नहीं लड़ेगी, जहां से उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार अपने पति अजित पवार के मृत्यु के बाद चुनाव मैदान में हैं। चेन्निथला ने कहा कांग्रेस की राज्य इकाई को अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का निर्देश दिया है।

बंगाल की जनता को प्रधानमंत्री मोदी ने दी 6 गारंटी और सत्तारूढ़ टीएमसी पर साधा निशाना

हर दुष्कर्म मामले की खुलेगी फाइल, अब टीएमसी के पापों का घड़ा भर गया, उसकी निर्मम सरकार को जाना ही होगा

कर्मचारियों के लिए 7 वें वेतनआयोग का भरोसा दिया

एजेंसी ▶▶ हल्दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में 3 रैलियों को संबोधित किया। पीएम मोदी हल्दिया में जनसभा के दौरान कहा कि बंगाल का ये चुनाव सामान्य नहीं है। ये बंगाल के वैभव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है। ये विकसित बंगाल की नींव मजबूत करने का चुनाव है और इसका पहला व सबसे बड़ा कदम निर्मम सरकार की विदाई का होगा। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी सतीश चंद्र सामंता को याद करते हुए राज्य की जनता को 6 गारंटी दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुलामी के कालखंड में सतीश चंद्र सामंता ने अंग्रेजों की सत्ता हिला दी थी। आज इसी धरती से मैं बंगाल को 6 गारंटियां देता हूं। पहली गारंटी- भाजपा सरकार बंगाल में भय की जगह भरोसा कायम करेगी और कानून पर भरोसा लौटाएगी। दूसरी गारंटी- भाजपा सरकार में सरकारी सिस्टम जनता की सेवा के लिए जवाबदेह होगा। तीसरी गारंटी- हर घोटाले, बेटियों के साथ हुए हर अन्याय और हर रेप केस की फाइल खुलेगी। उन्होंने अपनी चौथी गारंटी में कहा कि टीएमसी के राज में भी जिसने भी करप्शन किया है, उसकी जगह जेल में होगी। मंत्री हो या संतरी, कानून सबका हिसाब करेगा। टीएमसी का कोई गुंडा कानून से बचने वाला नहीं है। हम टीएमसी को जनता का पैसा नहीं खाने देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में 3 रैलियों को संबोधित किया। पीएम मोदी हल्दिया में जनसभा के दौरान कहा कि बंगाल का ये चुनाव सामान्य नहीं है। ये बंगाल के वैभव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में की 3 रैलियां

अपराधियों के दुष्कर्मों का हिसाब किया जाएगा

जो राष्ट्रपति का सम्मान नहीं करते वे अन्य महिलाओं का क्या आदर करेंगे

बंगाल में रैली में आम जनता का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

परिवर्तन की आंधी दिखी

रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल ने इस बार हर विपरीत परिस्थिति को पराजित करने का फैसला कर लिया है। भाजपा की विजय, इस उत्साह और उमंग में दिखाई पड़ती है। ये परिवर्तन की आंधी है। ये टीएमसी की निर्मम सरकार के जाने का ऐलान है।

शरणार्थियों को उचित हक मिलेगा

बंगाल की जनता को 5वीं गारंटी देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जो शरणार्थी हैं, उन्हें संविधान के तहत हर हक मिलेगा, लेकिन घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा। उन्हें भारत में नहीं रहने दिया जाएगा। अपनी छठी गारंटी में उन्होंने कहा कि बंगाल के सभी सरकारी कर्मचारियों और सभी शिक्षकों व अन्य सेवाओं में जुटे कर्मचारियों के लिए भाजपा सरकार बनते ही 7वां वेतन आयोग लागू कराया जाएगा। जनता से अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन्हीं गारंटियों को ध्यान में रखते हुए 23 अप्रैल को भारी मतदान करना है। हर बूथ पर भाजपा के उम्मीदवारों को विजयी बनाएं। हमारा सिद्धांत और मंत्र है 'सबका साथ-सबका विकास'।

दिखा महिलाओं का जोर

पश्चिम बंगाल में चाहिए बदलाव

प्रधानमंत्री मोदी आज तीन चुनावी रैलियों के लिए पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री बीरभूम के सूरी में भी जनसभा की। जनसभा में महिलाएं बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची। महिलाओं के हाथों में प्रधानमंत्री की तस्वीर और कई स्लोगन लिखे हुए पोस्टर हैं। एक युवती प्रधानमंत्री और उनकी मां की तस्वीर लेकर पहुंची। युवती ने बातचीत में बताया कि प्रधानमंत्री को उनकी मां प्यारी हैं, इसलिए उनकी तस्वीर लेकर आई हूं। बंगाल में विकास हो, इसलिए बदलाव जरूरी है।

अब टीएमसी होगी बाहर

बंगाल को ब्लू इकोनॉमी बनाएगी

पीएम ने संबोधन के दौरान टीएमसी और सीएम ममता पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि खराब मौसम के बावजूद हल्दिया रैली में लोगों की भारी उपस्थिति बंगाल में बदलाव का संकेत है, जो बताता है कि टीएमसी सत्ता से बाहर हो जाएगी। जो 5 साल पहले नंदीग्राम में हुआ था, वही इस साल भाबानीपुर और पूरे बंगाल में दोहराया जाएगा। भाजपा सरकार बनने पर केंद्र की सभी योजनाएं यहां तेजी से लागू होंगी। इसे ब्यू इकोनॉमी का केंद्र बनाएंगे।

आसनसोल में गरजे प्रधानमंत्री

यहां भाजपा की सरकार बनाएं टीएमसी के पापों का हिसाब होगा

पीएम मोदी ने आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत देवी कल्यानेश्वरी और घाघर बुरी चंडी का आह्वान करके की। बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन निश्चित है, जिसे आसनसोल और पूरे बंगाल की जनता चाहती है। उन्होंने टीएमसी पर सिंडिकेट राज, कोयला और रेत माफिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने दावा किया कि टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और बदलाव के बाद बंगाल नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल भाजपा की डबल इंजन सरकार ही इस स्थिति को सुधार सकती है।

टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान

आसनसोल में टीएमसी के 'पापों' का हिसाब लेने की चेतावनी दी। बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी। पूरे बंगाल में लोग टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान हैं।

घुसपैठियों के हर मददगार की पहचान की जाएगी, बाहर करेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है। उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। उन्हें बाहर किया जाएगा।

बिहार में 14 या 15 अप्रैल से होगा भाजपा का मुख्यमंत्री

गांधी मैदान में तैयारियां शुरू, जेडीयू ने लगाई मुहर

दिल्ली पहुंचे सीएम नीतीश, आज लेंगे राज्यसभा सांसद पद की शपथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/पटना

बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार का मुखिया बदलने की प्रक्रिया गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली पहुंचने के साथ तेज हो गई है। नीतीश शुक्रवार को पहली बार राज्यसभा सांसद की शपथ लेंगे। शुक्रवार को ही भाजपा के कोर ग्रुप की दिल्ली में बैठक है। इसमें भाजपा के सीएम के नाम पर सहमति बनाई जा सकती है। पटना में 14 या 15 अप्रैल को भाजपा के सीएम के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान खाली रखने कह दिया गया है।लंबे इंतजार के बाद भाजपा के लिए ऐतिहासिक घड़ी आई है। जेडीयू के कद्दावर नेता और सीनियर मंत्री विजय कुमार चौधरी ने पार्टी की तरफ से इस पर मुहर लगा दी है।

संसदीय बोर्ड करेगा नाम की घोषणा

भाजपा बिहार में सरकार की कमान किसके हाथ में देती है, इसका फैसला भाजपा संसदीय बोर्ड करेगा, जिसमें पार्टी के अध्यक्ष नितिन नबीन के अलावा नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी बैठेंगे। विधायक दल के नेता का औपचारिक चुनाव कराने पार्टी में किसके नाम की पर्ची निकलती है, इस पर भी सबकी नजर है।

अब तक 5 संकेतों से सम्राट ही दिख रहे चौधरी

मुख्यमंत्री पद के लिए जिनके नाम दौड़ रहे हैं, उनमें सम्राट चौधरी या नित्यानंद राय को देवेंद्र फडणवीस या हिमंता बिस्वा सरमा वाले मॉडल में भविष्य दिख रहा होगा। मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नायब सैनी, मोहन चरण मांझी और रेखा गुप्ता की तरह संकेत हैं।

नए सीएम पर कोई मतभेद नहीं, सब तय : नबीन

बिहार के नए मुख्यमंत्री के नाम पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने काफी कुछ साफ कर दिया है। उन्होंने कहा है कि बिहार के नए सीएम को लेकर एनडीए में कोई मतभेद नहीं है। भाजपा अध्यक्ष नितिन ने कहा कि बैठक में सब कुछ तय कर लिया जाएगा।

युद्धविराम पर थरूर ने कहा

'शांति' के लिए पाकिस्तान की भूमिका का जश्न मनाना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच में पाकिस्तान इस समय मध्यस्थ की भूमिका में है। इस शांति समझौते के प्रयास पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि भारत को पाकिस्तान की मध्यस्थता का जश्न मनाना चाहिए, जिसकी वजह से अमेरिकी-ईरान सीजफायर हुआ। इतना ही नहीं उन्होंने भारत की प्रतिक्रिया को परिपक्व और समझदारीपूर्ण बताया। एक इंटरव्यू में शशि थरूर से सवाल किया गया कि क्या सीजफायर में मध्यस्थता करने में इस्लामाबाद की भूमिका से नई दिल्ली को चिंतित होना चाहिए। थरूर ने जवाब देते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसा क्यों होना चाहिए, क्योंकि सच कहूं तो, हर चीज एक के लिए फायदेमंद और दूसरे के लिए नुकसान वाली साबित नहीं होती। अगर पाकिस्तान को भारत में आतंकवादी भेजने के लिए सराहा जा रहा होता, तो यह चिंता की बात होती। पाक शांति के लिए काम कर रहा है।

नेतन्याहू बोले- जहां जरूरत होगी, वहां करेंगे हमला, नुकसान पहुंचाने वालों को नहीं बख्शेंगे

इजराइल की हिजबुल्ला को सीधी चेतावनी

एजेंसी ▶▶ यरूशलेम/ तेहरान

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि हिजबुल्ला के खिलाफ उनके हमले रुकने वाले नहीं हैं। लेबनान में हुए भीषण हमलों के बाद नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली सेना पूरी ताकत और सटीक रणनीति के साथ हिजबुल्ला को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि जो कोई भी इजराइली नागरिकों को नुकसान पहुंचाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। नेतन्याहू ने आगे कहा कि जब तक उत्तरी इजराइल के निवासी अपने घरों में सुरक्षित वापस नहीं लौट जाते, तब तक हिजबुल्ला के ठिकानों पर जहां भी जरूरी होगा, हमला जारी रहेगा। पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने अब तक की लड़ाई में शानदार जीत हासिल की है, जो पहले असंभव लगती थी। अब ईरान पहले से कमजोर और इजराइल पहले से मजबूत है। उन्होंने कहा कि अभी भी कुछ लक्ष्य बाकी हैं, जिन्हें पूरा किया जाएगा, चाहे सहमति से हो या लड़ाई फिर से शुरू करके। नेतन्याहू के बयान ने पश्चिम एशिया में एक बार फिर से तनाव बढ़ा दिया है।

- ईरान पहले से कमजोर और इजराइल पहले से मजबूत
- इजराइल ने लड़ाई में शानदार जीत हासिल की
- अभी भी कुछ लक्ष्य बाकी हैं जिन्हें पूरा किया जाएगा

लेबनान के शहर बेरूत पर इजराइली हमले में क्षतिग्रस्त इमारतें

लेबनान में हथियार भंडारण केंद्र, लॉन्चर और कमांड सेंटर तबाह

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने लेबनान में हिजबुल्ला से जुड़े महत्वपूर्ण ठिकानों और नेटवर्क को निशाना बनाया है। इजराइली सेना ने दक्षिण लेबनान में लितानी नदी के दक्षिण हिस्से में हिजबुल्ला द्वारा हथियारों के परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दो अहम मार्गों को भी निशाना बनाया। आईडीएफ ने दावा किया कि इस कार्रवाई में करीब 10 हथियार भंडारण केंद्र, लॉन्चर और कमांड सेंटर भी तबाह किए गए हैं। इजराइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। इजराइल ने लेबनान के दक्षिणी शहर हब्बूश पर हमला किया। इससे पहले हारूफ और अल दुवैर में भी इजराइली हमले किए थे।

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में लेबनान पर हुए हमलों के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन

जेएन पोर्ट के विशेष हिस्से में खड़ा किया गया

15,400 टन रसोई गैस लेकर मुंबई पहुंचा 'ग्रीन आशा'

मिडिल ईस्ट (पश्चिम एशिया) में चल रहे युद्ध और तनाव के बीच रसोई गैस यानी एलपीजी लेकर एक भारतीय जहाज सुरक्षित भारत पहुंच गया है। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि 15,400 टन एलपीजी लेकर आ रहा जहाज 'ग्रीन आशा' नवी मुंबई के पोर्ट पर सफलतापूर्वक पहुंच चुका है। इस जहाज को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट के उस विशेष हिस्से (बर्थ) पर खड़ा किया गया है, जिसका संचालन भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन मिलकर करते हैं। इस पूरे मिशन की सबसे अच्छी बात यह रही कि जहाज पर मौजूद चालक दल (क्रू) के सभी सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। जहाज में लदी 15,400 टन एलपीजी और खुद जहाज को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

नवी मुंबई तट पर 'ग्रीन आशा'

इजराइली सेना का दावा

हिजबुल्ला चीफ के भतीजे हर्शी की मौत

इजराइल ने दावा किया कि लेबनान की राजधानी बेरूत पर बुधवार को किए गए उसके भीषण हवाई हमलों में हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम का एक सहयोगी मारा गया। आईडीएफ के अनुसार, अली यूसुफ हर्शी, जो हिजबुल्ला के महासचिव नईम कासिम के निजी सचिव, करीबी सलाहकार और भतीजा था। नईम कासिम संगठन के संचालन में अहम भूमिका निभाते थे। हर्शी कासिम के कार्यालय के प्रबंधन और सुरक्षा से जुड़े प्रमुख काम संभालते थे, जिससे उनकी संगठन में महत्वपूर्ण स्थिति थी।

रूस ने 40 प्रतिशत तक सस्ती एलएनजी देने का दिया ऑफर

जब मिडिल ईस्ट में जंग की वजह से दुनियाभर के अलग-अलग देशों को तेल संकट से जुझना पड़ रहा था, तब रूस ने भारत को तेल सप्लाई की। अब एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) मार्केट में भी रूस ने एक बड़ा खेल खेला है। रूस ने अब भारत समेत एशियन बायर्स को एलएनजी खरीद पर 40 फीसदी तक का भारी डिस्टाउंट ऑफर दिया है। सस्ते दाम पर एलएनजी मिलने से एशियाई बायर्स के लिए बड़ा मौका बन सकता है। बता दें, अमेरिकी के रूसी तेल से प्रतिबंध को अस्थायी तौर पर हटाने का रूस को भारी फायदा हुआ है। माना जा रहा है कि अप्रैल के महीने में रूस की तेल से होने वाली आय दोगुनी होकर 9 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी।

इजराइली मंत्री का आरोप

ईरान के साथ सीजफायर एक बड़ी गलती: चिकली

इजराइल के मंत्री अमिचाई चिकली ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम करना गलती है। ऐसे देशों के खिलाफ सख्ती जरूरी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह युद्धविराम ज्यादा दिन चलेगा या नहीं, इसकी संभावना सिर्फ 50% है। उन्होंने ईरान की तुलना जापानी साम्राज्य और नाजी जर्मनी से करते हुए कहा कि ऐसे देशों को पूरी तरह हराना जरूरी होता है। वहीं, जंग शुरू होने के बाद पहली बार सऊदी अरब और ईरान के विदेश मंत्री ने फोन पर बात की। दोनों पक्षों ने हालात का जायजा लिया और क्षेत्र में तनाव कम करने तथा स्थिरता बहाल करने के उपायों पर चर्चा की।

होर्मुज पर ईरान का फैसला

जहाजों के लिए नए रास्ते तय, समुद्री माइन का अलर्ट जारी

ईरान ने जहाजों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक समुद्री रास्तों का ऐलान किया है, जिससे वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर असर पड़ सकता है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) की नौसेना ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि समुद्री सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आईआरजीसी नौसेना ने सभी मालवाहक जहाजों और नौकाओं को इन नए, निर्दिष्ट मार्गों का पालन करने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जहाजों की आवाजाही आईआरजीसी नौसेना की कड़ी निगरानी में हो।

प्रवेश मार्ग: ओमान सागर से होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने वाले जहाज अब लारक द्वीप के उत्तरी हिस्से से गुजरेंगे। इसके बाद वे खाड़ी की ओर बढ़ेंगे। यह मार्ग संभावित खतरों से बचाते हुए जहाजों को सुरक्षित प्रवेश प्रदान करेगा।

निकास मार्ग: खाड़ी से बाहर निकलने वाले जहाजों के लिए भी एक नया मार्ग तय किया गया है। ये जहाज लारक द्वीप के दक्षिणी हिस्से से होते हुए ओमान सागर की ओर प्रस्थान करेंगे।

स्पेन तेहरान में दूतावास फिर खोलेगा

स्पेन ने ईरान की राजधानी तेहरान में अपना दूतावास दोबारा खोलने का फैसला किया है। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस ने कहा कि उन्होंने तेहरान में अपने राजदूत को वापस लौटने और पदभार संभालने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि स्पेन इस कदम के जरिए क्षेत्र में शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है। अलबारेस ने कहा हम हर संभव स्तर पर शांति बहाल करने की कोशिशों में शामिल होंगे।

यूरोपीय देशों ने लेबनान पर इजराइली हमलों की आलोचना की

लेबनान में इजराइल के हमलों को लेकर यूरोप में तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने कहा कि लेबनान पर हमले मंजूर नहीं हैं। उन्होंने कहा है कि इससे अमेरिका-ईरान के बीच हुआ अस्थायी सीजफायर कमजोर पड़ रहा है। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर पहले ही इजराइल के हमलों को पूरी तरह गलत बता चुकी हैं और लेबनान को सीजफायर में शामिल करने की मांग कर चुकी हैं। वहीं, स्पेन के विदेश मंत्री जोसे मैनुअल अल्बारेस ने कहा कि उनका देश तेहरान में अपना दूतावास फिर से खोल रहा है। उन्होंने इजराइल पर सीजफायर का उल्लंघन करने और अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया।

जीन बैरो

शांति के नाजुक मौके को मजबूत करना जरूरी: मेलोनी

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने युद्धविराम के किसी भी उल्लंघन की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि दुनिया एक खतरनाक मोड़ के करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन अब शांति का एक नाजुक मौका मिला है जिसे मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बहाल करना यूरोप के लिए बहुत जरूरी है।

खबर संक्षेप

दिल्ली में कई इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा समेत कई सरकारी कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी संबंधी ईमेल मिले जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक सुरक्षा जांच शुरू की गई। यह ईमेल सुबह 8.14 बजे विधानसभा और दिल्ली सरकार के कार्यालयों से जुड़ी ईमेल आईडी सहित कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए।

सिक्किम में फंसे 1,321 पर्यटकों को बचाया

गंगटोक। सिक्किम के मंगन जिले के लाचेन में कई भूस्खलनों के कारण सड़क संपर्क टूट जाने के बाद फंसे 1,321 पर्यटकों और 84 स्थानीय लोगों को बचाया गया। ये पर्यटक 5 अप्रैल से उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे हुए थे। बचाव अभियान मंगन जिला अधिकारी अनंत जैन की देखरेख में और सेना, बीआरओ, 'लाचेन जुमसा' के सक्रिय समन्वय से चलाया गया। ताराम चू से चुंगथांग ले गए।

एनआईए ने भुवनेश्वर विस्फोट की जांच शुरू की

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जनवरी में भुवनेश्वर में हुए विस्फोट की जांच शुरू कर दी है। इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईए की तीन सदस्यीय टीम ने यहां एयरफील्ड थाने का दौरा किया और आजाद नगर में 27 जनवरी को हुए विस्फोट के संबंध में दस्तावेज एकत्र किए।

आर्टेमिस-2 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने अपोलो मिशनों की परंपरा को आगे बढ़ाया

चंद्रमा की सतह के गड्ढों को प्रियजनों के नाम देने के प्रस्ताव को नासा ने सहर्ष किया मंजूर

एजेंसी ▶▶ ह्यूस्टन

चंद्रमा से पृथ्वी की ओर लौट रहे आर्टेमिस-2 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने अपोलो मिशनों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए चंद्रमा की सतह के दो गड्ढों के नाम अपने प्रियजनों के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। कमांडर रीड वाइजमैन और उनके दल ने एक छोटे, अपेक्षाकृत नए गड्ढे का नाम अपने कैप्सूल 'इंटीग्रिटी' के नाम पर तथा दूसरे का नाम उनकी दिवंगत पत्नी 'कैरोल' के नाम पर रखने की अनुमति मांगी। यह अनुरोध कनाडाई अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन ने सोमवार को चंद्रमा की परिक्रमा से ठीक पहले किया। वाइजमैन भावुक होने के कारण उस समय कुछ नहीं बोल सके। पेशे से नर्स कैरोल वाइजमैन का 2020 में कैंसर से निधन हो गया था। वाइजमैन ने बुधवार रात अंतरिक्ष से कहा कि व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए यह मिशन का सबसे भावुक और महत्वपूर्ण क्षण था।

- पृथ्वी से दिखने वाले नए क्रेटर का नाम 'इंटीग्रिटी क्रेटर' रखा
- चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से में स्थित क्रेटर को 'कैरोल क्रेटर' कहा

चंद्रमा की एक चोटी 'माउंट मैरिलिन' अंतरिक्ष यात्री की पत्नी की याद में रखा था

प्रस्ताव पर मंजूरी मिलते ही क्रू के चारों सदस्यों ने गले लगकर एक दूसरे को बधाई दी

साल 1968 में अपोलो-8 मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री जिम लॉवेल ने अपनी पत्नी के नाम पर चंद्रमा की एक प्रमुख चोटी का नाम 'माउंट मैरिलिन' रखा था। यह मानव की पहली चंद्रमा यात्रा थी। आर्टेमिस-2 मिशन के तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री 1972 में अपोलो-17 के बाद चंद्रमा तक पहुंचने वाले पहले यात्री हैं। वाइजमैन के प्रस्ताव ने मिशन कंट्रोल में मौजूद वैज्ञानिकों को कुछ समय के लिए निशब्द कर दिया। नासा के चंद्र वैज्ञानिक रयान वॉटकिन्स ने कहा कि यह बेहद भावुक क्षण था। वहां सबकी आंखें नम हो गईं।

नए और चमकीले गड्ढों का चयन किया

मिशन कंट्रोल की प्रमुख वैज्ञानिक केल्सी यंग ने प्रक्षेपण से पहले अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मिलकर इन अपेक्षाकृत नए और चमकीले गड्ढों का चयन किया था, जिन्हें अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा के करीब पहुंचने पर देखा। प्रस्तावित 'कैरोल क्रेटर' चंद्रमा के निकट और दूरस्थ हिस्सों की सीमा पर स्थित है और कभी-कभी पृथ्वी से दिखाई देता है, जबकि 'इंटीग्रिटी क्रेटर' पूरी तरह चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से में स्थित है। संघ के अधिकारी रामासामी वेणुगोपाल ने कहा कि सामान्य प्रक्रिया के तहत इन नामों पर लगभग एक महीने में निर्णय लिया जा सकता है। संघ की स्वीकृत सूची में पहले से 81 चंद्र स्थल ऐसे हैं, जिनका नाम अंतरिक्ष यात्रियों के नाम पर रखा गया है।

औपचारिक अनुमति बाकी

यह प्रस्ताव उस समय आया जब अंतरिक्ष यात्रियों ने गहरे अंतरिक्ष में यात्रा की दूरी के मामले में अपोलो-13 का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस दौरान सभी चारों अंतरिक्ष यात्री एक-दूसरे से गले मिले। मिशन कंट्रोल ने लगभग एक मिनट की चुप्पी के बाद वाइजमैन के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए इंटीग्रिटी और कैरोल क्रेटर, बेहद साफ और स्पष्ट कहा। पृथ्वी पर लौटने के बाद दल इन नामों को औपचारिक मंजूरी के लिए अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ को भेजेगा। 2017 में 'माउंट मैरिलिन' को आधिकारिक मान्यता मिलने में करीब पांच दशक लगे थे।

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों से मिले मिसरी

रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति संबंधों को गहरा करने पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों से यहां मुलाकात की तथा रक्षा एवं व्यापार संबंधों को और गहरा करने को लेकर उनके साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर आए मिसरी ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अवर सचिवों माइकल डफी और एलब्रिज कोल्बी तथा वाणिज्य मंत्रालय के अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से मुलाकात की। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच आदान-प्रदान की गति को बनाए रखते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने युद्ध नीति मामलों के लिए अवर सचिव एलब्रिज कोल्बी के साथ पेंटागन में व्यापक बातचीत की जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर चर्चा हुई।

माइकल डफी से मिलते विक्रम मिसरी

वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों से भी मिले

मिसरी की रक्षा मंत्रालय में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए अवर सचिव डफी के साथ भी 'पेंटागन' (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) में सार्थक बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने पिछले वर्ष हस्ताक्षरित द्विपक्षीय प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे में तय महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुरूप भारत और अमेरिका के बीच रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। मिसरी ने वाणिज्य मंत्रालय में अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से मुलाकात की ताकि वाणिज्यिक और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार किया जा सके जो 21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अहम हैं।

बीकेआई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

पंजाब में आईएसआई समर्थित दो आरोपी अरेस्ट, 5 हैंड ग्रेनेड-डेटोनेटर भी बरामद

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

पंजाब में बड़ी वारदात की साजिश को पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने नाकाम कर दिया। अमृतसर ग्रामीण, गुरदासपुर और एसएसओसी ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त ऑपरेशन में आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह मॉड्यूल एक विदेशी हैंडलर द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पंजाब में बड़े हमलों की साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को कई खतरनाक सामग्री बरामद हुई हैं,

आरोपियों से बरामद हथियार

जिनमें 5 हैंड ग्रेनेड, 2 विशेष डेटोनेटर, एक पीटीटी टाइमर जिसमें कोडर और डिकोडर लगा हुआ है। इसके अलावा 9 वोल्ट की बैटरी, एक किलो उच्च विस्फोटक सामग्री जिसमें कीलें भरी हुई थीं, और एक बाओफेंग वॉकी-टॉकी शामिल है। इसके अलावा, एक ट्रिगर मैकेनिज्म भी मिला है, जो यह संकेत देता है कि आरोपी किसी बड़े और हमले की तैयारी में थे।

'रण संवाद 2026' में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी बोले

'ऑपरेशन सिंदूर' ने संयुक्त कार्रवाई का महत्व बताया, ये एक केस स्टडी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने डोमेन जॉइंटनेस की दिशा में भारत की प्रगति को दिखाया है। इस सैन्य अभियान को एकीकरण के परिचालन महत्व का निर्णायक केस स्टडी बताया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्तता की दिशा में भारत की प्रगति का सबसे शक्तिशाली साधन था। लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों का एकीकरण और विलय हासिल करना होगा। वे 'रण संवाद 2026' मंच पर थल सेना द्वारा बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) का दृश्य-विश्लेषण विषय पर संबोधित कर रहे थे।

आधुनिक युद्ध अब भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं

सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब भौगोलिक सीमाओं या किसी एक सेना के प्रभुत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों, हितधारकों और संघर्ष के स्तरों में निरंतर क्रिया द्वारा परिभाषित होता है। उन्होंने कहा कि हम अपने समय के एक बिखरे हुए, अघोषित, बहु-मोर्चे वाले, बहु-क्षेत्रीय युद्ध का सामना कर रहे हैं। सवाल यह नहीं है कि क्या क्षेत्र आपस में परस्पर क्रिया करते हैं, बल्कि यह है कि युद्ध क्षेत्र में यह परस्पर क्रिया किस प्रकार संचालित होती है।

युद्धक्षेत्र अब मानचित्र पर खींची गई एक रेखा मात्र नहीं

उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि एमडीओ में, युद्धक्षेत्र अब मानचित्र पर खींची गई एक रेखा मात्र नहीं है। यह एक 3डी परिदृश्य है - साइबर प्रभाव संज्ञानात्मक स्थान को आकार देते हैं। अंतरिक्षीय संसाधन लक्ष्यों को संकेत देते हैं। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध एक साथ हर आवृत्ति का मुकाबला करता है। कमांडरों को सामरिक से लेकर रणनीतिक स्तर तक, विभिन्न क्षेत्रों में स्थितिजन्य जागरूकता विकसित करनी चाहिए। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जमीनी खुफिया नेटवर्क, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) से मिली जानकारियों का मेल था जिसने सेना और वायु सेना की संयुक्त कार्रवाई को लक्ष्य निर्धारित करने में मदद की, वहीं नौसेना की तैनाती में बदलाव ने रणनीतिक गणना को आकार दिया।

एयर मार्शल दीक्षित बोले

बाहरी खतरों से बचाने के लिए बहु क्षेत्रीय संचालन जरूरी

एकीकृत रक्षा स्टाफ प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि भारत को बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) अपनाने की ओर बढ़ने की जरूरत है, क्योंकि देश को बाहरी खतरों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जोर दिया कि तैयारी शुरू से ही बहु-क्षेत्रीय होनी चाहिए। बहु-क्षेत्रीय संचालन भविष्य का विकल्प नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर दिन-प्रतिदिन नए-नए खतरे उभर रहे हैं। दुष्प्रचार अभियान, विद्युत ग्रिड को निशाना बनाकर साइबर घुसपैठ, संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमले जैसे मिश्रित खतरे जानबूझकर शांति और संघर्ष के बीच के भेद को मिटा रहे हैं।

अक्षय ने दोस्तों के साथ बिताए समय को किया याद

मुंबई। अक्षय कुमार, राजपाल यादव और वामिका गब्बी के साथ अन्य कलाकार इस वक्त अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला'के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अक्षय कुमार ने अपनी पढ़ाई को लेकर बड़ा खुलासा किया, जिसे सुनकर सब चौंक गए। अक्षय कुमार फिलहाल रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून होस्ट कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपने बचपन के दोस्तों को दर्शकों से मिलवाया और बताया कि वे स्कूल में बैकबेंचर थे, जिन्हें पास होने में भी काफी स्ट्रगल करना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'हम लोग केजी से साथ हैं और केजी से 9वीं क्लास के बीच हम लोग तीन बार फेल हुए हैं।

लाइफ Style

अनीत

शक्ति शालिनी में डबल रोल करेंगी प्ले

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा इस फिल्म में डबल रोल करती नजर आएंगी।

एजेंसी ⏭ मुंबई

'स्त्री' यूनिवर्स को और व्यापक रूप देती इस मशहूर हॉरर कॉमेडी फिल्म में अनीत के दोनों किरदार एक-दूसरे के बिलकुल विपरीत होंगे। फिल्म में उनके दो किरदारों के नाम 'शक्ति' और 'शालिनी' रखे गए हैं। जो कहानी में रोमांच और डर का जबरदस्त तड़का लगाने के लिए तैयार हैं। आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बन रही यह फिल्म बंगाली लोक कथाओं से प्रेरित है। मिड डे की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह अच्छाई और बुराई के बीच की एक हमेशा चलती रहने वाली लड़ाई है। इसमें 'शालिनी' का किरदार एक ऐसी प्रेतनी का है, जो बदले की भूखी है। शालिनी पेड़ों और पानी वाली जगहों में रहती है और मर्दों को सजा देती है। वहीं 'शक्ति' का किरदार देवी काली के स्वरूप से प्रेरित है। जिन्हें बुराई का विनाश करने वाली सर्वोच्च शक्ति माना जाता है। फिल्म में शक्ति का मुकाबला शालिनी से होगा। अनीत के इन 2 शक्तिशाली अवतारों ने फैंस के बीच अभी से एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। अनीत पड्डा के इस किरदार की पहली झलक पिछले साल आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई थी। इसमें उन्हें 'सृष्टि की रचयिता, विनाशक और सबकी मां' के रूप में दिखाया गया।

हॉलीवुड मसाला

गेम ऑफ थ्रोन्स से

हुए मशहूर

लॉस एंजिल्स। हिट सीरियल 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में अपनी भूमिका के लिए मशहूर अभिनेता माइकल पैट्रिक का निधन हो गया है। वह 35 साल के थे। उन्होंने मुख्य रूप से दिस टाउन, ब्लू लाइट्स, माई लेफ्ट नट और डच सीरियल द स्पेक्टैकुलर में अभिनय किया है। वह आरटीई के ब्लास्ट्स फ्रॉम द पास्ट और बर्नार्ड डन की मिथिकल हीरोज में भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके अलावा माइकल ने लोकप्रिय टीवी श्रृंखला गेम ऑफ थ्रोन्स के छठे सीजन के एपिसोड द ब्रोकन मैन में एक वाइल्डलिंग दंगाई की छोटी, लेकिन यादगार भूमिका निभाई थी।

एक्सट्रैक्शन 3 में फिर दमदार रोल में लौटेंगे

लॉस एंजिल्स। मार्वल स्टार क्रिस हेम्सवर्थ की पॉपुलर एक्शन फ्रेंचाइजी एक्सट्रैक्शन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म के तीसरे पार्ट की तैयारियां शुरू हो गई हैं, और अब फिल्म में एक और बड़ा हॉलीवुड एक्टर शामिल होने वाला है। एक बार फिर क्रिस हेम्सवर्थ अपने दमदार किरदार टायलर रेक के रूप में वापसी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में इद्रीस एल्बा भी नजर आएंगे, जो पहले भी इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं। उनके साथ गोलशिफ्तेह फरहानी भी अपनी भूमिका दोहराती दिखेंगी। फिल्म को एक बार फिर डायरेक्टर सैम हार्ग्रेव ही डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने पहले दोनों पार्ट्स को भी संभाला था। एक्सट्रैक्शन सीरीज की शुरुआत 2020 में हुई थी और इसके बाद 2023 में इसका दूसरा पार्ट आया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

राका बनकर डराएंगे दीपिका होंगी साथ

मुंबई। साउथ के बेहतरीन एक्टर अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर अपकमिंग फिल्म का नाम और पोस्टर रिवील किया है। पहले उनकी इस फिल्म को 'एए2xए6' के नाम से जाना जाता था। पोस्टर कई भाषाओं में रिलीज किया गया है। इसमें अंग्रेजी और हिंदी जैसी भाषाएं भी शामिल हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है 'एए2xए6' का नाम अब राका है। खुद को सीमाओं से आगे देखने के लिए तैयार करें।' इसमें अल्लू अर्जुन, एटली और दीपिका पादुकोण को टैग किया गया है। 'राका' के पोस्टर में देखा जा सकता है कि अल्लू अर्जुन का आधा चेहरा नजर आ रहा है। अपने चेहरे को उन्होंने छुपाया है। उनके चेहरे के आगे किसी जानवर का पंजा है, जो काफी डरावना लग रहा है। उनके सर पर बाल नहीं हैं। उनकी भौहें बनी हुई हैं।

डकैत की टिकट बेचते नजर आए जमील

मुंबई। फिल्म 'धुरंधर' में जमील जमाली के किरदार से सुर्खियों में छाए राकेश बेदी का डायलॉग 'मेरा बच्चा है तू...' लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध हो गया है। यहां तक कि अब निर्देशक अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए राकेश बेदी का सराहा ले रहे हैं। एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें राकेश सिनेमाघर के टिकट काउंटर पर 'डकैत' की टिकट बेचते नजर आ रहे हैं। उनका यह मजेदार अंदाज सोशल मीडिया पर पसंद किया जा रहा है। मृणाल ठाकुर ने एक खास वीडियो अपनी फिल्म डकैत की रिलीज के ठीक एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में राकेश अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैत की टिकटें बेचते नजर आ रहे हैं। फिल्म 'डकैत'10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

टीवी मसाला

तुलसी का जलवा बरकरार अनुपमा का हुआ बुरा हाल

नई दिल्ली। गुरुवार को 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट सामने आ चुकी है। इस बार भी स्मृति ईरानी स्टारर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' अव्वल रहा है। टीआरपी लिस्ट में 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में इसकी अपनी टीआरपी 2.0 थी। देखा जाए तो इस 13वें हफ्ते में आकर इस सीरियल की टीआरपी कम हुई है। इन दिनों सीरियल में तुलसी, मिहिर के और नोयना के उलझे रिश्तों वाला ट्रैक चल रहा है। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर सीरियल 'गंगा मां की बेटियां'रहा है। इसको भी 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में यह सीरियल पांचवें नंबर पर था। इस तरह 'गंगा मां की बेटियां'इस पर टीआरपी चार्ट में ऊपर आया है। इन दिनों टीवी और फिल्म एक्टर शरद केलकर का सीरियल 'तुम से तुम तक'भी काफी पसंद किया जा रहा है। 13वें की टीआरपी लिस्ट में इसे 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में शरद केलकर के सीरियल 'तुम से तुम तक'को 1.9 की टीआरपी मिली थी। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में चौथे नंबर पर सीरियल वसुधा रहा है, इसकी टीआरपी 1.7 रही है। वहीं ,पांचवें नंबर पर रुपाली गांगुली का सीरियल अनुपमा रहा है। इस सीरियल की टीआरपी लगातार कम हो रही है। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में इसे पांचवां स्थान मिला है, इसको भी 1.7 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में यह सीरियल चौथे नंबर था और इसकी टीआरपी 1.8 थी।

खोपड़ी-पसली वाला खाना देख चकराया सिर

नई दिल्ली। 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में सबसे बड़ा डर हमेशा से किसी खाने को बिगाड़ देना रहा है। लेकिन, क्या होता है जब एक बिगड़ी हुई रेसिपी का डर एक भूतिया घर के आतंक से टकराता है? इसका जवाब शो के अब तक के सबसे अराजक और कॉमेडी से भरपूर ट्विस्ट में छिपा है, जब किचन पूरी तरह से भूत बंगले में बदल जाती है और इसके स्टार कलाकार भी मस्ती में शामिल हो जाते हैं। थीम है - कॉर्न रिब्स और टेटर टॉट्स, जिन्हें खोपड़ी और पसलियों के आकार में सजाया गया है। टेटर टॉट्स पांच इंच लंबे, खोपड़ी के आकार के, सुनहरे भूरे रंग के, बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होने चाहिए, और उन पर तीखा पेरी पेरी मसाला लगा होना चाहिए। वहीं, कॉर्न रिब्स कम से कम छह बिल्कुल सही कटे हुए टुकड़ों में होने चाहिए, कुरकुरे और रसदार, मक्खन, नींबू और मिर्च के मसाले में लपेटे हुए।

गिन्नी वेड्स सनी 2 में पहलवानी करते नजर आए अविनाश

मुंबई। अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर में अविनाश एक पहलवान के रूप में नजर आए। तो वहीं फिल्म की अभेनित्री मेधा शंकर का मॉर्डन स्टाइल देखने को मिला। । 'गिन्नी वेड्स सनी 2' 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर में नई जोड़ी अविनाश और मेधा दिख रही है। ये जोड़ी पहले वाली फिल्म में विक्रांत मैसी और यामी गौतम ने निभाई थी। इस सीक्वल में पूरी नई कहानी है। अविनाश (सनी) पहलवान हैं और मेधा (गिन्नी) शादी की हलचल में मजेदार और अनोखे ट्विस्ट लाती हैं। ट्रेलर में भरपूर रोमांस, हंसी और मनोरंजन है। फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' के निर्माताओं ने आज ट्रेलर रिलीज करके फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। ट्रेलर रिलीज से पहले हाल ही में इस फिल्म के दो गाने 'छाप तिलक' और 'ऐ खुदा' जारी किए गए थे। दोनों गाने दर्शकों को बहुत पसंद भी आए। इन गानों में फिल्म की कहानी साफ दिखाई देती है। इन गानों में भावनाओं और रोमांस को बखूबी दिखाया गया है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' 2020 में नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' का दूसरा भाग है। उसमें विक्रांत मैसी और यामी गौतम थे। अब 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक और लेखक प्रशांत झा हैं। मेधा की मां का रोल लिलेट दुबे ने किया है। इसके अलावा सुधीर पांडे, गोविंद नामदेव और गोपी भल्ला जैसे दमदार कलाकार भी हैं। जी स्टूडियोज और साउंड्रया प्रोडक्शन ने इसे बनाया है।

गुड्डी की मासूमियत ने जीता था शहंशाह का दिल

नई दिल्ली। एक सफल अभिनेत्री, पत्नी और मां; जया ने अपने जीवन के हर रंग को भरपूर जिया है। साल 1971 में फिल्म 'गुड्डी' से उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की। 1972 में पहली बार उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'बंसी बिरजू' में काम किया पर बच्चन से पहली मुलाकात तो 'गुड्डी' के सेट पर ही हो गई थी। फिल्मी सेट पर मिले ये दो दिल तब तक यह नहीं जानते थे की वो एक साथ लंबे वक्त तक धड़केंगें।

गुड्डी के सेट पर मिली नजरें : जया और अमिताभ बच्चन की प्रेम कहानी पुणे फिल्म संस्थान में शुरू हुई। अमिताभ प्रसिद्ध निर्देशक के. अब्बास के साथ पुणे आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ को पहली बार जया के लिए एहसास तब जागा जब उन्होंने पहली बार उन्हें एक पत्रिका के कवर पेज पर देखा। इसके बाद दोनों पहली बार फिल्म 'गुड्डी' के सेट पर मिले। फिल्म में अमिताभ ने कैमियो किया था। एक पुराने इंटरव्यू में जया ने कहा कि अमिताभ की आंखों से उन्हें पता चल गया था कि वो एक दिन स्टार बनेंगे।

53 साल का साथ : अब अमिताभ और जया की शादी को 53 साल बीत चुके हैं। दोनों खुशहाल जीवन जी रहे हैं। अब जया सिर्फ पत्नी ही नहीं दो बच्चों (अभिषेक बच्चन और श्वेता नंदा) की मां भी है। बहू के रूप में उन्हें एश्वर्या राय बच्चन मिली हैं।

राजेश ने जताई थी आपत्ति

एक-दूसरे को पसंद करने का जो सिलसिला गुड्डी से शुरू हुआ था वो फिल्म बंसी बिरजू और एक नजर में परवान चढ़ा। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ी। जया जहां समझ चुकी थी कि यह प्यार है वहीं अमिताभ अब भी इसकी दस्तक नहीं सुन पा रहे थे। हालांकि, धीरे-धीरे दोनों को यह महसूस हो गया। जया और अमिताभ एक होना चाहते थे। खबरों की मानें तो जया के करीबी दोस्त और सुपरस्टार राजेश खन्ना को दोनों का रिश्ता सही नहीं लगा। इस पर एक्टर ने आपत्ति जताई थी। मगर तब तक अमिताभ का जादू जया पर चल चुका था।

एक ट्रिप ने मिस जया को बनाया मिसेज जया

दो साल गुजर गए। साल 1973 में फिल्म 'जंजीर' की सफलता के बाद अमिताभ बच्चन सुपरस्टार बन गए। इस सफलता का जश्न मनाने के लिए अमिताभ दोस्तों के साथ फॉरिन ट्रिप पर जाना चाहते थे। वो चाहते थे कि जया भी उनके साथ लंदन जाएं। मगर दोनों के परिवारों को पता चला तो इस पर मंजूरी नहीं मिली। न तो पारंपरिक बच्चन परिवार ने अमित को इजाजत दी, न ही कला के भक्त भादुड़ी परिवार ने जया को। मगर अमिताभ की जिद थी कि वो जया के साथ ही लंदन जाएंगे। इस पर परिवार वालों ने कहा कि अगर दोनों शादी कर लें तो किसी को कोई परेशानी नहीं है। इसके बाद बिना देरी किए अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी ने 3 जून 1973 एक निजी समरोह में फेरे ले लिए।

कन्नड़ अभिनेता यश लंकापति रावण की भूमिका में आएंगे नजर

कई अभिनेताओं ने निभाया रावण का किरदार, दर्शकों के दिलों में आज भी बसे अरविंद

नई दिल्ली। *नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। इस फिल्म में राम की भूमिका में रणबीर कपूर, माता सीता की भूमिका में साई पल्लवी और लंकापति रावण की भूमिका में यश हैं। रामानंद सागर की 'रामायण' पूरे देश में आज भी बहुत चर्चित है। उस समय यह सीरियल टीवी पर रविवार को आया करता था, जिसे लाखों-करोड़ों लोग देखते थे। अरविंद त्रिवेदी का रावण का रोल इतना जबरदस्त और यादगार रहा कि लोग आज भी उन्हें 'रावण' के नाम से ही जानते हैं। अरविंद त्रिवेदी का रावण का किरदार सदाबहार है, लेकिन अरविंद के अलावा भी कई अभिनेताओं ने रावण की भूमिका निभाई है। वहीं अब नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में कन्नड़ अभिनेता यश लंकापति रावण की भूमिका में नजर आएंगे।*

रावण के किरदार को बना दिया अमर

रामानंद सागर की 'रामायण' में अरविंद त्रिवेदी का रावण का किरदार बहुत शक्तिशाली और भयानक दिखाया गया था। दस सिर वाले रावण के रूप में उनकी एक्टिंग ने दर्शकों को काफी इंप्रेस किया। कई लोगों का कहना है कि न तो पहले ऐसा रावण हुआ और न ही बाद में कभी होगा। उनकी आवाज, बॉडी लैंग्वेज और अभिनय ने उन्होंने रावण के अपने इस किरदार को अमर बना दिया। असल में अरविंद त्रिवेदी केवट (नाविक) का रोल करने के लिए ऑडिशन देने गए थे, लेकिन रामानंद सागर ने उनकी आवाज और लुक देखकर उन्हें सीधे रावण का रोल दे दिया। उन्होंने 300 से ज्यादा लोगों को पीछे छोड़कर यह रोल हासिल किया। अरविंद त्रिवेदी का निधन हो चुका है, लेकिन 'रामायण' में रावण के किरदार में उनकी भूमिका लोगों के दिलों में आज भी जिंदा है।

यश की दी दिखाई झलक

नितेश तिवारी निर्देशित आगामी फिल्म 'रामायण' का पहला भाग 2026 में रिलीज होने वाला है। इस फिल्म में रावण का किरदार साउथ अभिनेता यश निभाएंगे। हाल ही में रिलीज हुए 'रामायण' के टीजर में रावण के किरदार में यश की झलक सिर्फ पीछे से दिखाई गई है। तो क्या यश अभिनेता अरविंद त्रिवेदी जैसा जादू दर्शकों पर चला पाएंगे? यह तो इस फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा।

अखिलेंद्र : *अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा 2008 में आनंद सागर की 'रामायण' सीरियल में रावण बने। अखिलेंद्र मिश्रा ने रावण को सिर्फ क्रोधी और खलनायक के रूप में नहीं, बल्कि भावुक और मानवीय पक्ष भी दिखाया। उन्होंने कहा था कि वह रावण को रोते हुए दिखाना चाहते थे। अखिलेंद्र मिश्रा को फिल्मों में भी खलनायक रोल्स के लिए जाना जाता है, जैसे फिल्म 'लगान' में उनका रोल याद किया जाता है। उन्होंने टीवी पर कई पावरफुल किरदार निभाए हैं।*

निकितन : *निकितन धीर ने 'श्रीमद् रामायण' (2024) सीरियल में रावण का किरदार निभाया है। पंकज धीर के बेटे निकितन ने रावण के लुक, मेकअप और एक्टिंग से काफी तारीफें बटोरीं। उनकी हाइट और परफॉर्मेंस रावण की शक्तिशाली छवि से मैच करती है। कई दर्शक मानते हैं कि उन्होंने रावण को अच्छे तरीके से जीवंत किया है।*

सैफ : *बॉलीवुड स्टार सैफ अली खान ने फिल्म आदिपुरुष में रावण का रोल किया। हालांकि, फिल्म को काफी आलोचना मिली, लेकिन सैफ ने रावण का भव्य और खतरनाक रूप पेश करने की कोशिश की। यह उनका पहला बड़ा पौराणिक खलनायक रोल था। हालांकि, सैफ रावण के रोल में दर्शकों के दिलों में खास जगह नहीं बना सके।*

प्रेमनाथ : *प्रेमनाथ क्लासिक अभिनेता थे। उन्होंने 1976 की फिल्म जय बजरंगबली में लंकेश्वर रावण का किरदार निभाया। पुरानी हिंदी सिनेमा में वह विलेन और सशक्त रोल्स के लिए मशहूर थे। उनका रावण वाला रोल भी याद किया जाता है।*

हाईकोर्ट का निर्देश

गंदे पानी से सब्जी उगाने, नर्मदा में मिलने वाले नाले और संक्रमित पानी की आपूर्ति पर सभी पक्ष दें सुझाव

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में गुरुवार को नाले के गंदे व विषैले पानी से सब्जी उगाने, नर्मदा में मिलने वाले नाले और संक्रमित पानी की आपूर्ति से जुड़ी तीन याचिकाओं पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सभी पक्षों को उक्त समस्याओं के समाधान के लिए ठोस उपाय सुझाने के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि इंदौर में व्यवस्थाएं कैसे दुरूस्त हुई हैं। वहां जनता भी प्रशासन को पूरा सहयोग करती है। कोर्ट ने कहा कि कोई एक्सपर्ट बॉडी को सामने आकर दूरगामी और ठोस सुझाव देना चाहिए। अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी।

पिछली सुनवाई के दौरान मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने नालों के पानी की जांच रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया था कि शहर के लगभग सभी नालों के पानी में भारी मात्रा में सीवेज मिलता है, जिस कारण वह 'अत्यंत दूषित' है। यह पानी पीने, निस्तार और सिंचाई के लिए पूर्णतः अनुपयोगी है। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि नालों का यह पानी वॉटर पाइप लाइन में मिल गया तो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होंगी।

मामले पर सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने दलील दी कि ग्वारीघट में रोज सैकड़ों लोग तेल के दीये नर्मदा में सिराते हैं, जिससे पानी

दूषित होता है। शहर में 174 मेगालीटर प्रतिदिन वेस्ट वॉटर नालों में जाता है, जिसमें से नगर निगम द्वारा 13 सीवेज प्लांट्स के जरिए केवल 58 मेगालीटर प्रतिदिन पानी का ट्रीटमेंट किया जाता है। यह पानी नर्मदा तथा हिरन नदी में मिलाया जाता है।

डेमोक्रेटिक लॉयर फोरम की ओर से रविंद्र गुप्ता द्वारा शीघ्र ही सही साफ और साफ और बिना संक्रमित पानी पीने लायक घरों में सप्लाई करने हेतु नगर निगम सक्षम नहीं है इसलिए संपूर्ण मामले की पर सही कार्रवाई हेतु एक मॉनिटरिंग कमेटी बनाने की मांग की है। जिसमें उनके द्वारा कहा गया है कि हाई कोर्ट जज रिटायर्ड की चेयरमैनशिप के अंदर में जबलपुर मेयर जबलपुर कमिश्नर जबलपुर कलेक्टर एचपी डिपार्टमेंट के हेड किसी सीनियर सिटीजन सोशल वर्कर और किसी सीनियर एडवोकेट ऐसे साथ लोगों की मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जाए।

कानफोड़ू शोर की समस्या के हल के लिए नागरिकों को जागरूक होना आवश्यक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में कोलाहल अधिनियम का उल्लंघन कर बहुत तेज आवाज में डीजे बजाने को चुनौती देने के मामले में गुरूवार को सुनवाई हुई। सरकार की ओर से जवाब पेश कर बताया गया कि कान फोड़ू डीजे की तेज आवाज जन समस्या बन गयी है। कोलाहल एक्ट के तहत निर्धारित से अधिक आवाज में डीजे बजने पर जुर्माने की कार्यवाही करती है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि इस समस्या के हल के लिए नागरिकों को जागरूक होना आवश्यक है। अगली सुनवाई 23 जून को होगी।जबलपुर निवासी नाना देशमुख वेटनरी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति गोविंद प्रसाद मिश्रा, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी आरपी श्रीवास्तव सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि शादियों व धार्मिक आयोजन के दौरान बहुत तेज आवाज में डीजे बजाये जाते है। मानव शरीर 75 डेसिबल आवाज की तीव्रता सहन कर सकता है। इसके अधिक आवाज ध्वनि प्रदूषण की श्रेणी में आते है। डीजे की तीव्रता 100 डेसिबल से अधिक होती है। डीजे की तेज आवाज के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है। तेज आवाज के कारण लोगों को हार्ट अटैक आते है,जो उनकी मौत का कारण बनता है। इसके अलावा लोगों उनका ब्लड प्रेशर बढ जाता है। तेज आवाज के कारण लोग बहरे हो रहे है। उन्होंने कहा कि केवल जुर्माने की कार्यवाही से इस समस्या पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है

हाईकोर्ट की टिप्पणी

धर्म की स्थापना करने अवतरित होते हैं भगवान : नृसिंह देवाचार्य

सिहोरा। भागवत कथा के श्रवण से भगवान की निर्मल भक्ति की प्राप्ति होती है शक्ति और सामर्थ का उपयोग समाज सेवा के लिए करने से व्यक्ति को यश कीर्ति प्राप्त होने के साथ उसकी आयु बढ़ती है। भगवान हमेशा जीव का उद्धार करने के लिए जन्म लेते हैं उक्ताशय के उदगार गीता धाम जबलपुर के महंत परम पूज्य स्वामी नृसिंह देवाचार्य जी ने हरि हर धाम प्रज्ञा बिहार कालोनी में जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, देववती अग्निहोत्री के संयोजन में चल रही सप्त दिवसीय भागवत कथा में मत्सय चरित्र,अजामिल उपाख्यान,नृसिंह अवतार,वामन अवतार,श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर व्यासपीठ से व्यक्त किए। आगे कहा जब व्यक्ति के जीवन में धर्म का छय होता है तथा कलयुग के कारण जो व्यक्ति को कष्ट मिलता है तो उससे मुक्ति दिलाने एंव धर्म की स्थापना करने भगवान जन्म लेते हैं आगे कहा भगवान के जन्म को लोग भूल जाते हैं तो व्यक्ति को बोध कराने भगवान जन्म लेते है। जब कंश को आकाशवाणी से पता चला की देवकी की आठवीं संतान उसकी मृत्यु का कारण बनेगी तो वसुदेव देवकी के छ पुत्रों की कशं ने हत्या कर दी। देवकी के आठवें पुत्र के रुप में जब भगवान कृष्ण ने आधी रात को अवतार लिया तो कारागार के ताले अपने आप खुल गए और वासुदेव कृष्ण को टोकरी में रखकर गोकुल में छोड़ आए और वहां से माया रूपी बालिका को अपने साथ ले आए इधर जब कंश बच्चे के रोने की आवाज सुना तो कारागार की तरफ दौड़ पड़ा उनके हाथों से छीनकर जैसे ही उसने माया को जमीन पर पटकने का प्रयास किया तो वह उसके हाथ से छूटकर आकाश में चली गई ।

श्रीकृष्ण के जन्म लेते ही झूम उठा कथा पंडाल

राष्ट्रपति के नाम थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय अध्यक्ष पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी असम के मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

सिहोरा-असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व सरमा द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की गई कथित अपमानजनक अमर्यादित टिप्पणी से कांग्रेस पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा भड़के कांग्रेस जनों ने पुराना बस स्टैंड में जहां असम के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका वही पुलिस थाने पहुंचकर असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर सिहोरा थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में असम के मुख्यमंत्री को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर असम में निष्पक्ष चुनाव की मांग की। यह आयोजन राज्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तंखा,विधायक लखन घनघोरिया,महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बरसिया के मार्गदर्शन जिला कांग्रेस कमेटी

जबलपुर ग्रामीण उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व प्रदेश सचिव मंजू मिश्रा की अगुवाई राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि बाबा कुरैशी,प्रदेश सचिव राजेश चौबे,महासचिव अमोल चौरसिया नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन सोनी के संयोजन में हुए विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बिहारी पटेल,वरिष्ठ सुबोध पांडे,सुरेंद्र मिश्रा,प्रकाश कुररिया,आलोक पांडे,मनीष खम्परिया,मनीष शुक्ला,घनश्याम बडगैया,शमशेर खान,ओम नारायण श्रीवास्तव,ममता गोटिया,रमेश पटेल, माधुरी गणेश दहिया,डॉक्टर आरके यादव,शेख साबिर,फैज आलम शाह,डब्बू पाठक एम मंसूर,राम लोचन कोल,शंकर वंशकार,राजभान चौधरी,संगीता पांडे,रीना चौधरी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गैस संकटः रसोई मौन जिम्मेदार कौन

एनएसयूआई के अर्थी जुलूस पर चला वाटर कैनन

जबलपुर। गुरुवार को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर विरोध तेज हो गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश अर्थी जुलूस निकालकर रानीताल चौक पर धरना-प्रदर्शन किया। एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों से आम जनता, विशेषकर मध्यमवर्ग और गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर कार्यकर्ता रानी ताल से अर्थी जुलूस लेकर भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे तभी पुलिस ने बैरीकेडिंग कर वाटर कैनन (पानी की बौछारें) चलाई ।

जुलूस जैसे ही आगे बढ़ा, पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैरिकेड लगाकर कार्यकर्ताओं

को रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने जा रहे थे, लेकिन उन्हें भाजपा कार्यालय तक पहुंचने से रोक दिया गया। उनका आरोप है कि महंगाई के खिलाफ आवाज उठाने पर प्रशासन दमनात्मक रवैया अपना रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। बिना अनुमति संवेदनशील क्षेत्र की ओर बढ़ने पर भीड़ को रोकना जरूरी था, इसलिए बैरिकेडिंग और पानी की बौछार का सहारा लिया गया।

घटना के बाद कुछ समय तक क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गए। पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

न्यायालय परिसर में पोस्टर चिपकाने की सीजे से शिकायत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीजे जैन ने मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा को पत्र लिखकर राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशियों द्वारा पूरे न्यायालय परिसर में पोस्टर चिपकाने की शिकायत की है। कहा है कि चुनाव प्रचार सामग्री न्यायालय भवनों की दीवार पर चिपकाना पूरी तरह अनुचित है। इससे परिसर में गंदगी हो रही है। यह आपत्ति भी जताई गई कि कुछ प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने के दौरान न्यायालय परिसर में नारेबाजी भी कर रहे हैं। इस संबंध में चुनाव समिति के समक्ष शिकायत की गई थी। मांग की गई कि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए।

बार काउंसिल चुनाव में दूसरे दिन 46 उम्मीदवारों ने भरा नामांकन

स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के चुनाव के लिए गुरूवार को नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन कुल 46 उम्मीदवारों ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। दो दिनों में कुल 94 उम्मीदवरों ने नामांकन भरा है। जबलपुर से हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीके जैन, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, डॉ प्रशांत मिश्रा, ज्योति राय, अमन शर्मा, नवीन शुक्ला व अन्य ने अपनी दावेदारी पेश की है। शुक्रवार को नामांकन का अंतिम दिन है। नाम वापसी होने के बाद सभी नामांकन प्रपत्रों की जांच की जाएगी। स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। मतदान 12 मई को होना है।

वंदे मातरम मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता का माध्यम

विवाद पर विजयवर्गीय का तीखा बयान

जबलपुर। मप्र सरकार के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने जबलपुर प्रवास के दौरान इंदौर में 'वंदे मातरम' गायन को लेकर हुए हालिया विवाद पर खुलकर प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है और इस विषय पर किसी प्रकार का भ्रम या विवाद उचित नहीं है। मंत्री ने कहा कि कुछ लोग देश के संसाधनों का लाभ तो लेते हैं, लेकिन जब राष्ट्र के प्रति निष्ठा दिखाने का अवसर आता है तो पीछे हट जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिस भूमि पर हम जन्म लेते हैं, पलते-बढ़ते हैं और पहचान बनाते हैं, उसे माता के रूप में सम्मान देना हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। यहां जबलपुर क्लब के शताब्दी वर्ष में शामिल होने आए विजयवर्गीय कुछ पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त करने का माध्यम है। इस पर अनावश्यक

विवाद खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है। विजयवर्गीय ने उम्मीद जताई कि समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगी और लोग राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे।

बंगाल में आएगी सरकार

इस दौरान पत्रकारों द्वारा पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए प्रश्न पर कैलाश विजयवर्गीय ने आत्मविश्वास से कहा, बंगाल में इस बार हम पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पार्टी की स्थिति मजबूत है और जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं और जनता परिवर्तन चाहती है। विजयवर्गीय ने भरोसा जताया कि चुनाव परिणाम पार्टी के पक्ष में आएंगे। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पार्षद कमलेश अग्रवाल मौजूद रहे।

केंद्रीय जेल के बंदियों ने सुदर्शन क्रिया से सीखी तनाव मुक्ति की बारीकियां

जबलपुर। केन्द्रीय जेल जबलपुर में बंदियों के मानसिक और शारीरिक उत्थान के उद्देश्य से 'आर्ट ऑफ लिविंग' संस्था के सहयोग से चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हुआ। जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर के मार्गदर्शन में 06 अप्रैल से 09 अप्रैल तक चले इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों ने बंदियों को तनाव, क्रोध और अवसाद से मुक्त होकर एक सकारात्मक जीवन जीने के व्यावहारिक गुर सिखाए गये। प्रशिक्षण में बंदियों को जीवन के सात स्तरों-शरीर, श्वास, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार और आत्मा के प्रति सजग रहने का महत्व बताया गया तथा सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य बंदियों के भीतर आत्म-सम्मान और आत्म-संतुष्टि की भावना जागृत करना था, ताकि वे कारागार से बाहर निकलने के बाद समाज की मुख्यधारा में एक बेहतर इंसान के रूप में जुड़ सकें। प्रशिक्षकों ने ओरा ध्यान और ज्ञानवार्ता के माध्यम से बताया कि कैसे मन की एकाग्रता बढ़ाकर मानसिक प्रसन्नता और वैचारिक स्पष्टता प्राप्त की जा सकती है। शिविर के समापन पर रेखांकित किया गया कि नियमित योगाभ्यास और ध्यान न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को उन्नत बनाता है, बल्कि कठिन परिस्थितियों में भी मन को शांत रखने की शक्ति प्रदान करता है।

नामचीन स्कूल बसों की जांच में मिली कई खामियां

ब्रांड नाम से सुरक्षा की गारंटी नहीं

जबलपुर।

शहर के प्रतिष्ठित और नामचीन स्कूलों की बसें भी अब परिवहन विभाग की सख्त जांच के दायरे में आ गई हैं। गुरुवार सुबह आरटीओ रिंकू शर्मा और संभागीय परिवहन उड़नदस्ता प्रभारी राजेन्द्र साहू की मौजूदगी में लगभग 40 स्कूल बसों की सघन जांच की गई। जांच में कई चौंकाने वाली खामियां सामने आईं, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि केवल ब्रांड नाम से सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती।

जानकारी के अनुसार, सुबह 7 बजे से ही परिवहन विभाग का अमला सक्रिय हो गया था। आरटीओ की मौजूदगी में जिन स्कूलों की बसों की जांच की गई, उनमें एमएम इंटरनेशनल स्कूल, लिटिल वर्ल्ड स्कूल, ज्ञानगंगा कॉलेज, ब्रिटिश फोर्ट स्कूल तथा गढ़ा संजीवनी नगर स्थित रायल स्कूल शामिल रहे। इन सभी संस्थानों की बसों को बारी-बारी से रोककर तकनीकी और सुरक्षा मानकों की जांच की गई।

चेकिंग के दौरान कई बसों में आवश्यक सुरक्षा उपकरणों

की कमी पाई गई। कुछ बसों में प्राथमिक उपचार (मेडिकल) किट नहीं थी, तो कुछ में खिड़कियों पर सुरक्षा ग्रिल नदारद मिली। कई बसों में फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय नहीं पाया गया।सबसे गंभीर मामला तब सामने आया जब कुछ स्कूल बसों के इमरजेंसी गेट को बंद कर वहां अतिरिक्त सीटें फिट कर दी गई थीं। यह सीधा-सीधा सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में बसों को तत्काल खड़ा करवाकर अतिरिक्त सीट हटवाई गई और इमरजेंसी गेट खुलवाया गया।

आरटीओ ने दी हिदायत

आरटीओ रिंकू शर्मा ने बताया कि जिन बसों में सामान्य खामियां थीं, उन्हें हिदायत देकर छोड़ा गया है, लेकिन इमरजेंसी गेट पर सीट लगाए जाने जैसे गंभीर मामलों में मौके पर ही सुधार करवाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अभिभावकों में चिंता का माहौल

नामचीन और महंगे स्कूलों की बसों में खामियां मिलने से अभिभावकों में चिंता का माहौल है। पालकों का कहना है कि जब वे भारी फीस अदा करते हैं, तो बदले में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

WE ARE HIRING
Job Opening
CIRCULATION ASSISTANT MANAGER
Position : Circulation Assistant Manager - 2 Post
Location : Raipur City
We are looking for a dynamic, Target Oriented and motivated Circulation Assistant to Join our team.
Qualifications :
- MBA (Marketing) from a recognized institution
- 3-5 Years of relevant experience in circulation Department
- Age 25 to 30 Years
Responsibilities :
- Manage circulation and distribution of publications
- Handle customer queries
- Maintain accurate circulation records
How to Apply
Interested candidates may send their resume to Email : inhnewshr@gmail.com
Last Date to Apply : 10 April 2026
हरिभूमि inh Opp. Pujari Park, Dhamtari Road, Tikrapara, Raipur

खबर संक्षेप

श्री परशुराम मुख्य शोभायात्रा में सहभागिता सुनिश्चित करने विप्र समाज की बैठक आज

जबलपुर। सुहागी एवं महाराजपुर, आधारताल क्षेत्र के समस्त विप्र समाज को सूचित किया जाता है कि ब्राह्मण एकता मंच के बैनर तले, भगवान श्री परशुराम जी की ऐतिहासिक मुख्य शोभायात्रा में भव्य सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक प्राचीन शिव मंदिर के पास (एल.पी. डील मॉल के पीछे) मेन रोड सुहागी में 10 अप्रैल को सायं 7:30 बजे से आयोजित की जा रही है। पं. प्रहलाद गर्ग, पं. परशुराम दुबे, पं. बसंत बिलौहा, पं. महेंद्र दीक्षित, डॉ. विजयकांत तिवारी, पं. अशोक उपाध्याय, पं. शिवाकांत त्रिपाठी, पं. राजा भैया गर्ग, पं. महेश पुरोहित, पं. शैलेंद्र जोशी सहित अन्य ने ब्राह्मण समाज के समस्त समाजसेवियों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समाज की गरिमा और परंपरा को आगे बढ़ाएं व इस पावन आयोजन को सफल बनाएं।

श्री परशुराम की भव्य शोभायात्रा 18 को

जबलपुर। सम्माननीय ब्राह्मण एकता मंच के समस्त ब्राह्मण एकता मंच के द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा 18 अप्रैल 2026 दिन शनिवार को संध्या 4:00 बजे से मालवीय चौक से आरंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों का भ्रमण करते हुए कोतवाली थाने के सामने संपन्न होगी आपकी उपस्थिति आवश्यक एवं प्रार्थनीय है।

एडवोकेट रिजवान अली कोटी बने कांग्रेस के प्रवक्ता

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल द्वारा जारी जबलपुर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी में एडवोकेट रिजवान अली कोटी को जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। संगठन ने रिजवान की कार्यक्षमता, ऊर्जा तथा उनके द्वारा किए गए पूर्ववर्ती जनहित के कार्यों का कांग्रेस को लाभ मिलने की आशा व्यक्त की है। ज्ञात हो कि रिजवान ने एनएसयूआई एवं युवा कांग्रेस के कई महत्वपूर्ण पदों में रहते हुए शहर एवं छात्रहित में ढेरों आंदोलन किए जिसमें से जबलपुर में मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना भी उनकी छात्र राजनीति की एक बड़ी उपलब्धियों में से है।

रामकृपा जीवन का महा अमृतांजन : जगद्गुरु रामभद्राचार्य

रामकथा में मिल रहे जीवन जीने के सूत्र

जबलपुर। तुलसी पीठाधीश्वर, पद्मविभूषण, रामानंदाचार्य जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज की गौरीघाट आयुर्वेद कॉलेज मैदान में चल रही श्रीरामकथा में श्रद्धालुओं को जीवन जीने के महत्वपूर्ण सूत्र मिल रहे हैं। समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित इस कथा में महाराजश्री रामचरितमानस के प्रसंगों को वर्तमान जीवन से जोड़ते हुए उनकी सरस व्याख्या कर रहे हैं।

अहिल्या प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराजश्री ने कहा कि अहिल्या के जीवन में मोह, अंधकार और दुर्भाग्य तीनों थे, जो प्रभु की कृपा से ही समाप्त हुए। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में भी कई बार ऐसी स्थिति आती है, जब भीतर का अंधकार दूर करने के लिए प्रभु की कृपा आवश्यक होती है। रामजी की चरणधूलि जीवन के लिए अमृत के समान है, जो मनुष्य के जीवन को पावन बनाती है।

'राम जनम जग मंगल हेतु' चौपाई की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जन्म पूरे जगत के कल्याण के लिए हुआ है, इसलिए उनके स्मरण और कृपा से हर व्यक्ति का मंगल संभव है। उन्होंने बताया कि श्रीराम ने अपने जीवन से यह सिखाया कि पिता से कैसा व्यवहार करें, भाई के साथ संबंध कैसे निभाएं, गुरु का सम्मान कैसे करें और धर्म की रक्षा कैसे करें। महाराजश्री ने कहा कि ज्ञान और वैराग्य मनुष्य के दो नेत्र हैं। जब प्रभु की कृपा होती है तभी ये नेत्र खुलते हैं और जीवन में भय तथा अज्ञान दूर होता है।

विश्वामित्र ने अयोध्या आकर किया प्रायश्चित

रामचरितमानस के प्रसंगों को समझाते हुए उन्होंने बताया कि विश्वामित्रजी अयोध्या दो बार आए थे। एक बार राजा हरिश्चंद्र के समय और दूसरी बार भगवान राम के समय। हरिश्चंद्र के समय उन्होंने उनकी पत्नी को उनसे अलग किया था, जिसका प्रायश्चित उन्होंने राम के समय किया। उन्होंने दशरथ से कहा कि पहले मैं परीक्षा लेने आया था, अब परीक्षा देने आया हूं। उस समय राज्य लेने आया था, अब राम को लेने आया हूं।

गुरु का भी प्रभु ने किया मंगल

महाराजश्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने गुरु वशिष्ठजी का भी मंगल किया। वशिष्ठजी स्वयं कहते हैं कि श्रीराम ने अपने गुण, विनय और मधुर व्यवहार से मेरे मन को जीत लिया। वशिष्ठजी का मंगल देखकर ही विश्वामित्रजी को भी विश्वास हुआ कि प्रभु उनका भी कल्याण करेंगे।

समाज के लिए जीना ही सार्थक

कथा से पूर्व तुलसी पीठ चित्रकूट के युवराज आचार्य रामचंद्रदास जी ने कहा कि जो व्यक्ति समाज और संस्कृति के लिए जीता है, वही जीवन वास्तव में सार्थक होता है। उन्होंने सभी से भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया।

कथा के दौरान गुरुकुलम निर्माण के लिए विधायक अशोक रोहाणी ने 11 लाख, किशोरी सिंह लोधी ने 2 लाख, अशोक अग्रवाल गढ़ाफाटक ने 1 लाख, संदीप जायसवाल ने 1 लाख तथा एक लाख रुपए गुप्तदान के रूप में समर्पित किए।

पादुका पूजन कर लिया आशीर्वाद

कथा से पूर्व रामानंद पीठ की चरण पादुकाओं का पूजन सांसद सुमित्रा वाल्मिक, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एम.के. दास, डॉ. राजेश धीरवानी, कैलाशचंद्र जैन, किशोर सिंह लोधी, अजय गुप्ता और अनूप खंडेलवाल ने किया। पूजन का विधान तुलसी पीठ के आचार्य युवराज रामचंद्रदासजी ने कराया।

राम-जानकी विवाह उत्सव पर झूमे श्रद्धालु

आज की कथा में भगवान श्रीराम और माता जानकी के विवाह प्रसंग का वाचन हुआ। विवाह उत्सव के अवसर पर मंच पर विशेष आयोजन किया गया, जिसे सुनकर और देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

व्यासपीठ से महाराजश्री के जीवन सूत्र

धार्मिक व्यक्ति को ही विद्या प्राप्त हो सकती है।
संतों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रहित में सभी को एक होना चाहिए।
राष्ट्र की चिंता वही करता है जो परिवार से ऊपर उठकर सोचता है।
सच्चा संत वही है जिसके पास जाकर समस्याओं का अंत हो जाए। माता-पिता और गुरु को प्रणाम करने से यश, बल और आयु में वृद्धि होती है।
वैराग्य के बिना भक्ति प्राप्त नहीं होती।
प्रभु श्रीराम पवन भी हैं और पावन भी है।

ईडब्ल्यूएस इंग्लिश मीडियम स्कूल के वार्षिक उत्सव में हुआ मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

जबलपुर। ईडब्ल्यूएस इंग्लिश मीडियम स्कूल में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ मंच पर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अजय तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परिश्रम और अनुशासन सफलता की कुंजी है। उन्होंने पुरस्कृत छात्रों को बधाई दी और अन्य विद्यार्थियों को भी अधिक मेहनत कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सुहेल फैजल खान ने विद्यार्थियों को नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की, जबकि अनुरोध पटेरिया ने उपहार भेंट किए। नीलोफर फरजान एवं समिति अध्यक्ष आफीक कादरी ने प्रमाणपत्र देकर विद्यार्थियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष हारून मंसूरी, सचिव मकबूल अंसारी, कोषाध्यक्ष अशफाक अहमद, हाजी फकीर मोहम्मद, एडवोकेट अनवारूल हक, एडवोकेट महमूद अंसारी, अहमर जलील, समीर अंसारी, शाबिर अंसारी, इंजीनियर अमीरुद्दीन लालू, प्राचार्य नसरीन फातमा, रिजवाना बेगम, आयशा कुलसुल सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

लोक गंधर्व संगीत सम्मान से सौम्या मिश्र होंगी सम्मानित

जबलपुर। शिक्षाविद साहित्यकार अजय शर्मा गूंज अंतर्राष्ट्रीय कला मंच द्वारा स्थापित लोकगंधर्व पं. रुद्रदत्त दुबे जीवंत सम्मान इस वर्ष लोकसंगीत जगत की चर्चित गायिका सौम्या त्रिपाठी मिश्र को प्रदान किया जाएगा। सम्मान समिति के संरक्षक डॉ. बैजनाथ गौतम की अध्यक्षता एवं गूंज मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष तिवारी के आतिथ्य में यह निर्णय अलंकरण कार्यसमिति में लिया गया। 20 अप्रेल को आयोजित समारोह में लोकसंगीत चितेरे डॉ. बैजनाथ गौतम एवं संगीत विदुषी डॉ. शिप्रा सुल्लेरे द्वारा प्रस्तुत आह्वान गीत के बाद सम्मानित विदुषी सौम्या मिश्र बुंदेलखंड में प्रचलित विभिन्न विधाओं के लोकगीतों का गायन करेंगी।

मेगा मल्टीस्पेशियलिटी हेल्थ कैम्प सफलतापूर्वक संपन्न

जबलपुर। अनंत मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित "मेगा मल्टीस्पेशियलिटी हेल्थ कैम्प" सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 380 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं न्यूरोसर्जन डॉ. बी.के. पांसे, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. माणिक पांसे, जनरल सर्जन डॉ. वी.के. तनेजा, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. आर. ई. पाठक, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. बृजेश चौधरी, शिशु नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अबोली पांसे, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. नचिकेत पांसे, छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. पारिजात पांसे, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेंद्र बागरी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. भाविक चोपड़ा, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. दीपांशु साहू, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. गरिमा शर्मा एवं डाइटिशियन सरिता गुप्ता ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर टेस्ट, ईसीजी एवं एक्स-रे जैसी जांचें निःशुल्क की गईं, जबकि अन्य जांचों एवं दवाइयों पर 20% की छूट प्रदान की गई। आयोजकों के अनुसार शिविर का उद्देश्य आमजन को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. मुकुल नेमा, सीनियर प्रबंधक धर्मेंद्र बैन, एचआर निधि शुक्ला, मार्केटिंग प्रबंधक आशीष दुबे, मीडिया प्रबंधक मो. एहसान मंसूरी, जनसंपर्क अधिकारी देवरथ मुखर्जी, गुणवत्ता प्रबंधक मीनाक्षी मालव, रिसेप्शन प्रबंधक प्रज्ञा रहंगडाले सहित प्रबंधन टीम एवं स्टाफ उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं मरीजों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया।

10 हजार श्रद्धालुओं ने नवकार मंत्र जाप कर दिया विश्व शांति का संदेश

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में 'विश्व नवकार मंत्र दिवस' के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 10,000 श्रद्धालुओं ने एक साथ नवकार मंत्र का जाप कर विश्व शांति, अहिंसा और एकता का संदेश दिया। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीटो) जबलपुर चैप्टर के तत्वावधान में मालवीय चौक स्थित डी.एन. जैन ग्राउंड पर यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह, विधायक अभिलाष पांडे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, कांग्रेस सचेतक अयोध्या बंटी तिवारी, प्रतिपक्ष नेता अमरीश मिश्रा, पार्षद अतुल दानी तथा सिख संगत प्रमुख हरेंद्र सिंह बब्बू सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। साथ ही दिगंबर जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाश जैन एवं श्वेतांबर जैन सभा के अध्यक्ष ज्ञान गोलछा की उपस्थिति भी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। नवकार मंत्र की संगीतमय प्रस्तुति प्रशांत जैन रानू, सिद्धांत जैन, तेरापंथ महिला मंडल सदर एवं प्रशंसा जैन द्वारा दी गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विशेष बात यह रही कि देश-विदेश के 108 जीटो चैप्टर के लगभग 6000 स्थानों पर एक साथ नवकार मंत्र का जाप किया गया। इस आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की वर्चुअल उपस्थिति ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्व प्रदान किया। इस सफल आयोजन के साथ जबलपुर ने पुनः वैश्विक स्तर पर शांति और आध्यात्मिकता का संदेश दिया।

दादा वीरेंद्रपुरी के जन्मोत्सव पर नेत्र शिविर 13 अप्रैल को

जबलपुर। परम पूज्य दादा वीरेंद्रपुरी महाराज के 100वें जन्मोत्सव के अवसर पर पूज्य बाबा विश्वनाथपुरी के पावन संरक्षण में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन बजरंग मठ सूपाताल में 13 अप्रैल को सुबह 09 से 01 बजे तक किया जा रहा है और पादुका पूजन एवं भजन संध्या का कार्यक्रम शाम 06 से 09 बजे तक होगा। शिविर के संयोजक बाबूशंकर सोनकर ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति मरीजों का पंजीयन, नेत्र परीक्षण कर चयनित मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन के लिए तिलवारा घाट स्थित देवजी नेत्रालय ले जाया जायेगा। डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि मरीजों का ऑपरेशन अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से होगा, मोतियाबिंद के ऑपरेशन में निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण होगा। दवाइयाँ, भोजन, चश्मा एवं आवागमन की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। दादा वीरेंद्रपुरी महाराज शिष्य मंडल के भोलाराम खत्री, अरुण शर्मा, नीरज बरसैयाँ, अरुण त्रिपाठी, हेमराज अग्रवाल, राजेश सोनकर, बलदेव आनंद, महेश श्रीवास्तव, बबलू सोनकर ने समाज के सभी वर्गों से बड़ी से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

भगवान परशुराम जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की बनीं रुपरेखा

बरेला। भगवान परशुराम जयंती (20 अप्रैल) के उपलक्ष्य में सर्व ब्राह्मण समाज बरेला एवं क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा भव्य आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक परशुराम धाम बरेला में आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई और सुझाव आमंत्रित किए गए। समाज के अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने बताया कि 20 अप्रैल को प्रातः 8 बजे भैरव बाबा मंदिर से विशाल वाहन रैली निकलेगी, जो नगर भ्रमण करते हुए शारदा देवी मंदिर पहुंचकर परशुराम धाम, वार्ड क्रमांक 11 में समाप्त होगी। यहां महाआरती के बाद प्रसाद वितरण एवं छोले-भटूरे का भंडारा आयोजित किया जाएगा। नगर अध्यक्ष योगेश दुबे एवं युवा अध्यक्ष ज्ञानू प्यासी ने आयोजन समिति के साथ जनसंपर्क की रूपरेखा तैयार की। बैठक में गोविंद दुबे, महेश मानव, सतेन्द्र गर्ग, आशीष शुक्ला, श्रीकांत उपाध्याय, अमित शुक्ला, संजय दुबे, नंदकुमार उपाध्याय, मिथलेश तिवारी, विनोद त्रिपाठी, विष्णु तिवारी, निखिल दुबे, अप्पू पांडेय, छोटू दुबे सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा 19 अप्रैल को उमरिया कुडारी में सभी विप्र बंधुओं से उपस्थित होकर सनातन धर्म ध्वजा फहराने का आह्वान किया गया।

"ऑपरेशन यात्री सुरक्षा" में सफलता पर आरपीएफ टीम सम्मानित

जबलपुर। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे "ऑपरेशन यात्री सुरक्षा" के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) जबलपुर मंडल को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने एक अंतर्राज्यीय आदतन अपराधी को गिरफ्तार कर सराहनीय कार्य किया, जिसके लिए RPF कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। 06 अप्रैल 2026 को सिहोरा रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान आरपीएफ स्टाफ ने ट्रेन संख्या 11753 से उतरकर संदिग्ध रूप से भाग रहे व्यक्ति को पकड़ा। पीछा करने पर आरोपी पास के तालाब में कूद गया, लेकिन पुलिस और गोताखोरों की मदद से उसे बाहर निकालकर गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान हरविंदर सिंह (32), निवासी बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई, जो कई राज्यों में चोरी के मामलों में वांछित था। जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में भारतीय दंड संहिता की धारा 379/411 के तहत कई मामले दर्ज हैं। उसे न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक राजीव खर्ब, उप निरीक्षक अरविंद, कांस्टेबल विनय मौर्य और आशीष यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 09 अप्रैल 2026 को उत्कृष्ट कार्य के लिए RPF टीम को राजीव कुमार यादव, कमल कुमार तलरेजा, आनंद कुमार, मो. मुनव्वर खान, राहुल जयपुरियार और मधुर वर्मा सहित अधिकारियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

आदिवासी साहित्य पर व्याख्यान आयोजित

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय में "भारतीय ज्ञान परंपरा में आदिवासी साहित्य का महत्व" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. लीला भलावी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वेद, उपनिषद और दर्शन के साथ लोक एवं आदिवासी परंपराओं का महत्वपूर्ण योगदान है। आदिवासी साहित्य मुख्यतः मौखिक परंपरा पर आधारित है, जिसमें लोकगीत, लोककथाएं और कहावतें पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रही हैं। यह परंपरा ज्ञान के संरक्षण के साथ सामूहिक स्मृति को भी जीवित रखती है। संभागीय समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल ने आदिवासी साहित्य में सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने इसे भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर बताते हुए प्रकृति से जुड़कर सरल जीवन जीने की प्रेरणा का स्रोत बताया। कार्यक्रम में डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत सहित लगभग 58 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निधन

श्री सतीश गुगलानी- ए 8, विजयनगर रांझी निवासी श्री सतीश गुगलानी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शारदा कोहली- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री सरदारी लाल कोहली की धर्मपत्नी श्रीमती शारदा कोहली (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती उषा बाई शुक्ला- 56, पीपी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री रतन लाल शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती उषा बाई शुक्ला (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र कुमार उईके- प्रेमनगर मदनमहल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री राजेंद्र कुमार उईके (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री संतोष कुमार भट्टाचार्य- एलआईजी 594, मदर टेरेसा नगर कटंगी रोड निवासी श्री संतोष कुमार भट्टाचार्य (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमन देवी चौरसिया- सेठ गोविंददास वार्ड लालमाटी निवासी श्री कैलाशनाथ चौरसिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन देवी चौरसिया (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ममता पटेल- ब्यौहारबाग निवासी श्री डुमारी लाल पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती ममता पटेल (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तिजिया बाई राठौर- प्रेमसागर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री मुन्ना लाल राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती तिजिया बाई राठौर (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रेशमी पासवान- शिवनगर गढ़ा रेलवे क्रासिंग के पास निवासी श्री गिरधारी पासवान की धर्मपत्नी श्रीमती रेशमी पासवान (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रकांता पिल्ले- पोलीपाथर गौरीघाट रोड निवासी श्री सुंदर लाल पिल्ले की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता पिल्ले (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री धर्मेंद्र सिंह- गोरखपुर स्थित अनगढ़ महावीर मंदिर के सामने निवासी श्री धर्मेंद्र सिंह (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरेंद्र प्रसाद तिवारी- नर्मदा नगर बिलहरी निवासी श्री नरेंद्र प्रसाद तिवारी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
न्यूनतम साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

[illegible] साइज:-	[illegible] से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	[illegible]/-
[illegible] साइज:-	[illegible] से.मी.	रंगीन	[illegible]/-
[illegible] साइज	[illegible] से.मी.	रंगीन	1100/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362100

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं./ 672/अ-6/2025-26 फौती
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक वन्दना वर्मा पिता गुरू नारायण वर्मा नि.-1415 बचउ का बाड़ा कॉचघर स्टेशन रोड ने नजूल ब्लाक नं . 26 प्लाट नं. 3/5-बी-22,5/2-ए-18 रकवा 616 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन रकवा 616 व.फु./हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/दिनांक मृत्यु दिनांक 11/12/2023 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/ पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार ब्लाक नं . 26 प्लाट नं. 3/5-बी-22,5/2-ए-18 रकवा 616 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन रकवा 616 व.फु./हे. के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता को आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं कि जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक:- 26/03/2026
पेशी दिनांक:- 13/04/2026
तहसीलदार
रांझी जबलपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार,
तहसील अधारताल, जिला जबलपुर (म.प्र.)
आम इश्तहार रा.प्र.क्र./4878/अ-6/2025-26
जबलपुर, दिनांक-24/03/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री दीपक पटेल पिता स्व. श्री रामगोपाल पटेल, निवासी 134, शिव शक्ति नगर, महाराजपुर, नया वार्ड नं. 75, अधारताल, खजरी, जबलपुर के द्वारा मौजा महाराजपुर के पटवारी एवं डायवर्सन खसरा नं. 254/49, रकवा 4800 वर्गफुट पटवारी एवं डायवर्सन खसरा नं. 323/24, रकवा 1600 वर्गफुट, पटवारी खसरा नं. 109/12, रकवा 3000 वर्गफुट एवं डायवर्सन खसरा नं. 109/2, प्लॉट नं. 6, 7, 8, रकवा 3000 वर्गफुट भूमि ई-पंजीकृत वसीयतनामा क्रमांक एम.पी. 182552024 ए 31133903, दिनांक 13/09/2024 के माध्यम से वसीयत की गई भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान में भूमि वसीयतकर्ता श्री रामगोपाल पटेल पिता स्व. श्री कुंवरलाल पटेल, निवासी 134 135, शिवशक्ति नगर, महाराजपुर, जबलपुर म.प्र. के नाम दर्ज है। वसीयतकर्ता श्री राम गोपाल पटेल पिता कुंवर लाल का निधन दिनांक 10/02/2026 को हो गया है, (मृत्यु प्रमाण-पत्र संलग्न है)। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 16/04/2026 तक न्यायालय तहसीलदार अधारताल, जबलपुर में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 24/03/2026
पेशी दिनांक- 16/04/2026
शील
अतिरिक्त तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1668/अ-6/2025-26
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नरेन्द्र कुमार जायसवाल S/o स्व. ओम प्रकाश जायसवाल नि.-52 सल्प आय सोसायटी कछपुरा गढ़ा ने नजूल ब्लाक नं.-26 प्लाट नं.-3/22-D रकवा 780 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा 780 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक-12/07/2005 मृत्यु दिनांक-13/10/2015 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।
प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.-26 प्लाट नं.-3/22-D रकवा-780 व.फु.हे. / ग्राम- सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-780 व.फु./हे.पर के नाम दर्ज है।
अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक-26/03/2026
पेशी दिनांक-13/04/2026
मुद्रा
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1648/अ-6/2025-26
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती प्रीति शर्मा S/o स्व. अतू उर्फ आशीष शर्मा नि.-992 द्वारका नगर झा मोहल्ला काँचघर ने नजूल ब्लाक नं.-149 प्लाट नं.-54/3 रकवा 520 व.फु./हे. ग्राम करियापाथर प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा 520 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक- मृत्यु दिनांक-14/03/2024 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।
प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.-149 प्लाट नं.-54/3 रकवा-520 व.फु.हे. / ग्राम-करियापाथर प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-520 व.फु./हे.पर के नाम दर्ज है।
अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।
इश्तहार आज दिनांक 26/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक-26/03/2026
पेशी दिनांक-13/04/2026
मुद्रा
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

कार चलाने वालों के लिए बड़ा अपडेट, 2027 से बदल जाएंगे प्रदूषण के नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के अंदर पॉल्यूशन की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों ने निकलने वाला धुआं है। दिल्ली जैसे शहर में इसका असर भी साफ दिखाई देता है। जिसे लेकर दिल्ली सरकार द्वारा कई अलग-अलग तरह के प्रयोग भी किए जाते रहे हैं। हालांकि, अब सरकार प्रस्तावित भारत स्टेज सात (बीएस 7) मानकों के तहत व्हीकल से होने वाले प्रदूषण के दायरे को बढ़ाने की तैयारी में है।

- सरकार भारत स्टेज सात के तहत स्टेज सेवन मानकों को बढ़ाने तैयार

ये नए मानक काफी हद तक यूरो सात उत्सर्जन मानकों के अनुरूप हैं, फिर भी इन्हें भारत की ड्राइविंग और ईंधन की स्थितियों के हिसाब से ढाला जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि 2027 से कारों, बसों और ट्रकों को सख्त उत्सर्जन नियमों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों से निकलने वाला धुआं

बैटरियों के लिए न्यूनतम सहन शक्ति पर होगा विचार

इसके अलावा, केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) की बैटरियों के लिए न्यूनतम सहन-शक्ति की शर्तें अनिवार्य करने की संभावना पर विचार कर रही है। इस कदम का उद्देश्य देश में ईवी को तेजी से अपनाए जाने के बीच उनकी उम्र और प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारियों में से एक ने कहा, 'नेचुरल गैस से चलने वाले व्हीकल से होने वाले विशिष्ट उत्सर्जन जिन पर पहले ध्यान नहीं दिया जाता था, अब बीएस-7 के तहत और सख्त किया जाएगा। 'नए नियम 1 अप्रैल, 2027 से लागू किए जा सकते हैं।

ईवी बैटरी और सीएनजी पर भी होगा असर

सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) को लेकर भी अब सख्त होने जा रही है। दरअसल, ईवी बैटरियों के लिए न्यूनतम परफॉर्मेंस और लाइफ से जुड़े मानक तय किए जा सकते हैं। इससे बैटरी की क्वालिटी और क्रेडिबिलिटी बढ़ेगी। इससे लोगों का ईवी पर भरोसा मजबूत होगा।

बीएस 7 में सीएनजी व नेचुरल गैस के वाहन शामिल

दूसरी तरफ, अब तक ज्यादातर नियम पेट्रोल और डीजल गाड़ियों पर केंद्रित थे, लेकिन बीएस 7 में सीएनजी और नेचुरल गैस से चलने वाले व्हीकल पर भी सख्त कंट्रोल रखेंगे। इनसे निकलने वाले उत्सर्जन को भी अब गंभीरता से लिया जाएगा। कुल मिलाकर सभी तरह के व्हीकल के लिए ये नियम सख्ती से पेश आएंगे।

क्या है बीएस-7 इंजन?

बीएस-7 इंजन जिन गाड़ियों में इस्तेमाल किए जाएंगे वो नए और सख्त उत्सर्जन मानकों का पालन करेंगे। इनमें एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जो कम प्रदूषण करेगी और पर्यावरण के लिए बेहतर होंगी। इनमें खास तरह के इंजन और मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जाएंगे जो रियल-टाइम में प्रदूषण को कंट्रोल करने में मदद करेंगे। अभी शहरों में धुंध का एक बड़ा कारण अमोनिया उत्सर्जन भी है। नए नियमों में हल्के और भारी दोनों तरह के व्हीकल के लिए इस पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इससे हवा की क्वालिटी सुधारने में मदद मिल सकती है।

खबर संक्षेप

मर्सिडीज-बेंज की बिक्री में सात फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की कुल बिक्री जनवरी-मार्च तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 5,131 इकाई रही। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी ने 4,775 वाहन बेचे थे। 2025-26 मर्सिडीज-बेंज इंडिया के लिए अब तक का सबसे शानदार साल रहा, जिसमें कंपनी ने रिकॉर्ड 19,363 गाड़ियां बेचीं।

अदाणी ग्रीन का यूएई की कंपनी के साथ करार

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी की अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी मिडिल ईस्ट लिमिटेड (एजीईएल यूएई) ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए मिनर्वा होल्डिंग आरएससी के साथ संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मिनर्वा पूरी तरह से ईपॉइंटजीरो के स्वामित्व वाली कंपनी है।

बॉश अपनी ही इकाई बॉश चेसिस का करेगी अधिग्रहण

मुंबई। बॉश ग्रुप की प्रमुख कंपनी बॉश लिमिटेड ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने रॉबर्ट बॉश इन्वेस्टमेंट नीदरलैंड और रॉबर्ट बॉश एलएलसी (अमेरिका) से बॉश चेसिस सिस्टम्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। यह सौदा 9,068.68 करोड़ रुपये में होगा। इस अधिग्रहण से बॉश लिमिटेड अधिक व्यापक हो जाएगा।

रुपया नौ पैसे कमजोर होकर 92.63 प्रति डॉलर

मुंबई। पश्चिम एशिया में बनी नाजुक स्थिति और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशकों में सतर्कता बने रहने से बृहस्पतिवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे टूटकर 92.63 पर आ गया। ईरान एवं इजराइल के बीच तनाव और लेबनान पर हमले जारी रहने से भू-राजनीतिक जोखिम ऊंचा बना हुआ है।

प्रीमियर एनर्जीज को 2,577 करोड़ रुपए के मिले ठेके

नई दिल्ली। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 1,600 मेगावाट सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। इन ठेकों का निष्पादन वित्त वर्ष 2027-28 और 2028-29 के दौरान किया जाएगा। इसमें कहा गया कि बढ़ती ऑर्डर बुक कंपनी के विस्तार को दर्शाती है। सितंबर 2026 तक सौर सेल क्षमता 10.6 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता हाल ही में बढ़ाकर 11.1 गीगावाट की गई है।

एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख रहा

युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता से बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का, निफ्टी नुकसान में

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारी बिकवाली से स्थानीय शेयर बाजारों में पांच दिन से जारी तेजी बृहस्पतिवार को थम गयी और बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 222 अंक के नुकसान में रहा। पश्चिम एशिया में युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता के बीच वित्तीय, बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा।

एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,215 अंक की पर आ गया था। निफ्टी 222.25 अंक टूटकर 23,775.10 अंक पर बंद हुआ।

- कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से बाजार का माहौल बदला
- विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने चिंता बढ़ाई
- वित्तीय, बैंक और आईटी शेयरों में रही बिकवाली

कच्चे तेल की कीमतें फिर से बढ़ गई

लेबनान पर इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद युद्धविराम समझौते को लेकर अनिश्चितता बढ़ गयी है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''युद्धविराम से जो उम्मीद बंधी थी, वह अब फीकी पड़ गयी है क्योंकि अमेरिका-ईरान तनाव के फिर से बढ़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी प्रतिबंधों के कारण कच्चे तेल की कीमत फिर से बढ़ गई।

युद्धविराम को लेकर कम भरोसा

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, अमेरिकी-ईरान युद्धविराम को लेकर भरोसा कम होने के कारण निवेशकों ने सतर्क रूख अपनाया और घरेलू बाजारों में लगातार पांच सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया।

एलएंडटी में रहा नुकसान, पावरग्रिड लाभ में

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.26 प्रतिशत चढ़ा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0.15 प्रतिशत के लाभ में रहा।

एशियाई बाजार में रही गिरावट

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार में बुधवार को उल्लेखनीय तेजी रही थी। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,811.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

देश में महंगाई को लेकर बढ़ी चिंता

इससे भारत में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता भी बढ़ गई है।'' उन्होंने कहा, '' घरेलू स्तर पर, मुनाफावसूली, 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और रुपये की विनिमय दर में गिरावट ने अल्पकालिक जोखिम लेने की प्रवृत्ति को कम कर दिया। पिछले सत्र की जोरदार तेजी के बाद वित्तीय क्षेत्र में गिरावट देखी गई। इसका कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर बिकवाली है।''

निवेशकों ने की मुनाफावसूली

पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद आज की गिरावट मुख्य रूप से मुनाफावसूली के कारण हुई है। अनिश्चित माहौल में नए जोखिम उठाने के बजाय निवेशकों ने मुनाफा वसूली को तरजीह दी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.27 प्रतिशत बढ़कर 97.85 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

टीसीएस के शुद्ध लाभ में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- चौथी तिमाही में लाभ बढ़कर 13,714 करोड़ रुपए रहा

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 12.22 प्रतिशत बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी। इससे गत वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कंपनी ने 12,224 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 1.35 प्रतिशत बढ़कर 49,210 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2024-25 में 48,553 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में हालांकि कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 23,460 घटकर 5.84 लाख रह गई। हालांकि, चौथी तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में 2,356 की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान बदलते प्रौद्योगिकी परिदृश्य के कारण कंपनी ने 12,000 नौकरियां घटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। 315 अरब डॉलर के भारतीय आईटी क्षेत्र में टीसीएस वित्त वर्ष 2025-26 के नतीजे घोषित करने वाली पहली कंपनी है।

प्रति शेयर 31 रुपए का लाभांश

कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है जिसके लिए वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी की ली जाएगी। कंपनी का शेयर बृहस्पतिवार को बीएसई सेंसेक्स पर 1.09 प्रतिशत बढ़कर 2,587.75 रुपये पर बंद हुआ।

ईंधन घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने लगायी रिफाइनरी मार्जिन की सीमा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईंधन निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाने के बाद, भारत ने घरेलू ईंधन बिक्री में नुकसान की भरपाई के लिए रिफाइनरी मार्जिन पर सीमा तय की है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दो दीर्घकालिक प्रभाव हुए हैं। पहला, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में तेजी के कारण पेट्रोल और डीजल की बिक्री में रिकॉर्ड नुकसान हुआ है क्योंकि खुदरा कीमतों में उसी अनुपात में बदलाव नहीं हुआ है। दूसरा, इससे रिफाइनरियों का मार्जिन काफी बढ़ गया है, जो खुदरा कीमतों में कोई बदलाव न होने के बावजूद अपने उत्पादों की कीमत आयातित लागत पर तय करती हैं। सरकार ने पिछले महीने डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) लगाया था, ताकि रिफाइनरी के अप्रत्याशित लाभ पर अंकुश लगाया जा सके और वैश्विक बाजारों में कमी के बीच घरेलू ईंधन की उपलब्धता को बढ़ाया जा सके। सूत्रों ने कहा कि इसके साथ ही, अब रिफाइनरी के मार्जिन को 15 डॉलर प्रति बैरल तक सीमित कर दिया गया है।

- घरेलू ईंधन बिक्री में नुकसान पूरा करने रिफाइनरी मार्जिन पर सीमा तय
- पेट्रोल और डीजल की बिक्री में हुआ रिकॉर्ड नुकसान

आयात लागत से 60 रुपए प्रति लीटर कम हैं

पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने 26 मार्च को पेट्रोलियम उत्पादों की दरें निर्धारित कीं, जो आयात लागत से 60 रुपये प्रति लीटर तक कम हैं। ओएमसी ने रिफाइनरी हस्तांतरण मूल्य पर छूट देने का निर्णय लिया है ताकि रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन की आयात-समता लागत से कम भुगतान किया जा सके।

भारत की लॉजिस्टिक लागत घटकर आई इकाई अंक पर

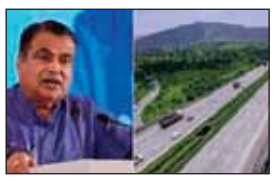

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में एक्सप्रेसवे और आर्थिक गलियारों के तेजी से विस्तार के चलते लॉजिस्टिक लागत घटकर अब इकाई अंक में आ गई है। गडकरी ने ''बीएमई कॉन्क्लेव 2026'' में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) चेन्नई, आईआईटी कानपुर और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) बेंगलुरु की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश में एक्सप्रेसवे के निर्माण से लॉजिस्टिक लागत 16 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत पर आ गई है। उन्होंने लागत के और भी कम होकर नौ प्रतिशत पर आ जाने का विश्वास जताते हुए कहा कि इससे वैश्विक बाजार में भारत का निर्यात और अधिक प्रतिस्पर्धी होगा।

माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत...

नई दिल्ली। माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी 28 से लेकर 30 प्रतिशत तक है जो वैश्विक मानकों की तुलना में काफी कम है। इससे इस क्षेत्र में वृद्धि की व्यापक संभावनाओं का पता चलता है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। उद्योग निकाय एसोचैम और व्यवसाय सलाहकार फर्म असेला की संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, चूंकि भारत ने 2030 तक 300 करोड़ टन माल ढुलाई क्षमता का लक्ष्य रखा है।

ईरान युद्ध की चुनौतियों से निपटने भारत के पास पर्याप्त संसाधन : विश्व बैंक

- भारत मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त सुरक्षा उपाय हैं जिनमें उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय गुंजाइश और कम मुद्रास्फीति शामिल हैं। ये सभी चीजें वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वृद्धि को समर्थन देंगी।मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत करने के एक दिन बाद दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक (समृद्धि) सेबेस्टियन एकार्ट ने कहा कि भारत ने गत वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापारिक उथल-पुथल का अच्छी तरह सामना किया और कच्चे तेल बाजारों में अस्थिरता उत्पन्न करने वाले मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में भारतीय अर्थव्यवस्था ''मजबूत स्थिति'' से डटी है। एकार्ट ने कहा, '' भारत के पास मजबूत नीतिगत उपाय, उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय क्षमता है जिससे जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान की जा सकती है।

जीडीपी अनुमान बढ़ाकर 6.6 फीसदी किया

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मामूली बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही उसने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियां वृद्धि पर असर डाल सकती हैं। हालांकि, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से शुरुआती महीनों में उपभोक्ता मांग को सहारा मिलेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.IT. NO./PWD-08/PRO No 52 — **निविदा सूचना** — Dated- 09/04/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है ।

क्रं.	टेण्डर कमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_498763_1 27/04/2026	मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वार्ड अंतर्गत धलगढ़ मोहल्ला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सड़क एवं नाली निर्माण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 12.70 लाख	2000/- 9528/-	26/05/2026
2.	2026_UAD_498763_2 27/04/2026	मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वार्ड अंतर्गत बड़ी मदार टेकरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सड़क एवं नाली निर्माण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 12.66 लाख	2000/- 9502/-	26/05/2026

नोट :- निविदा से संबधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptender.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय यंत्री/ कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर पालिक निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
Municipal Corporation Chhindwara

Add.- In front of shukla ground, guraiya road ward no. 39, chhindwara (M.P.) 480001
Tel. - 07162-222346
E-mail - commchhindwara@mpurban.gov

क्रमांक/110/लोनिवि/नपानि/2025-26 // **निविदा सूचना**// छिन्दवाड़ा दिनांक 07/04/2026

एतद् द्वारा शासकीय विभागों के उपयुक्त तथा सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_498272_1 Dated 08-04-2026	**Installtion of New vertical turbine pump for kulbehhra water works**	1. 40,35,070.00 2. 2 माह	1. 5,000.00 2. 31,000.00	07/05/2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आयुक्त नगरपालिक निगम, छिंदवाड़ा

नए एडिशन में आपको कम बजट में प्रीमियम फीचर्स मिलेंगे

हुंडई क्रेटा का नया एडिशन लांच, कीमत 12.5 लाख रुपए से शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हुंडई ने क्रेटा का नया एडिशन लांच किया है। कंपनी ने क्रेटा का समर एडिशन लांच किया है, जो चुनिंदा ट्रिम में एडिशनल फीचर्स को ऑफर करता है। मिड साइज कैटेगरी में ये कार सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल्स में से एक है। कार के नए एडिशन में आपको कम बजट में प्रीमियम फीचर्स मिलेंगे। क्रेटा समर एडिशन की कीमत 12.05 लाख रुपए एक्स शोरूम से शुरू होती है। ये वेरिएंट सिर्फ 1.5 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन में मिलेगा। इसमें आपको 1.5 लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन वेरिएंट नहीं मिलेगा। हुंडई क्रेटा समर एडिशन की कीमत 12.05 लाख रुपए एक्स शोरूम से शुरू होती है। इसका टॉप वेरिएंट 17.89 लाख रुपए का है। आप कौन-सा मॉडल पसंद करते है।

- ये वेरिएंट सिर्फ 1.5 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन में मिलेगा

पुश बटन स्टार्ट-स्टॉप मिलेगा

क्रेटा समर एडिशन में ग्राहकों को ज्यादा कंफर्ट और सुविधा वाले फीचर्स बेस और मिड वेरिएंट्स में मिलेंगे। हालांकि, टॉप वेरिएंट में मिलने वाले फीचर्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। क्रेटा के सेकंड बेस वेरिएंट ईएक्स में अब कीलेस एंट्री और पुश बटन स्टार्ट-स्टॉप मिलेगा। ये फीचर्स पहले एस (ओ) ट्रिम में मिलते थे।

क्रेटा एस (ओ) में मिलेगा डैशकैम : वहीं ईएक्स (ओ) समर एडिशन में क्वाड बीम एलईडी हेडलैम्प्स और डीआरएलएस, एलईडी टेल लैम्प्स, एलईडी टर्न इंडीकेटर, रियर विंडो सनशेड, 16 इंच के स्टील व्हील डुअल टोन कवर के साथ और रियर कैमरा मिलेगा। क्रेटा एस (ओ) समर एडिशन में डैशकैम मिलेगा।

6 एयरबैग्स मिलेंगे: हुंडई क्रेटा में सेफ्टी मजबूत है। 6 एयरबैग्स स्टैंडर्ड हैं। इसमें एबीएस के साथ ईबीडी, ईएससी, हिल असिस्ट, रियर पार्किंग सेंसर्स और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स हैं। कुछ वेरिएंट्स में एडास(एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) भी उपलब्ध है।

चिंतन

महिला आरक्षण : कठिन है डगर मंजिल की

देश की राजनीति में लंबे समय से अटका महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। केंद्र सरकार द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को मंजूरी देने के साथ ही यह उम्मीद जगी है कि भारतीय लोकतंत्र अब आधी आबादी को उसका वाजिब हक देने की दिशा में ठोस कदम बढ़ा रहा है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करना और उनमें 33 प्रतिशत यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना निश्चित रूप से ऐतिहासिक पहल कही जा सकती है, लेकिन इसके साथ ही इसके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत उतनी ही जटिल और चुनौतीपूर्ण नजर आती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह आरक्षण व्यवहार में कैसे लागू होगा। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि किन सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा और यह प्रक्रिया किन मानकों के आधार पर तय होगी। 'वर्टिकल' आरक्षण का मतलब है कि अनुसूचित जाति और जनजाति के कोटे के भीतर भी महिलाओं को हिस्सा मिलेगा, जो सामाजिक न्याय के लिहाज से उचित है, लेकिन सीटों के चयन की प्रक्रिया राजनीतिक विवाद का सबसे बड़ा कारण बन सकती है। हर राजनीतिक दल अपने मजबूत गढ़ को बचाने की कोशिश करेगा और यहीं से टकराव की शुरुआत होगी। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों के प्रतिनिधित्व से जुड़ा है। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और परिसीमन (डिलिमिटेशन) के बाद जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण होगा। इससे छोटे और कम आबादी वाले राज्यों को यह आशंका सताने लगी है कि उनका राजनीतिक वजन घट सकता है। वहीं, बड़े राज्यों में भी आंतरिक असंतोष उभर सकता है, क्योंकि कई मौजूदा सांसदों की सीटें आरक्षित हो जाएंगी। ऐसे में राजनीतिक समीकरणों का संतुलन बिगड़ना तय है। हालांकि, दिलचस्प यह है कि कोई भी राजनीतिक दल खुले तौर पर इस बिल का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर विरोध करना राजनीतिक आत्मघात जैसा होगा, लेकिन भारतीय राजनीति के अनुभव बताते हैं कि सहमति के पीछे भी असहमति के रास्ते खोज लिए जाते हैं। यह आशंका निराधार नहीं है कि सीटों के बंटवारे, परिसीमन और लागू करने की समयसीमा जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दल अप्रत्यक्ष रूप से अड़ंगे डाल सकते हैं। एक और महत्वपूर्ण चिंता 'प्रॉक्सी राजनीति' की है। पंचायती राज संस्थाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का अनुभव मिश्रित रहा है। कई जगहों पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की जगह उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य ही सत्ता का संचालन करते दिखाई दिए। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या संसद और विधानसभाओं में भी 'सांसद पति' या 'विधायक पति' जैसी प्रवृत्ति देखने को मिलेगी? देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे एक नई पीढ़ी तैयार हो रही है। यह पीढ़ी वास्तविक नेतृत्व की क्षमता रखती है। यदि सही प्रशिक्षण, अवसर और सामाजिक समर्थन मिला, तो यह बदलाव भारतीय राजनीति का चेहरा बदल सकता है। आखिरकार मंजिल भले ही सामने दिख रही हो, लेकिन वहां तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है। यह यात्रा धैर्य, संवाद और दूरदृष्टि की मांग करती है। यदि इन चुनौतियों को सही तरीके से पार किया गया, तो यह कानून भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकता है। वरना यह एक अधूरा सपना बनकर रह जाएगा।

स्थापना दिवस

ओ.पी. चौधरी

भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव

6 अप्रैल, भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस, केवल एक पार्टी का स्थापना दिवस नहीं, बल्कि उस राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव है जिसने राष्ट्र प्रथम को राजनीति का केंद्र बनाया। यह यात्रा 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ से शुरू होकर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक शक्ति भारतीय जनता पार्टी तक पहुंचती है। नरेंद्र मोदी के "राष्ट्र प्रथम" के अटूट संकल्प ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। जहां पहले 'एंटी-इन्कम्बेंसी' एक सामान्य प्रवृत्ति मानी जाती थी, वहीं आज 'प्रो-इन्कम्बेंसी' की नई परिभाषा स्थापित हुई है, जहां जनता विकास, सुशासन और विश्वसनीय नेतृत्व के आधार पर बार-बार अपना विश्वास दोहराती है।

भारत की राजनीतिक यात्रा में कुछ ऐसे पड़ाव आते हैं, जो केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि विचार और दिशा परिवर्तन के प्रतीक होते हैं। 6 अप्रैल, भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस, केवल एक पार्टी का स्थापना दिवस नहीं, बल्कि उस राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव है जिसने राष्ट्र प्रथम को राजनीति का केंद्र बनाया। यह यात्रा 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ से शुरू होकर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक शक्ति भारतीय जनता पार्टी तक पहुंचती है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद का भारत घावों से भरा था- विभाजन की पीड़ा, विस्थापितों का दर्द और राजनीतिक अनिश्चितता का अंधेरा। उस समय की सत्ताधारी कांग्रेस ने राष्ट्र प्रथम के स्थान पर तुष्टिकरण और एक परिवार की सत्ता को प्राथमिकता दी।

सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लौहपुरुष जिन्हें पूर्ण बहुमत प्राप्त था, की उपेक्षा इस अलोकतांत्रिक मानसिकता का सबसे बड़ा प्रमाण था। जब राष्ट्रवादी विचारों के लिए कांग्रेस में कोई स्थान नहीं बचा, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जनसंघ के रूप में एक ऐसा मंच खड़ा किया जो जाति, पंथ और क्षेत्र से ऊपर उठकर केवल भारत माता की सेवा का व्रत लेता था। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उन्होंने 23 जून 1953 को अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वह बलिदान व्यर्थ नहीं गया, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 की समाप्ति के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस अधूरे सपने को पूरा किया और एक संस्थापक की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। श्यामा प्रसाद के बलिदान के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1951 से 1967 तक महासचिव के रूप में पार्टी को वैचारिक और संगठनात्मक मजबूती दी। उनका 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' का दर्शन-अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति को प्रथम पंक्ति में लाना - जनसंघ की आत्मा बन गया। 1967 के कालीकट अधिवेशन में अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कहा था कि हम किसी एक वर्ग या समुदाय के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के सेवक हैं - हर देशवासी हमारे रक्त का अंश है। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय में उनकी निर्मम हत्या ने देश को एक अनमोल विचारक से वंचित कर दिया। 1970 के दशक में इंदिरा गांधी की सत्ता जैसे-जैसे केंद्रीकृत और निरंकुश होती गई, जनसंघ ने जन-आंदोलन का नेतृत्व संभाला। 25 जून 1975 की वह काली रात जब देश पर आपातकाल थोपा गया - वह तानाशाही की चरम परिणति थी। जनसंघ के सभी शीर्ष नेता गिरफ्तार कर लिए गए। हजारों कार्यकर्ताओं को अमानवीय यातनाओं के बीच जेल की सलाखों के पीछे ठूंस दिया गया। जब सच बोलना अपराध बन गया था, तब जनसंघ और संघ के स्वयंसेवक भूमिगत रहकर देश का सबसे बड़ा सत्याग्रह चला रहे थे। यही वह कसौटी थी जिसने सिद्ध किया कि यह दल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सत्य और राष्ट्र के लिए जीता है।

दो वर्षों के उस अंधकार के बाद, जयप्रकाश नारायण के आह्वान पर जनसंघ ने अपने अस्तित्व को देश-हित में जनता पार्टी में विलीन कर दिया। 1977 में देश को पहली गैर-कांग्रेसी सरकार मिली। अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री बने और संयुक्त राष्ट्र के उस मंच

पर हिंदी में भाषण देकर उन्होंने पूरे विश्व को चौंका दिया, यह भी राष्ट्रगौरव का एक पाठ था। उस दौर में, जब कांग्रेस हिंदू आस्था और परंपराओं का उपहास करती थी, तब पालमपुर अधिवेशन में भारतीय जनता पार्टी ने राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण को अपने संकल्प के रूप में स्वीकार किया। यह किसी चुनावी रणनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की गहरी आस्था और श्रद्धा का सम्मान था। इसी बीच, शाहबानो प्रकरण में कांग्रेस द्वारा रातों-रात कानून बदलना तुष्टिकरण की राजनीति का स्पष्ट उदाहरण बना, जबकि भाजपा निरंतर सनातन चेतना के पुनर्जागरण और सांस्कृतिक स्वाभिमान की सशक्त आवाज़ बनकर उभरती रही। 1996 में अटल जी देश के प्रधानमंत्री बने। भले ही वह सरकार 13 दिन में गिर गई, लेकिन 1998 में एनडीए की पूर्ण सरकार बनी और देश ने एक नई राजनीति देखी। तमाम अंतरराष्ट्रीय दबावों की परवाह किए बिना पोखरण परमाणु परीक्षण हुआ। दीनदयाल के अंत्योदय को धरातल पर उतारा गया। उस दौर में जब नौ वर्षों में आठ प्रधानमंत्री बदल चुके थे, अटल जी ने स्थिर सुशासन की राजनीति की नींव रखी। 2004 से 2014 तक देश ने देखा कि जब राष्ट्र के बजाय परिवार को प्राथमिकता दी जाती है तो क्या होता है। 2जी, कोलगेट, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला - भ्रष्टाचार की यह फेहरिस्त लंबी थी। रिमोट कंट्रोल से चलती सरकार ने देश को ₹फ्रैजाइल फाइव₹ अर्थव्यवस्थाओं में ला खड़ा किया। 26/11 के बाद भी ₹भगवा आतंकवाद₹ का झूठा नैरेटिव गढ़ा गया। प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को ही न्यायालय में काल्पनिक बताया गया। यह वह दौर था जब देश को गहरे आत्मविश्वास और दिशा की ज़रूरत थी।उसी दौर में गुजरात में एक चायवाले ने सिद्ध कर दिखाया, कि विकास की राजनीति उस प्रदेश को कहा तक लेजा सकती है। भूकंप-पीड़ित भुज का पुनर्निर्माण हो, 24×7 बिजली आपूर्ति हो या टाटा नैनो को 15 दिन में जमीन देना - ₹गुजरात मॉडल₹ की गूँज पूरे देश में थी। 2014 में जनता ने 31.5% वोट शेयर और 282 सीटें देकर ₹विकास की राजनीति₹ को ऐतिहासिक जनादेश दिया। भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, अंत्योदय और राष्ट्रगौरव - यही वह त्रिभुज था जिसने नरेंद्र मोदी को देश की पहली पसंद बनाया।आज भारत ₹फ्रैजाइल फाइव₹ से उठकर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर तेज़ी से अग्रसर है। हाल ही में हमने स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर हमारा संकल्प और भी दृढ़ होता है कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के महान उद्देश्य के लिए समर्पित है। यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी-एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में। आज भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। जो वादे पहले चुनावी घोषणापत्र तक सीमित रह जाते थे, उन्हें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा गया। "मोदी की गारंटी" केवल एक नारा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक बन चुकी है। चाहे वह अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का संकल्प हो या अनुच्छेद 370 को हटाने जैसा ऐतिहासिक निर्णय, भाजपा ने अपने हर वादे को पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दिखाई है। नरेंद्र मोदी के "राष्ट्र प्रथम" के अटूट संकल्प ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। जहां पहले 'एंटी-इन्कम्बेंसी' एक सामान्य प्रवृत्ति मानी जाती थी, वहीं आज 'प्रो-इन्कम्बेंसी' की नई परिभाषा स्थापित हुई है, जहां जनता विकास, सुशासन और विश्वसनीय नेतृत्व के आधार पर बार-बार अपना विश्वास दोहराती है। इसी विश्वास, इसी संकल्प और इसी राष्ट्रनिष्ठा के साथ भारतीय जनता पार्टी आगे भी राष्ट्र निर्माण के इस पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगी।

(लेखक छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

सीजफायर

डॉ. घनश्याम बादल

जारी कोहराम, यह कैसा युद्ध विराम

जैसी आशंका थी खाड़ी युद्ध में सीजफायर की घोषणा की, चंद घंटे बाद ही उसकी हवा निकल गई और इजराइल ने लेबनान पर युद्ध विराम की बात मानने से साफ इनकार करते करते हुए वहां भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। उधर ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर अंगूठा दिखा दिया है तो ट्रंप एक बार फिर धमकाने पर उतर आए हैं। ऐसे में 10 अप्रैल को होने वाली बैठक पर भी संकट के बदले मंडराते दिख रहे हैं। 40 दिन के भीषण युद्ध, बारूद की बारिश, ईरान की सर्वोच्च लीडरशिप का खात्मा और बाद के दो दिनों में उसके इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही के बाद भी अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और उसके बड़बोले राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान की दृढ़ता, अपनी राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति समर्पण और उसकी तेल शक्ति तथा हथियारों की छिपी हुई ताकत के बल पर घुटनों के बल आना पड़ा और जैसे-तैसे चीन की मदद से इस युद्ध में सीज फायर करना पड़ा। मध्य-पूर्व की बारूदी ज़मीन पर अमेरिका और ईरान के बीच घोषित दो हफ्तों का "सीजफायर" पहली नजर में शांति का संकेत लगा था लेकिन गहराई में जाएं तो यह अधिक एक रणनीतिक विराम प्रतीत होता है। ऐसा विराम जिसमें दोनों पक्ष अपनी थकी हुई सैन्य और कूटनीतिक ताकतों को पुनर्गठित कर रहे हैं। यह ठहराव उस संघर्ष की जड़ों को नहीं मिटाता, जो दशकों से अविश्वास, वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय प्रभुत्व की होड़ में उलझा हुआ है। इस टकराव के मूल कारणों में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच चली आ रही वैचारिक शत्रुता प्रमुख है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में उसका बढ़ता प्रभाव और इजराइल के प्रति उसका कड़ा रुख, ये सभी कारक अमेरिका की आक्रामक नीति के आधार रहे हैं। वहीं, अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान को आर्थिक रूप से तो कमजोर किया ही, साथ ही उसे क्षेत्रीय स्तर पर अधिक आक्रामक और आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया। शांति प्रस्तावों की बात करें तो अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण, क्षेत्रीय मिलिशिया समूहों पर लगाम और इजराइल की सुरक्षा की गारंटी को प्रमुख शर्तों के रूप में रखा है। इसके बदले में आर्थिक प्रतिबंधों में ढील का प्रस्ताव दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान ने अपने संप्रभु अधिकारों की रक्षा करते हुए सभी प्रतिबंधों को हटाने, क्षेत्रीय मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप बंद करने और सुरक्षा आश्वासन की मांग की है। इन परस्पर विरोधी मांगों के बीच भरोसे की कमी ही सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इस पूरे परिदृश्य में चीन की भूमिका खास तौर पर उभरकर सामने आई है। चीन ने खुद को एक संतुलित और जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है। ऊर्जा जरूरतों के चलते ईरान के साथ उसके मजबूत संबंध हैं, वहीं अमेरिका के साथ प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए वह कूटनीतिक लाभ उठा रहा है। यह संकट चीन के लिए वैश्विक नेतृत्व की छवि गढ़ने का अवसर बन गया है। पाकिस्तान भी इस घटनाक्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की कोशिश करता दिखा। उसने एक ओर अमेरिका के साथ पुराने रिश्तों को फिर से सक्रिय करने का प्रयास किया, तो दूसरी ओर इस्लामिक देशों के मंच पर ईरान के प्रति सहानुभूति जताकर संतुलन साधने की कोशिश की। यह दोहरी रणनीति क्षेत्रीय समीकरणों को और जटिल बनाती है। भारत के लिए यह स्थिति एक कठिन कूटनीतिक परीक्षा है। एक ओर अमेरिका के साथ उसके गहरे संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान भारत की ऊर्जा सुरक्षा और चाबहार परियोजना के लिहाज से महत्वपूर्ण साझेदार है, लेकिन इस पूरे संकट में भारत की भूमिका लगभग निष्क्रिय नजर आई,जहां उसने केवल सामान्य बयान जारी कर शांति और संवाद की अपील की है, लेकिन किसी ठोस मध्यस्थता या पहल की कोशिश नहीं की। यह निष्क्रियता भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक छवि पर सवाल खड़े करती है। यदि भारत अपनी कूटनीतिक निष्क्रियता से बाहर निकलकर सक्रिय भूमिका नहीं निभाएगा, तो वह वैश्विक शक्ति संतुलन में महत्वपूर्ण अवसर खो देगा। जिस भारत को "वैश्विक दक्षिण" का नेता और उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, उससे अपेक्षा थी कि वह इस संकट में एक सक्रिय, संतुलित और प्रभावी भूमिका निभाएगा। भारत का सीमित और सतर्क रुख यह संकेत देता है कि वह जोखिम लेने से बचता रहा। यह दो हफ्तों का सीजफायर शांति का स्थायी समाधान नहीं, बल्कि एक अस्थायी ठहराव है, एक ऐसा ठहराव जो आने वाले समय में और बड़े टकराव की भूमिका भी बन सकता है। भारत के लिए यह समय केवल देखने और प्रतीक्षा करने का नहीं, बल्कि अपनी कूटनीतिक क्षमता को साबित करने का है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एक सप्ताह अपने लिए निकालें

संकलित

दर्शन

श्वास और मन पर ध्यान देने से हमारा प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) मजबूत होता है। यदि आप शिशुओं को देखें, तो पाएंगे कि वे अत्यंत संतुलित तरीके से श्वास लेते हैं। वे पूरे शरीर से श्वास लेते हैं-जब वे श्वास अंदर लेते हैं, तो पेट बाहर आता है, और जब श्वास छोड़ते हैं, तो पेट भीतर चला जाता है। पर जैसे-जैसे हम तनावग्रस्त होते हैं, यह प्रक्रिया उल्टी हो जाती है। ऐसी बातें कोई सिखाता नहीं, बस सजगता चाहिए। पर हमारा मन इतना व्यस्त, विचारों, निर्णयों और प्रतिक्रियाओं से भरा होता है कि हम प्रकृति की इन सूक्ष्म बातों को देख ही नहीं पाते। इसलिए साल में एक बार, एक सप्ताह अपने लिए निकालें, जैसे आप कार की सर्विसिंग कराते हैं। उस समय प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहें, सूर्योदय के साथ उठें, हल्का और आवश्यक मात्रा में भोजन करें, व्यायाम करें, योग, प्राणायाम, कुछ समय मौन रखें और प्रकृति का आनंद लें। जब हम प्रकृति से जुड़ते हैं, तो हमारी पूरी प्रणाली पुनर्जीवित हो जाती है। हम ऊर्जावान, उत्साही और प्रफुल्लित अनुभव करते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण है- जीवन में अधिक प्रसन्न रहना। चीजों को बहुत गंभीरता से न लें। थोड़ा सा आत्मज्ञान, अपने मन, चेतना और भ्रमों के मूल को समझना हमें जीवन को सुंदर बनाने में मदद करता है। हर व्यक्ति में सभी सद्गुण पहले से विद्यमान हैं, बस अज्ञानता की परतों से ढके हैं। हमें केवल उन्हें हटाना है और भीतर छिपे उन गुणों को प्रकट होने देना है।

ईर्ष्यालु किसी को सुखी-संपन्न नहीं देख सकता

संकलित

प्रेरणा

एक महिला कुबड़ी थी जिसकी वजह से वह झुककर चलती थी। सभी लोग उसका उपहास उड़ाते थे। बच्चे तो जब-तब उसे 'कुबड़ी-कुबड़ी' कहकर परेशान करते रहते थे। एक दिन वह कहीं जा रही थी कि सहसा रास्ते में उसकी भेंट नारद जी से हो गई। नारद ने उस महिला पर तरस खाते हुए कहा, 'आओ बहन! मेरे पास आओ। मैं अपने योगबल से तुम्हारा कूबड़ ठीक कर दूंगा।' महिला बोली, 'भगवान! आप अंतर्यामी हैं। आप तो जानते ही है कि लोग मेरा कितना मजाक उड़ाते हैं। मुझे सदैव यह कहकर चिढ़ाते रहते हैं कि, देखो वह कुबड़ी जा रही है। यदि आप मुझ पर मेहरबानी कर ही रहे हैं तो मेरे कूबड़ की फिक्र मत कीजिए। आप बस इतना कर दीजिए कि जो लोग मेरा मजाक उड़ाते हैं, उन सबके भी कूबड़ निकल आए।' नारद जी ने उस महिला का उत्तर सुना तो हक्के-बक्के रह गए। आश्चर्यचकित होकर बोले, 'बहन, दूसरों के कूबड़ निकल आने से तुम्हें क्या मिलेगा।' बुढ़िया बोली, 'मैं उन्हें भी अपनी तरह चलते और दूसरों द्वारा उपहास होते देखूंगी तो मन को शांति मिलेगी।' नारद जी सोचने लगे यह महिला चाहती तो मेरी कृपा से अपना कूबड़ ठीक करा सकती थी। लेकिन उसने हाथ आए अवसर को दूसरों के नुकसान के रूप में ही भुनाने की कामना की। ईर्ष्यालु व्यक्ति की प्रकृति यही होती है कि वह दूसरों को सुखी-संपन्न देखकर उनके जैसा उन्नत, संपन्न और सुखी होने की प्रेरणा ग्रहण नहीं करता, बल्कि सुखी लोगों को दुखी करने और नीचे गिराने का प्रयास करता है।

अंतर्मन

आज की पाती

देश के कई जिलों को पीएनजी से जोड़ा जाए

भारत सरकार के सबसे बड़े उपक्रम, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक अनुमान के तहत देश में 16,000 किलोमीटर से अधिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल द्वारा 2,000 किलोमीटर से अधिक एलपीजी गैस पाइपलाइन का भी संचालन किया जाता है। गेल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से देश के 22 राज्यों के लगभग 90 से अधिक जिलों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जिसके जरिए सीएनजी, एलपीजी तथा कुछ जिलों में पीएनजी गैस की आपूर्ति भी की जा रही है। यदि भारत सरकार उन राज्यों के जिलों में, जहां से गैस पाइपलाइन गुजरती है, राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर जिला एवं तहसील मुख्यालयों को पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल करे तो आमजन को राहत मिलेगी। - वीरेंद्र, हिसार

करंट अफेयर

ईरान युद्ध से वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में जो सबसे बड़ा व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक भार दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज़ वृद्धि, साथ ही परिवहन बाधाओं के कारण, खाद्य कीमतों और खाद्य असुरक्षा में वृद्धि अवश्य होगी। संस्थाओं ने कहा कि वे इस स्थिति की गहन निगरानी करेंगे और संकट से प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का समन्वय करेंगे। बयान में यह भी कहा गया कि विशेष रूप से कम आय वाले और आयात-निर्भर देशों में, ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि सरकारों की सीमित वित्तीय क्षमता के कारण कमजोर घरों पर सबसे अधिक प्रभाव डालेगी। तीनों संस्थाओं ने आश्वासन दिया कि वे जीवन और आजीविका की रक्षा, और स्थिरता, विकास और रोजगार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति के लिए समर्थन जारी रखेंगी।

ऑफ बीट

भेड़ों से अधिक बुद्धिमान साबित हुई हैं बकरियां

जब हम बुद्धिमान पशुओं के बारे में सोचते हैं तो आमतौर पर भेड़-बकरी जैसे जानवर हमारे जेहन में सबसे पहले नहीं आते। हमारे जेहन में चिंपांजी, आरंगुटान, कैपुचिन्स जैसे पशु या कौए जैसा पक्षी आता है। लेकिन मेरे शोध में पता चला है कि भेड़, बकरियां और अल्पाका जैसे पशु भी कम अक्लमंद नहीं होते। दो अलग-अलग अध्ययनों में, मैंने पता लगाया कि ये जानवर कैसे सीखते हैं, याद रखते हैं और अपने आस-पास की दुनिया को कैसे समझते हैं। निष्कर्षों से न केवल यह पता चलता है कि हमने उनकी सोचने-समझने क्षमताओं को कम करके आंका है, बल्कि जानकारी भी मिली कि इन पशुओं के बीच भी महत्वपूर्ण अंतर हैं। तीनों पशुओं में से बकरियां शीर्ष पर रहीं और उन्होंने याददाश्त व समस्या के समाधान के मामले में भेड़ों और अल्पाकाओं दोनों से बेहतर प्रदर्शन किया। प्रारंभिक अध्ययन भोजन जैसी किसी महत्वपूर्ण चीज के स्थान को याद रखने की क्षमता पर केंद्रित था। जंगल में, यह जीवित रहने का एक महत्वपूर्ण कौशल है। जानवरों को यह याद रखने की जरूरत होती है कि उन्हें पानी, भोजन या आश्रय कहां मिलेगा। मैंने एक सरल प्रयोग किया। प्रत्येक जानवर को एक छोटे से क्षेत्र में कई बाल्टियों में से एक में छिपा हुआ भोजन ढूंढना था।

ट्रेंड

अनाज उत्पादक संकट में

ममता दीदी के कुशासन में खेत बंजर पड़े है और अनाज उत्पादक संकट में है। यहां किसानों को आलू मिट्टी के दामों पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। मैं स्वयं खेतों तक पहुँचा, किसानों से मिला और उनकी आँखों में चिंता स्पष्ट झलक रही थी।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

चौधरी के निधन से दुःख

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद ए.एच. खान चौधरी के निधन से मुझे गहरा दुःख हुआ है। उन्होंने शांत स्वभाव, विनम्रता और अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपना जीवन मालदा और पश्चिम बंगाल की जनता की सेवा में समर्पित कर दिया।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

महिलाओं के अधिकार

2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश की महिला शक्ति को उनके पूर्ण अधिकार और सम्मान प्राप्त होंगे। आइए, राजनीति में महिलाओं की 33% भागीदारी सुनिश्चित करें और एक नए भारत की नींव रखें।
- अरुण गोविल, सांसद, भाजपा

विभाजनकारी नीतियां

भाजपा के सहयोगियों और समर्थकों की विभाजनकारी नीतियां आपने ही देश की जनता में भय पैदा करती है और उन्हें आपस में लड़ाती हैं। ये साम्राज्यवादी "बांटो और राज करो" मानसिकता के वैचारिक उत्तराधिकारी हैं।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

बंगाल में सियासी भूचाल!

'हुमायूं कबीर और भाजपा में 1000 करोड़ की डील'

वीडियो वायरल, टीएमसी ने की ईडी जांच की मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की सियासत में हलचल मच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने हुमायूं कबीर से जुड़ा एक कथित स्टिंग ऑपरेशन वीडियो जारी किया है। पार्टी का दावा है कि इस वीडियो में कबीर और बीजेपी के बड़े नेताओं के बीच करोड़ों रुपये की डील की बातचीत सामने आई है।

टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच की मांग भी उठाई है। टीएमसी के मुताबिक, जारी किए गए वीडियो में हुमायूं कबीर कथित तौर पर 1000 करोड़ रुपये की डील की बात करते नजर आ रहे हैं, जिसमें 300 करोड़ रुपये एडवांस देने का भी जिक्र किया गया है। पार्टी का आरोप है कि इस कथित डील में बीजेपी के कई बड़े नेताओं के नाम सामने आए हैं। इनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, पश्चिम बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी और पीएमओ का भी जिक्र किया गया है। इस मामले को लेकर टीएमसी नेताओं फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास और कुणाल घोष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसे 'बड़ा खुलासा' किया। उन्होंने कहा कि यह वीडियो बेहद गंभीर है और इससे बड़े राजनीतिक गठजोड़ की साजिश का संकेत मिलता है।

एक बड़ा सियासी खेल

टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कराने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि इतने बड़े वित्तीय लेन-देन के आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। टीएमसी ने इसे पश्चिम बंगाल चुनाव से जुड़ी साजिश बताया है और दावा किया है कि यह एक बड़ा राजनीतिक खेल है। इस खुलासे के बाद राज्य की राजनीति में तनाव और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

लोकतंत्र का त्यौहार

असम, केरलम, पुडुचेरी में गुरुवार को मतदान

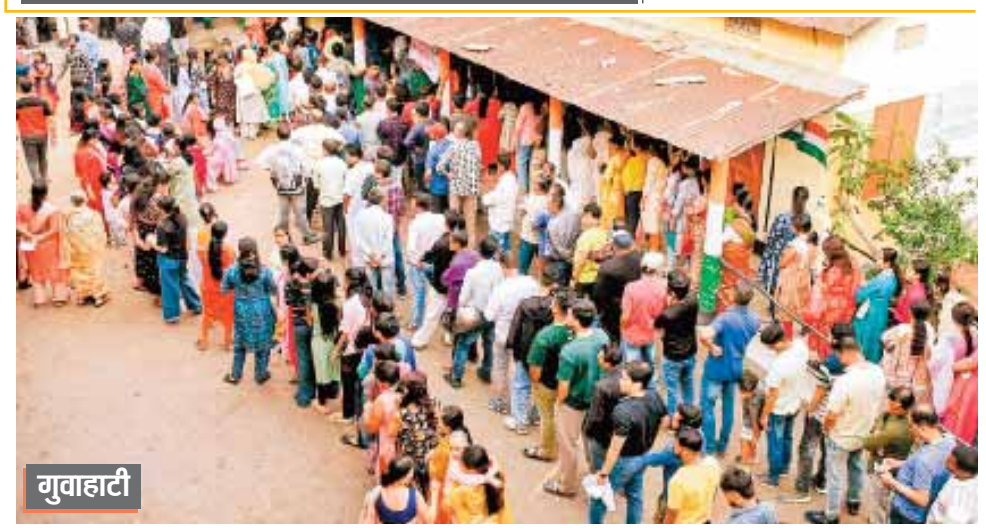

नई दिल्ली। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को छिटपुट हिंसा के बीच मतदान संपन्न हो गया। तीनों राज्यों में एक ही चरण में मतदान हुआ है, जो सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरलम में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% वोटिंग हुई। असम में सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। इनके अलावा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, कांग्रेस नेता तरूण गोगई, अगपा प्रमुख अतुल बोरा, केरलम में मंत्री जार्ज कुरियन, सुरेश गोपि, पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी, शशि थरूर, फिल्म अभिनेता मोहनलाल, पुडुचेरी में नेता प्रतिपक्ष आर शिवा सहित बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया।

पोलिंग बूथ पर रोबोट

पुडुचेरी में तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। भारत निर्वाचन आयोग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि पुडुचेरी में साड़ी पहने 'नीला' नाम का वेलकम रोबोट इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (आईईवीपी) के प्रतिनिधियों का स्वागत कर रहा है।

गोलाघाट में अगपा अध्यक्ष अतुल बोरा व परिजन

पुडुचेरी नेता प्रतिपक्ष डीएमके नेता आर शिवा

सीबीएसई पाठ्यक्रम में नए सत्र से तीन भाषाएं

इंग्लिश फॉरेन या इंडियन लैंग्वेज, असमंजस में स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में इसी सेशन यानी एकेडमिक सेशन 2026-27 से तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी। मसलन, इसी सेशन से क्लास 6 से ऊपरी क्लास के स्टूडेंट्स तीन भाषाएं पढ़ेंगे। सीबीएसई ने सभी स्कूलों को क्लास 6 में तीसरी भाषा (आर-3) शुरू करने का निर्देश दिया है। सीबीएसई ने ये स्पष्ट किया गया है कि यह फैसला हाल ही में जारी नए स्कीम ऑफ स्टडीज के तहत लिया गया है, जो नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत लागू किए जा रहे तीन भाषा फॉर्मूला का हिस्सा है। सीबीएसई ने कहा कि इस फैसले का उद्देश्य स्टूडेंट्स की भाषा समझ और ज्ञान को मजबूत करना है। सीबीएसई के इस फैसले को स्कूल प्रिंसिपल असमंजस में है। स्कूल प्रिंसिपल इंग्लिश की कैटेगरी तय ना होने की वजह से असमंजस में हैं।

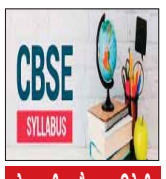

दो भारतीय और एक विदेशी

स्कूल इस बात को लेकर स्पष्ट नहीं है कि इसमें इंग्लिश को फॉरेन लैंग्वेज की कैटेगरी में रखा है या नहीं। इसको लेकर विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंड्री स्कूल मयूर विहार फेज 3 के प्रिंसिपल डॉक्टर एसवी शर्मा कहते हैं कि भी तक हम हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत पढ़ा रहे थे, लेकिन अब आर-1 में किस भाषा को रखना है, आर-2 में किसे रखना है और आर-3 में कौन कौन सी आएंगी, यह नहीं पता है।

असमंजस के बीच सेशन शुरू

कुल मिलाकर स्कूल अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं और सीबीएसई के सर्कुलर का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि सेशन शुरू हो चुका है, स्टूडेंट्स ने किताबें खरीद ली हैं और क्लासेज भी शुरू हो गई हैं, लेकिन थ्री लैंग्वेज फॉर्मूला पर कुछ स्पष्ट नहीं है। लागू करना है ये सब जानते हैं, लेकिन कैसे करना है, ये नहीं पता है।

भाजपा ने सत्ता हथियाने 90 लाख नाम हटाए : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी। उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे।' उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई।

बंगाल सीएम ने लगाया आरोप, ईसी पर साधा निशाना

खबर संक्षेप

अक्षय कुमार शूटिंग के दौरान हुए चोटिल

मुंबई। आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' के निर्माताओं ने शूटिंग के वक्त का एक वीडियो साझा किया है, जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार फिल्म के सेट पर स्टंट के दौरान चोटिल नजर आ रहे हैं। इस छोटे से वीडियो क्लिप में, कुमार हवा में जंप किक मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ जाता है और वह गिर जाते हैं। जिससे उन्हें चोट लग जाती है। अक्षय कुमार फिल्मों में अपने स्टंट खुद करने के लिए जाने जाते हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें भेजे गए ऑडियो मैसेज में कहा गया कि जैसे अतीक अहमद को मारा गया था, वैसे ही उन्हें भी मार दिया जाएगा। इन ऑडियो में 33 बार गालियां भी दी गई हैं और कहा गया है कि उनकी यात्रा के दौरान हमला किया जाएगा।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृह मंत्री रिहा

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को जमानत मिल गई है। अब उन्हें जेल से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकारी वकील के दफ्तर ने पुलिस को चिट्ठी भेजकर कहा है कि दोनों नेताओं की रिहाई सुनिश्चित की जाए। हालांकि, केपी शर्मा ओली की तबियत ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड हजार टूरिस्ट को सेना ने बचाया

भूस्खलन के कारण टूट गया है सड़क संपर्क

गंगटोक। सिक्किम के मंगन जिले के लाचेन में कई भूस्खलनों के कारण सड़क संपर्क टूट जाने के बाद फंसे 1,000 से अधिक पर्यटकों को बचाया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये पर्यटक पांच अप्रैल से उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को 1,321 पर्यटकों और 84 स्थानीय लोगों को बचाया गया। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान मंगन जिला अधिकारी अनंत जैन की देखरेख में और सेना, बीआरओ, 'लाचेन जुमसा' तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के सक्रिय समन्वय से चलाया गया। ताराम चू से चुंगथांग और फिर वहां से गंगटोक तक पर्यटकों को ले जाने के लिए बसों और पर्यटक वाहनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। ताराम चू में निकासी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, स्थानीय विधायक और सिक्किम के सामाजिक कल्याण मंत्री समदुप लेपचा ने भारतीय सेना और बीआरओ के अधिकारियों से बातचीत की और उनके निरंतर प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने पर्यटकों से बातचीत भी की और उन्हें उनके गंतव्य तक सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने लाचेन से पर्यटकों को सुरक्षित निकालने के कठिन कार्य में शामिल जिला प्रशासन और सभी एजेंसियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'खराब मौसम और रसद संबंधी चुनौतियों के बावजूद, टीम वर्क और सामुदायिक भावना के माध्यम से मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।'

यह बताया अफसरों ने

अधिकारियों ने बताया सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सेना के साथ मिलकर चुनौतीपूर्ण भूभाग और मौसम के बावजूद सड़क को साफ करने, बर्फ हटाने और संपर्क बहाल करने का काम लगातार कर रहा है। सेना के एक अधिकारी ने कहा, 'हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण है। हमारी टीम जमीनी स्तर पर सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' कई भूस्खलनों के कारण लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है। चुंगथांग भारत-चीन सीमा के निकट का क्षेत्र है।

नाटो पर ट्रंप का फिर हमला, कहा : जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुनः आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक से पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान युद्ध के दौरान सहयोग नहीं मिलने पर अमेरिका नाटो से अलग होने पर विचार कर सकता है। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़े (कैपिटल) अक्षरों में लिखा, "नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा।" व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है, जिसके तहत होर्मुज को फिर से खोलने का रास्ता साफ हुआ है।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रखी मांग 'देश के हालात पहले जैसे नहीं अब जनहित याचिका खत्म हो'

सरकार कहना है, इसका हो रहा है दुरुपयोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के ढांचे की समीक्षा करने और इसे पूरी तरह से समाप्त करने का आग्रह किया है। सरकार का तर्क है कि जिस उद्देश्य से जनहित याचिका की शुरुआत की गई थी, वह अब काफी हद तक पूरा हो चुका है और वर्तमान में इसका दुरुपयोग अधिक हो रहा है। यह महत्वपूर्ण दलील सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ के समक्ष दी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सॉलिसिटर जनरल ने अपने लिखित और मौखिक बयानों में कई महत्वपूर्ण बिंदु उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले 5 दशकों में वह स्थिति काफी बदल गई है जिसके कारण पीआईएल की जरूरत थी। अब समय आ गया है कि पीआईएल में सिर्फ सुधार न किया जाए, बल्कि इसे पूरी तरह से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि आज के समय में न्याय प्रणाली अधिक सुलभ और पारदर्शी हो गई है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएएलएसए) जैसे संस्थान मौजूद हैं, जो जरूरतमंदों को मुफ्त कानूनी सलाह और सहायता देते हैं। ई-फाइलिंग के जरिए अब अदालत तक पहुंचना बहुत आसान हो गया है; यहां तक कि एक पत्र भी सीधे अदालत पहुंच सकता है। इसलिए अब किसी 'तीसरे पक्ष' द्वारा प्रतिनिधित्व की आवश्यकता नहीं है। एसजी मेहता ने जोर देकर कहा कि आजकल दायर होने वाली ज्यादातर जनहित याचिकाएं प्रेरित होती हैं। पर्दे के पीछे से कोई और इन्हें नियंत्रित करता है, इसलिए ऐसी याचिकाओं पर विचार ही क्यों किया जाना चाहिए।

यह कहा सीजेआई ने

बता दें कि सॉलिसिटर जनरल की दलीलों पर सीजेआई सूर्यकांत ने सहमति जताते हुए कहा कि अदालतें जनहित याचिका को लेकर सतर्क हो गई हैं। अदालतें अब पीआईएल स्वीकार करने से पहले बहुत सावधानी बरतती हैं। इसे दायर करने की वजहों की बारीकी से जांच करती हैं। अब उन याचिकाओं पर नोटिस जारी होते हैं, जिनमें कोई दम या ठोस आधार होता है। 2006 से 2026 तक तक 20 साल में बहुत कुछ बदल गया है। हो सकता है कि आगे जाकर जनहित याचिका (पीआईएल) की जरूरत ही न पड़े।

क्या है पीआईएल

जनहित याचिका की व्यवस्था मुख्य रूप से उन लोगों के लिए शुरू की गई थी जो सामाजिक या आर्थिक रूप से कमजोर थे। इसका लक्ष्य यह था कि जो लोग गरीबी, अशिक्षा, विकलांगता या सामाजिक बहिष्कार के कारण खुद अदालत का दरवाजा नहीं खटखटा सकते, उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कोई तीसरा व्यक्ति या संस्था उनकी ओर से अदालत में याचिका दायर कर सके। जैसे बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ मामला।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से होंगे शुरू

श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने किया ऐलान

पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगा रजिस्ट्रेशन

यात्रा परमिट और रूट सिस्टम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से पंजीकरण कराया जा सकेगा। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने बुधवार को इसका एलान कर दिया। पंजीकरण देश भर के निर्धारित बैंक शाखाओं के माध्यम से होगा। यात्रा परमिट 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर जारी होगा। यात्रा की तारीख भी जल्द घोषित की जाएगी। देश भर की 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। पंजीकरण के दौरान प्रत्येक बैंक शाखा को प्रतिदिन, प्रति मार्ग एक निश्चित कोटा आवंटित किया गया है। 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का पंजीकरण नहीं होगा। इसी तरह छह सप्ताह से अधिक की गर्भवती का भी पंजीकरण नहीं होगा। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष यात्रा परमिट आधार-आधारित बायोमीट्रिक ई-केवाईसी प्रमाणीकरण के बाद सिस्टम से एनआईसी पोर्टल (https://jksasb.nic.in) पर जारी किया जाएगा। यदि प्रमाणीकरण में तकनीकी खराबी आती है तो बैंक शाखा मैनुअल फोटो और डेटा प्रविष्टि के माध्यम से पंजीकरण कर सकेगी।

अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए परमिट जारी होने के बाद उसमें तीर्थयात्री द्वारा चुना गया रूट स्पष्ट रूप से दर्ज होगा। परमिट में या तो बालटाल रूट या पहलगाम रूट से दिया जाएगा। इसके साथ ही यात्रा की तारीख और प्रवेश समय भी तय होगा। बालटाल रूट पर डोमेल और पहलगाम रूट पर चंदनवाड़ी से प्रवेश दिया जाएगा। निर्धारित समय और तारीख पर ही यात्रियों को आगे बढ़ने की अनुमति होगी।

रजिस्ट्रेशन फीस और अन्य नियम

हर यात्रा परमिट के लिए 150 रुपये की निर्धारित फीस रखी गई है। इसके अलावा, यात्रियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि रजिस्ट्रेशन के समय आधार नंबर और मोबाइल नंबर सही दर्ज किए जाएं। श्राइन बोर्ड ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे हेल्प डेस्क की व्यवस्था करें और स्टाफ को उचित प्रशिक्षण दें, ताकि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके।

रजिस्ट्रेशन की समय सीमा

श्राइन बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी विशेष तारीख की यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन यात्रा से 7 दिन पहले बंद कर दिया जाएगा। इसलिए यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे समय पर आवेदन करें। अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए इस बार व्यवस्था को और अधिक डिजिटल, सुरक्षित और पारदर्शी बनाया गया है। हेल्थ सर्टिफिकेट, उम्र सीमा और बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन जैसे नियम यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लागू किए गए हैं। जो भक्त इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं, उन्हें सभी दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी होगा, ताकि यात्रा बिना किसी परेशानी के पूरी हो सके।

10-20 और 50 के नोट लेकर जा रहा था युवक, 1000 रुपए की गड्डी पर 100 रुपए कमीशन

छोटे नोटों का बड़ा धंधा, सूटकेस में भरकर कटनी जा रहा युवक धरा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

ट्रेन में चेकिंग होने की खबर मिलते ही एक युवक जंगल के छोटे स्टेशन में उतर गया। इसी दौरान अपराधी की तलाश में भटक रही पुलिस की नजर स्टेशन के बाहर उक्त युवक पर पड़ गई, पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़कर सूटकेस व बैग खोलकर देखा तो उनमें नोटों की गड्डियां भरी मिलीं। पुलिस को युवक के पास से 17 लाख 90 हजार रुपए मिले हैं। युवक से रुपए के संबंध में पूछताछ की जा रही है।बेलगहना चौकी प्रभारी हेमंत सिंह ठाकुर ने बताया, 6 अप्रैल को आमागोहन निवासी कल्पना तिवारी के साथ नकाबपोश युवक ने सोने की चेन लूटने की कोशिश की थी। उक्त मामले के आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान टेंगनमाड़ा रेलवे स्टेशन के बाहर एक युवक दो सूटकेस, एक पिट्ठू बैग लेकर खड़ा हुआ था। संदेह होने पर वे स्टाफ के साथ उसके पास जा रहे थे तो युवक सूटकेस छोड़कर भागने लगा। पुलिस ने दौड़ाकर युवक को पकड़ लिया।

बैंकिंग सेक्टर में बड़ा उलटफेर

एसबीआई बना देश का दूसरा बड़ा बैंक, गिरावट के बीच भी पलटी बाजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग सेक्टर में मार्च तिमाही के दौरान बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने आईसीआईसीआई बैंक को पीछे छोड़ते हुए मार्केट कैप के हिसाब से देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बनने का दर्जा हासिल कर लिया है।

खास बात यह है कि यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब पूरे बैंकिंग सेक्टर पर दबाव बना हुआ था और ज्यादातर बैंकों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। ऐसे में एसबीआई ने बड़ा कारनामा कर बैंकिंग सेक्टर में अपनी पोजिशन को मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एसबीआई का मार्केट कैप मामूली 0.3 फीसदी गिरावट के बावजूद करीब 9 लाख करोड़ के आसपास बना रहा, जबकि आईसीआईसीआइ बैंक के मार्केट कैप

में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। यही वजह रही कि एसबीआई ने रैंकिंग में बढ़त बना ली। एक्सपर्ट्स का मानना है कि एसबीआई के मजबूत नेट इंटरेस्ट मार्जिन और स्थिर प्रदर्शन ने इस गिरावट के दौर में भी उसे मजबूती दी।

एचडीएफसी बैंक अभी भी देश का सबसे बड़ा बैंक बना हुआ है

एसबीआई का मार्केट कैप करीब 9 लाख करोड़ रु.के आसपास

18 बैंकों के मार्केट कैप में गिरावट

पूरे बैंकिंग सेक्टर की बात करें तो स्थिति बहुत बेहतर नहीं रही। 20 बड़े बैंकों में से 18 के मार्केट कैप में गिरावट आई। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण वैश्विक अनिश्चितता और मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव रहा, जिससे निवेशकों का भरोसा थोड़ा कमजोर पड़ा। इसके अलावा विदेशी निवेशकों ने भी मार्च में भारी बिकवाली की, जिससे बाजार पर और दबाव बढ़ा। एचडीएफसी बैंक अभी भी देश का सबसे बड़ा बैंक बना हुआ है, भले ही इसके मार्केट कैप में करीब 26 फीसदी की गिरावट आई हो, लेकिन फिर ये लिस्ट में सबसे टॉप पर है। जानकारी के मुताबिक इसके शेयर में गिरावट के पीछे मैनेजमेंट से जुड़ी खबरें और बाजार की कमजोरी दोनों ही कारण रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर के लिए यह तिमाही काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है। इसके बावजूद भी बीच मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनियां अपनी स्थिति को मजबूत बनाए हुई हैं। एसबीआई का आईसीआईसीआई बैंक को पीछे छोड़ना इसी बात का उदाहरण है कि स्थिर प्रदर्शन और भरोसेमंद ग्रोथ रणनीति लंबे समय में निवेशकों का विश्वास जीतती है।

ब्लॉसम कोच्चर ने सिग्नेचर एसेंशियल ऑयल्स नए लुक में किया लांच

भोपाल। एरोमाथेरेपी कंपनी ब्लॉसम कोच्चर एरोमा मैजिक ने अपने प्रतिष्ठित एसेंशियल ऑयल्स के संग्रह को एक नए, आकर्षक रूप में फिर से लांच करने की घोषणा की। इस अवसर पर डॉ. ब्लॉसम कोच्चर, संस्थापक और चेयरपर्सन- ब्लॉसम कोच्चर ग्रुप ऑफ कंपनीज, ने भोपाल, में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। उन्होंने न सिर्फ इन एसेंशियल ऑयल्स के महत्व पर प्रकाश डाला, बल्कि दो नए प्रोफेशनल सलून फेशियल किट्स - पेप्टाइड पोशन और विटा बूस्ट को भी प्रस्तुत किया। डॉ. ब्लॉसम कोच्चर ने कहा कि एसेंशियल ऑयल्स पौधों की आत्मा माने जाते हैं। ये पौधों की पत्तियों, फलों, फूलों और बीजों से प्राप्त अत्यधिक सांद्र अणु होते हैं।

बिजली नहीं, अब रोशनी से चार्ज होगा फोन और ईवी!

वैज्ञानिकों ने बनाई क्वांटम बैटरी, पलक झपकते ही होगी सौ फीसदी फुल

वॉशिंगटन। अभी तक क्या आपको भी अपना मोबाइल या इलेक्ट्रिक कार चार्ज करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। तो अब वैज्ञानिकों ने आपके लिए एक ऐसा डिवाइस बना दिया है, जो सुनने में किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने एक ऐसी क्वांटम बैटरी बनाई है, जो सिर्फ रोशनी का इस्तेमाल करके सुपरफास्ट स्पीड से चार्ज हो जाती है। इस रिसर्च को सीएसआईआरओ, आरएमआईटी और मेलबर्न विश्वविद्यालय ने मिलकर किया है। फिलहाल अभी इसका प्रोटोटाइप तैयार हुआ है। यह रिसर्च आने वाले समय में हमारी ऊर्जा की जरूरतों को पूरी तरह से बदल सकता है।

क्या है क्वांटम बैटरी?

अभी हम जो मोबाइल या लैपटॉप में बैटरी इस्तेमाल करते हैं, उनमें लिथियम-आयन बैटरियां होती हैं। इन्हें चार्ज करने के लिए बिजली की जरूरत होती है और इसमें काफी समय लगता है। लेकिन, क्वांटम बैटरी 'क्वांटम मैकेनिक्स' के सिद्धांतों पर काम करती है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जितनी बड़ी होगी, उतनी ही तेजी से चार्ज होगी। यह हमारे सामान्य भौतिकी के नियमों से बिल्कुल उल्टा है।

क्या है रोशनी से चार्ज होने का फंडा

इस नई रिसर्च की सबसे बड़ी बात यह है कि यह बैटरी रोशनी के कणों, मतलब फोटॉन्स को सोखकर चार्ज होती है। वैज्ञानिकों ने एक खास तरह के 'क्वांटम कैविटी' का इस्तेमाल किया है, जो रोशनी को कैद कर लेती है और उसे सीधे ऊर्जा में बदल देती है। इसके लिए आपको किसी बिजली के सॉकेट ष या चार्जर की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इससे हमारी जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा?

अगर यह टेक्नोलॉजी सफल हो जाती है, तो जहां आज के समय में इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करने में घंटों लगते हैं, वहीं क्वांटम बैटरी से यह काम पेट्रोल भरवाने से भी कम समय में हो जाएगा। इससे आपको स्मार्टफोन्स और लैपटॉप की चार्जिंग की झंझट भी खत्म हो जाएंगी। ऑफिस की लाइट या सूरज की रोशनी ही आपके गैजेट्स के लिए काफी होगी। इसके साथ ही सौर ऊर्जा को स्टोर करने का यह अब तक का सबसे क्रांतिकारी तरीका साबित हो सकता है।

रोचक खबरें

ये है दुनिया का सबसे तीखा पौधा, जिसके सामने फीकी है सबसे खतरनाक मिर्च

रबात। तीखेपन का नाम आते ही सबसे पहले जेहन में लाल मिर्च या हरी मिर्च का ख्याल आता है। दुनिया भर में मिर्च की ऐसी कई प्रजातियां हैं, जिन्हें खाने के नाम से ही लोगों के पसीने छूट जाते हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक पेप्पर एक्स दुनिया की सबसे तीखी मिर्च है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुदरत ने एक ऐसा पौधा भी बनाया है जिसके सामने दुनिया की सबसे धाकड़ मिर्च भी फीकी चाय जैसी लगती है? यह कोई मिर्च नहीं, बल्कि एक कैक्टस जैसा दिखने वाला साधारण सा पौधा है, जिसका तीखापन इतना जानलेवा है कि इसे केमिकल वेपन यानी रासायनिक हथियार की श्रेणी में रखा जा सकता है। ये इतना ज्यादा खतरनाक है कि इंसान की नसों को हमेशा के लिए सुन्न कर सकता है। इस पौधे के भीतर छिपा रेसिनिफेरा टॉक्सिन के कारण इसे चखना तो दूर, छूने मात्र से शरीर पर तेजाब जैसे जख्म बन सकते हैं। इसकी दो बूंद भी जान ले सकती है। मोरक्को के पहाड़ों और नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में पाया जाने वाला यह पौधा रेजिन स्पर्ज के नाम से जाना जाता है। इसमें पाया जाने वाला रेसिनिफेरा टॉक्सिन इसे दुनिया का सबसे तीखा और दर्दनाक पौधा बनाता है।

चीन में चावल की जगह केले से तैयार होता है हड़िया, पीते ही छा जाता है नशा!

बीजिंग। आपने चावल की हड़िया, महुआ की दारू या अंगूर की वाइन के बारे में तो सुना ही होगा, लेकिन क्या कभी केले की शराब के बारे में सुना है? चीन में अब यह अनोखी शराब काफी पॉपुलर हो रही है। पके हुए केलों को खास पारंपरिक तरीके से फर्मेंट करके बनाई जाने वाली यह शराब पीते ही नशा छा जाता है और स्वाद भी बेहद स्वादिष्ट बताया जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोग केले की शराब बनाते और पीते दिख रहे हैं। केले की शराब बनाने का तरीका काफी हद तक झारखंड की प्रसिद्ध हड़िया से मिलता-जुलता है। हड़िया में चावल को सड़ाकर फर्मेंट किया जाता है, वहीं केले की शराब में पके केलों का इस्तेमाल होता है। पारंपरिक चीनी तरीके में पहले केलों को आग में पकाया जाता है। फिर केलों को छीलकर मैश किया जाता है। इस मैश को पानी में मिलाकर गर्म किया जाता है या फिर नैचुरल यीस्ट की मदद से फर्मेंटेशन प्रोसेस शुरू किया जाता है। कुछ जगहों पर केले के गूदे को स्पाइसेस के साथ मिलाकर पेस्ट बनाया जाता है और फिर फर्मेंटेशन टैंक में रख दिया जाता है। फर्मेंटेशन के दौरान केले का शुगर अल्कोहल में बदल जाता है। पूरा प्रोसेस 7 से 20 दिनों तक चल सकता है, जिसके बाद स्वादिष्ट और थोड़ी मीठी शराब तैयार हो जाती है।

आर्टेमिस-2 के जांबाजों ने अंतरिक्ष से दिया ये संदेश

हमें भूल जाओ, मिशन को याद रखो काम बड़ा होना चाहिए, नाम नहीं

वॉशिंगटन। आमतौर पर जब कोई इंसान इतिहास रचकर अपने घर लौटता है, तो वह चाहता है कि दुनिया उसे पलकों पर बिठाए। उसका नाम इतिहास की किताबों में दर्ज हो और उसे 'सुपरहीरो' की तरह पूजा जाए। लेकिन, आर्टेमिस-2 मिशन के जरिए चांद की दहलीज तक होकर आए चार जांबाज एस्ट्रोनॉट्स की सोच बिल्कुल अलग है। धरती पर कदम रखने से ठीक पहले रीड वाइसमैन और उनकी टीम ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि 'हमें और हमारी उपलब्धियों को भूल जाओ!', लेकिन आखिर इन जांबाजों ने ऐसी 'अजीब' बात क्यों कही। क्या यह उनकी सादगी है या इसके पीछे भविष्य का कोई बड़ा विजन।

इतिहास बना, लेकिन नजरिया अलग रहा

आर्टेमिस-2 मिशन ने एक बार फिर इंसान को चांद के करीब पहुंचा दिया है। यह सफर सिर्फ टेक्नोलॉजी का नहीं, बल्कि हिम्मत और भरोसे का भी था। इतनी बड़ी उपलब्धि के बाद आमतौर पर लोग अपने नाम और पहचान को लेकर चर्चा में आ जाते हैं, लेकिन यहां कहानी थोड़ी अलग है। इस मिशन के एस्ट्रोनॉट्स ने खुद को चर्चा से दूर रखने की बात कही है।

हम नहीं, मकसद बड़ा है

मिशन से लौटने के बाद उन्होंने जो बात कही, वही अब सबसे ज्यादा सुर्खियों में है। उनका साफ कहना है कि यह मिशन किसी एक इंसान की उपलब्धि नहीं है। उनके अनुसार, यह हजारों लोगों की मेहनत का नतीजा है। इसमें कई वैज्ञानिक, इंजीनियर, टेक्नीशियन और वे सभी लोग शामिल हैं, जो पर्दे के पीछे काम करते हैं। ऐसे में सिर्फ चार चेहरों को याद रखना सही नहीं होगा।

रिकॉर्ड नहीं, जिम्मेदारी ज्यादा अहम

इस मिशन ने कई मायनों में नया इतिहास बनाया है। दूरी के मामले में भी यह एक बड़ा कदम था। लेकिन, एस्ट्रोनॉट्स का कहना है कि रिकॉर्ड बनाना ही सब कुछ नहीं होता। असली बात यह है कि इससे आगे का रास्ता तैयार होता है। अब आने वाले मिशनों के लिए जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।

अंतरिक्ष से धरती को देखने का अनुभव

जब ये एस्ट्रोनॉट्स चांद के पास पहुंचे, तो उन्होंने धरती को एक अलग नजर से देखा। उनके लिए यह पल सिर्फ वैज्ञानिक नहीं, बल्कि बेहद भावुक था। दूर से नीली धरती को देखकर उन्हें एहसास हुआ कि हमारा घर कितना छोटा है। यही अनुभव उन्हें और भी विनम्र बना गया।

सादगी ने जीता लोगों का दिल

आज के समय में जहां हर उपलब्धि के साथ शोहरत जुड़ जाती है, वहां इन एस्ट्रोनॉट्स की सादगी लोगों को अलग नजर आ रही है। वे खुद को हीरो मानने से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि असली हीरो वे लोग हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर इस मिशन को सफल बनाते हैं। उनकी यह सोच सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि एक बड़ा संदेश है। नई पीढ़ी के लिए यह सीख है कि काम बड़ा होना चाहिए, नाम नहीं। अगर मकसद सही हो, तो पहचान अपने आप बन जाती है। उनकी यह विनम्रता आने वाले समय में कई लोगों को प्रेरित कर सकती है।

खतरे के बीच पूरा हुआ सफर

यह सफर जितना रोमांचक था, उतना ही खतरनाक भी था। अंतरिक्ष में जाना और वहां से सुरक्षित लौटना आसान बात नहीं होती है। फिलहाल अभी सभी एस्ट्रोनॉट्स धरती पर वापस आ रहे हैं। अभी भी उनका खतरा टला नहीं है। लेकिन, नासा की तैयारियों और उन्हें अपनी काबिलियत पर पूरा विश्वास है। वापसी के समय स्पेसक्राफ्ट को तेज रफ्तार और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हर सेकंड खतरे से भरा होता है। फिर भी ये एस्ट्रोनॉट्स पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मिशन को पूरा करने में लगे हैं।

भविष्य की तरफ एक बड़ा कदम

आर्टेमिस-2 सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि आने वाले समय की नींव है। इसके बाद इंसान को फिर से चांद की सतह पर उतारने की तैयारी है। और यही नहीं, आगे चलकर मंगल जैसे बड़े लक्ष्य भी सामने हैं। इस मिशन ने यह साबित कर दिया है कि इंसान अब सिर्फ सपने नहीं देख रहा है, बल्कि उन्हें पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोहब्बत के आगे हाइट क्या चीज है

खूबसूरत दुल्हनिया के नन्हे से दूल्हे राजा, समाज की नहीं की परवाह

अमरावती। अक्सर कहा जाता है कि प्रेम केवल दिलों का मिलन है, जिसमें रंग, रूप, कद या धन-दौलत का कोई स्थान नहीं होता. इस बात को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम की एक युवती ने सच कर दिखाया है। राजूपेटा की रहने वाली एक बेहद खूबसूरत युवती ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना छोटी हाइट के युवक को अपना जीवनसाथी चुना है। यह शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह कहानी राजूपेटा के रहने वाले वेमुला शशि और एक मुस्लिम समुदाय की युवती की है। उनकी मुलाकात स्कूल में हुई थी। 9वीं कक्षा से शुरू हुई यह दोस्ती समय के साथ गहरे प्यार में बदल गई। युवक बौना (कद में छोटा) है, लेकिन युवती के लिए उसकी शारीरिक बनावट कभी बाधा नहीं बनी। उसने युवक के स्वभाव और उनके बीच के अटूट विश्वास को प्राथमिकता दी।

साहस और संघर्ष की मिसाल

वेमुला शशि वर्तमान में जिला न्यायालय में अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर कार्यरत हैं, वहीं युवती एक मेडिकल स्टोर में काम करती है। अपनी आजीविका खुद चलाने वाले इस जोड़े ने जब शादी का फैसला किया, तो उन्हें कड़े विरोध का सामना करना पड़ा।

पुलिस से सुरक्षा की गुहार

इस प्रेम विवाह में न केवल शारीरिक बनावट का अंतर था, बल्कि धर्म की दीवार भी थी। युवती के माता-पिता और रिश्तेदारों ने इस रिश्ते पर कड़ी आपत्ति जताई।परिवार के दबाव और सामाजिक विरोध के बावजूद, लड़की अपने फैसले पर अडिग रही। उसे न तो युवक के कद से कोई समस्या थी और न ही समाज के तानों से। जब परिजनों का विरोध बढ़ने लगा और उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा महसूस हुआ। तो इस नवविवाहित जोड़े ने इनुकुदुरुपेटा पुलिस स्टेशन में शरण ली। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है और स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी भी कीमत पर एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ेंगे। दुल्हन बोली- 9वीं क्लास में ही मैं इन्हें अपना दिल दे बैठी थी। यह अनोखी शादी उन लोगों के लिए एक मिसाल है जो प्रेम को केवल बाहरी सुंदरता के तराजू में तौलते हैं।

बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में आंबेडकर जयंती पर छुट्टी घोषित करने की मांग

भोपाल। भारत सरकार द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती (14 अप्रैल) के अवसर पर केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्णय बाबा साहेब के प्रति सम्मान एवं उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करने की दिशा में स्वागत योग्य कदम है। किंतु उक्त आदेश में बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के संबंध में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए हैं, जिससे बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है।यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस, मध्य प्रदेश के कोऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया है कि डॉ. आंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर राज्य के सभी बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में भी अवकाश घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के निर्माता थे, बल्कि सामाजिक न्याय एवं समानता के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में बैंकिंग क्षेत्र के कर्मचारियों को भी अवकाश मिलना चाहिए, ताकि वे इस महत्वपूर्ण दिवस को श्रद्धापूर्वक मना सकें। शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिए जाने से बैंक कर्मचारियों में हर्ष एवं संतोष का वातावरण बनेगा।

विक्रेताओं को 1 हजार रु.से कम वाले उत्पादों पर अमेजन की शून्य रेफरल फीस

भोपाल। अमेजन.इन पर मध्य प्रदेश से 70,000 से अधिक सैलर्स रजिस्टर्ड हैं, जहां नए सैलर के रजिस्ट्रेशन में 56 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। इस तेजी के साथ ही अमेजन ने अपने जीरो रेफरल फीस का कवरेज 10 गुना से अधिक बढ़ा दिया है। साल 2025 में जहां 1.2 करोड़ प्रोडक्ट्स पर जीरो रेफरल फीस ली जाती थी, वहीं इस साल इसे बढ़ाकर 12.5 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स तक कर दिया गया है। जीरो रेफरल फीस का लाभ फैशन, होम, किचन और इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सेसरीज जैसी रोजमर्रा की श्रेणियों को मिलता है। 1,000 रुपए से कम मूल्य के प्रोडक्ट्स पर जीरो रेफरल फीस के साथ 300 रुपए से कम मूल्य के प्रोडक्ट्स पर इंजी शिप फीस में 20 प्रतिशत की कमी के नतीजे मिलने लगे हैं और सैलर्स को कुल फीस में 70 प्रतिशत तक की बचत होने लगी है।

प्रदेश की मंडियों में समर्थन मूल्य से 300 से 400 रु. नीचे बिक रहा गेहूं

▶▶ भोपाल

वर्ष 2026 में रबी विपणन सीजन के दौरान राजधानी भोपाल सहित प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में गेहूं की नई फसल का भाव, घोषित समर्थन मूल्य से काफी नीचे चल रहा है। केंद्र सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं का एमएसपी 2,585 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

मध्य प्रदेश सरकार ने बोनस के साथ इसे 2625 से 2735 प्रति क्विंटल तक करने की घोषणा की, लेकिन भोपाल सहित प्रदेशभर की अनाज मंडियों में गेहूं समर्थन मूल्य से 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल नीचे बिक रहा है। अनाज व्यापारी सामान्य गेहूं 2200 से 2400 रुपए प्रति क्विंटल के भाव गेहूं खरीदी रहे हैं। गौरतलब है कि मंडियों में गेहूं समर्थन मूल्य से काफी नीचे बिकने से किसानों 300-400 रुपए का घाटा हो रहा है। बताया जा रहा है कि सरकारी खरीदी में देरी की बतौलत किसानों को अपना गेहूं समर्थन मूल्य से कम भाव पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। भोपाल ग्रेन मर्चेंट एंड ऑयल सीड्स एसोसिएशन के प्रवक्ता संजीव जैन ने कहाकि सरकारी खरीदी केंद्र (उपार्जन केंद्र) समय पर चालू न होने और तुलाई लेट होने के कारण किसान मजबूरी में निजी व्यापारियों को कम दामों पर गेहूं बेच रहे हैं। तो वहीं कुछ मामलों में गेहूं में अधिक नमी या कमजोर दाने की गुणवत्ता के कारण भी कम दाम मिल रहे हैं। उनके अनुसार शादियों का सीजन या मजदूरों के भुगतान जैसे खर्चों के लिए किसान जल्दीबाजी में कम दाम पर भी फसल बेच रहे हैं।

दुनिया को महाप्रलय से बचाने वाला गुमनाम हीरो की अनसुनी कहानी

वॉशिंगटन। जब भी हम किसी अंतरिक्ष मिशन की सफलता देखते हैं, तो हमारी नजर रॉकेट या अंतरिक्ष यात्रियों पर होती है। लेकिन, पर्दे के पीछे कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो हर पल इस बात पर नजर रखते हैं कि कहीं अंतरिक्ष से कोई बड़ी आफत (एस्टेरॉयड) हमारी धरती की तरफ तो नहीं आ रही। नासा के माइकल डेविड हिक्स ऐसे ही एक जांबाज वैज्ञानिक थे। हाल ही में उनके निधन की खबर आई, जिसने एस्ट्रोनॉमी की दुनिया में एक बड़ा शोक पैदा कर दिया है।

उनका सबसे बड़ा काम : माइकल का मुख्य काम एस्टेरॉयड की 'फिजिकल कैरेक्टराइजेशन' करना था। वह यह पता लगाते थे कि आसमान में तैर रहा कोई पत्थर किस चीज से बना है? इसके साथ ही वह कितनी तेजी से अपनी धुरी पर घूम रहा है? और उसका रंग और उसकी चमक कैसी है? ये जानकारियां इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि अगर कभी किसी एस्टेरॉयड को रास्ते से भटकाने की जरूरत पड़ी, तो वैज्ञानिक यह पहले से जानते होंगे कि वह पत्थर कितना मजबूत है। माइकल ने हजारों एस्टेरॉयड का डेटा तैयार किया था, जो आज नासा के रक्षा तंत्र का हिस्सा है।

खामोशी से क्यों चले गए माइकल?

हैरानी की बात यह है कि माइकल हिक्स का निधन पिछले दिनों हुआ, लेकिन इसकी खबर बहुत देर से और बहुत सीमित दायरे में बाहर आई। वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्हें एक लो-प्रोफाइल रहने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। वह प्रचार से दूर रहकर सिर्फ अपने काम और डेटा से मतलब रखते थे। उनके सहकर्मियों का कहना है कि माइकल के जाने से नासा ने अपना एक सच्चा वैज्ञानिक खो दिया है। उन्होंने कई अहम प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया और दर्जनों रिसर्च किए, लेकिन वे कभी सुर्खियों में नहीं आए। वे अपनी दुनिया में शांत रहकर काम करने वाले इंसान थे, जिन्हें नाम या शोहरत से ज्यादा अपने काम की चिंता रहती थी।

क्यों याद रखी जाएगी उनकी कहानी

माइकल हिक्स की कहानी हमें यह सिखाती है कि हर बड़ा काम करने वाला इंसान हमेशा चर्चा में नहीं होता। कई बार असली हीरो वही होते हैं, जिनका नाम हम जानते भी नहीं। उन्होंने जिस काम में अपनी जिंदगी लगा दी, वह सीधे तौर पर इंसानियत की सुरक्षा से जुड़ा है। अगर भविष्य में कभी कोई बड़ा अंतरिक्ष खतरा टलता है, तो उसमें हिक्स जैसे वैज्ञानिकों की मेहनत भी शामिल होगी। माइकल हिक्स एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी अंतरिक्ष के खतरों को समझने में लगा दी। उनकी कहानी अगर चुपचाप दब जाए, तो यह कहीं न कहीं हमें सोचने पर मजबूर करती है। माइकल डेविड हिक्स अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका काम और उनकी सोच आने वाले समय में भी जिंदा रहेगी। शायद यही किसी भी वैज्ञानिक की सबसे बड़ी पहचान होती है।

कौन थे माइकल डेविड हिक्स?

माइकल डेविड हिक्स नासा की मशहूर जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में एक वरिष्ठ एस्ट्रोनॉमर थे। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट्स , यानी उन एस्टेरॉयड और धूमकेतुओं के अध्ययन में बिता दी, जो पृथ्वी के काफी करीब से गुजरते हैं। अगर आज हमें यह पता चल पाता है कि कोई एस्टेरॉयड धरती के कितने पास से गुजरेगा या उसका आकार क्या है, तो उसमें माइकल जैसे वैज्ञानिकों की सालों की मेहनत छिपी होती है।

वीआईटी चेन्नई ने विश्वविद्यालय दिवस मनाया

वेल्लोर। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), चेन्नई ने मंगलवार, 7 अप्रैल को अपना विश्वविद्यालय दिवस मनाया। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिनोद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित रहे। वीआईटी चेन्नई के पूर्व छात्र मेजर वैभव चौरसिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीआईटी के संस्थापक और कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने वीआईटी के उपाध्यक्ष डॉ. जी. वी. सेल्वम की उपस्थिति में की।

अपने संबोधन में बिनोद कुमार ने छात्रों को तेजी से बदलती दुनिया के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने चुनौतियों पर काबू पाने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए निरंतर प्रयास और अनुकूलनशीलता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अंतिम उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए नवाचार की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा, "हमेशा इस बात को ध्यान में रखें कि बैंकिंग में हम सोचते हैं कि हम ग्राहकों का जीवन कैसे

आसान बना सकते हैं। मैं इस बात पर जोर दे रहा हूं क्योंकि इससे आपको अपने भीतर पूर्णता प्राप्त करने में मदद मिलेगी।"

ज्ञान और चरित्र की भूमिका पर जोर देते हुए बिनोद कुमार ने कहा कि ज्ञान ही वह चीज है जो आपको स्वयं को संवारने में मदद करती है। ज्ञान आपको एक स्तर तक ले जा सकता है, उसके बाद आपके चरित्र ही आपको आकार देते हैं।

मेजर वैभव चौरसिया ने छात्रों से अपने परिवेश से प्रेरणा लेने और सकारात्मक प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों से दृढ़ रहने और आत्मविश्वास बनाए रखने का आग्रह किया। "कभी हार मत मानो, कभी खुद पर संदेह मत करो।" "हालात अनुकूल नहीं होंगे और गलतियाँ भी होंगी, लेकिन आपको लगातार मेहनत करते रहना होगा और हमेशा सही तरीके से काम करना होगा," उन्होंने आगे कहा।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, डॉ. जी. विश्वनाथन ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तियों और परिवारों को, बल्कि समाज, राज्य और राष्ट्र को समग्र रूप से ऊपर उठाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच और ज्ञान आधारित आर्थिक विकास पर निर्भर करता है।

कार्यक्रम का समापन मेधावी और उत्कृष्ट छात्रों को उनकी शैक्षणिक और समग्र उत्कृष्टता के सम्मान में पदक और प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ हुआ।

कार्यक्रम में वीआईटी चेन्नई के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. टी. त्यागराजन, वीआईटी चेन्नई के निदेशक प्रो. के. सत्यनारायणन और वीआईटी चेन्नई के अतिरिक्त रजिस्ट्रार प्रो. पी.के. मनोहरन भी उपस्थित थे।

अदाणी की अमेरिकी अदालत से एसईसी धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की अपील

न्यूयॉर्क। उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) की तरफ से दायर प्रतिभूति धोखाधड़ी मुकदमे को खारिज करने का अनुरोध किया है।अदाणी परिवार के वकीलों की तरफ से दलील दी गई है कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और इसमें किसी भी तरह का गलत कार्य सिद्ध नहीं होता है।वकीलों ने आवेदन करने से पहले अमेरिकी अदालत को भेजे गए पत्र में कहा है कि 2021 में अदाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा जारी 7.5 करोड़ डॉलर के बॉन्ड बिक्री के संदर्भ में एसईसी के दावे कई कानूनी आधारों पर दोषपूर्ण हैं।यह मुकदमा नवंबर, 2024 में दायर किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि एजीईएल की तरफ से जारी बॉन्ड के निवेशकों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना से अवगत नहीं कराया गया था।अदाणी पक्ष ने अदालत को बताया कि न तो गौतम अदाणी और न ही सागर अदाणी का अमेरिका के साथ पर्याप्त संपर्क था और न ही वे बॉन्ड पेशकश में प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे। बॉन्ड का लेन-देन अमेरिका के बाहर हुआ था और 2024 में यह पूरी तरह चुकता हो गया।वकीलों ने ईएसजी, भ्रष्टाचार-रोधी, और कॉरपोरेट प्रतिष्ठा के बारे में अमेरिकी बाजार नियामक के बयानों को केवल सामान्य कॉरपोरेट प्रचार बताते हुए कहा कि इन पर निवेशक भरोसा नहीं कर सकते।अदाणी पक्ष ने अमेरिकी अदालत से मुकदमे को पूरी तरह खारिज करने की अपील की है और आवेदन-पूर्व सुनवाई में उपस्थित होने के लिए तैयार रहने की भी बात कही।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने सीमापार रोबोटिक सर्जरी करके स्थापित किया नया कीर्तिमानः मुंबई में बैठे सर्जन ने मस्कट में मरीज़ की 'रेडिकल नेफरेक्टोमी' की

मुंबई : विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर, जिसका इस वर्ष का संकल्प है —"स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ अटूट", कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल ने वैश्विक चिकित्सा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की एक विस्मयकारी मिसाल पेश करते हुए, डॉ. टी. बी. युवराजा ने मुंबई में बैठकर मस्कट (ओमान) के मेडिकल सिटी अस्पताल में भर्ती एक 55 वर्षीय महिला की सफल रोबोटिक रेडिकल नेफरेक्टोमी (किडनी निकालने की जटिल सर्जरी) संपन्न की। अत्याधुनिक 'मेडबॉट तौमाई (**Toumai**) रोबोटिक सर्जरी सिस्टम' के जरिए अंजाम दी गई यह ऐतिहासिक प्रक्रिया भारत की पहली 'क्रॉस-बॉर्डर रिमोट रोबोटिक सर्जरी' मानी जा रही है। यह उपलब्धि उस भविष्य की ओर एक निर्णायक कदम है, जहाँ भारतीय डॉक्टरों की विशेषज्ञता भौगोलिक सीमाओं को लांघकर दुनिया भर के मरीजों को वास्तव में जीवनदान दे सकेगी।

अत्याधुनिक रोबोटिक प्रणालियों और निर्बाध 'रियल-टाइम' कनेक्टिविटी की मदद से, इस सर्जरी को असाधारण सटीकता और नियंत्रण के साथ पूरा किया गया। इस सफलता ने दुनिया के सामने 'क्रॉस-बॉर्डर रिमोट सर्जरी' की विश्वसनीयता और क्लिनिकल सक्षमता का लोहा मनवाया है। यह क्रांतिकारी उपलब्धि अस्पताल के भविष्य के लिए तैयार और सशक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण ही संभव हो सकी है। कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, भारत का अग्रणी 'सेंटर फॉर रोबोटिक सर्जरी' का केंद्र है और देश की पहली 'मेडबॉट तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम' भी यहां है। तीन अत्याधुनिक रोबोटिक प्लेटफॉर्म्स से लैस यह अस्पताल, मल्टी-डिसिप्लिनरी रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में देश का नंबर-1 निजी चिकित्सा केंद्र बनकर उभरा

है।कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल्स के यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी (ग्रुप) डायरेक्टर, डॉ. टी. बी. युवराजा ने—जिनके पास 4200 से भी ज़्यादा रोबोटिक सर्जरी का अनुभव है—इस ऐतिहासिक सफलता पर कहाः "आज हम वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के वितरण में एक बुनियादी और क्रांतिकारी बदलाव के साक्षी बन रहे हैं। सीमाओं के पार 'रियल-टाइम' में सर्जरी करने की क्षमता का सीधा अर्थ है कि अब बेहतरीन चिकित्सा विशेषज्ञता तक पहुँच भौगोलिक दूरियों की मोहताज नहीं रही। यह मील का पत्थर महज एक सफल ऑपरेशन नहीं है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि भविष्य की स्वास्थ्य सेवाएँ भौतिक सीमाओं को कितनी तेजी से लांघ रही हैं। जैसे-जैसे तकनीक हमें सात समंदर पार भी सटीक उपचार पहुँचाने में सक्षम बना रही है, भारत इस महा-परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब हम केवल इलाज के एक डेस्टिनेशन ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर 'रियल-टाइम' मेडिकल विशेषज्ञता प्रदान करने वाले एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।"कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ, डॉ. संतोष शेट्टी ने इस गौरवशाली उपलब्धि पर कहाः "यह विकास अस्पताल के तकनीकी नेतृत्व और रिमोट रोबोटिक सर्जरी में हमारी पिछली सफलताओं की अगली कड़ी है, जो मेडिकल इनोवेशन के क्षेत्र में हमारी अग्रणी स्थिति को और भी मजबूत करता है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल और डॉ. युवराजा आधुनिक 'टेलीसर्जरी' की सीमाओं को लगातार नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं—इस बार भारत की सशक्त क्लिनिकल क्षमताओं का विस्तार मस्कट के एक कैंसर रोगी तक किया गया है।

दुनिया भर की स्वास्थ्य प्रणालियाँ आज विशेषज्ञता और सुलभता के बीच की खाई को पाटने की कोशिश कर रही हैं। ऐसे में यह उपलब्धि एक बड़े बदलाव का शंखनाद है—एक ऐसा भविष्य जहाँ भौगोलिक दूरियाँ बेमानी होंगी, इलाज हर किसी की पहुँच में होगा और भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने में सबसे अग्रणी भूमिका निभाएगा।"

यह पूरी प्रक्रिया केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (**CDSCO**) के दिशा-निर्देशों सहित सभी विनियामक ढांचों के पूर्ण अनुपालन में संचालित की गई। इसमें सुरक्षा, नैतिकता और क्लिनिकल गवर्नेंस के उच्चतम मानकों का कड़ा पालन सुनिश्चित किया गया। 'मेडबॉट तौमाई रिमोट रोबोटिक सर्जरी सिस्टम' के जरिए संपन्न की गई यह 'रेडिकल नेफरेक्टोमी', भारत में सीमा-पार क्लिनिकल एप्लिकेशन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक अध्याय है। नियमों और मानकों का यह सटीक तालमेल अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब रिमोट सर्जरी महज एक तकनीकी चमत्कार नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर अपनाए जाने वाले एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा समाधान के रूप में उभर रही है।

यह उपलब्धि केवल एक तकनीकी चमत्कार ही नहीं है, बल्कि इसके प्रभाव अत्यंत दूरगामी और व्यापक हैं। भारत, जिसे लंबे समय से 'मेडिकल टूरिज़म' के वैश्विक केंद्र के रूप में पहचाना जाता रहा है, अब भौगोलिक सीमाओं के पार 'रियल-टाइम' चिकित्सा विशेषज्ञता प्रदान करने वाले एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर रहा है। अब उन्नत उपचार पाने के लिए मरीजों को सात समंदर पार सफर करने की मजबूरी नहीं होगी; बल्कि भारतीय डॉक्टर दुनिया भर के मरीजों तक डिजिटल माध्यम से खुद पहुँच रहे हैं। इससे न केवल इलाज में होने वाली देरी कम होगी और लॉजिस्टिक चुनौतियाँ घटेंगी, बल्कि विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं तक वैश्विक पहुँच भी और अधिक सुलभ हो सकेगी।

इस क्रांतिकारी बदलाव के केंद्र में 'मरीज प्रथम' का दृष्टिकोण है। मरीजों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा की जटिलताओं के बिना विशेषज्ञ सर्जिकल उपचार प्रदान करना न केवल उनकी सुविधा बढ़ाता है, बल्कि त्वरित उपचार और बेहतर परिणामों की संभावनाओं को भी जन्म देता है। यह 'सीमा-रहित स्वास्थ्य सेवा' के उस सशक्त युग की शुरुआत है, जहाँ दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर शारीरिक उपस्थिति की अनिवार्यता के बिना, कहीं भी और कभी भी जीवन रक्षक सर्जरी कर सकेंगे।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के लिए थोक एलपीजी आवंटन का विस्तार किया

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आपूर्ति की बदलती परिस्थितियों के बीच औद्योगिक उपयोग के लिए लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की निरंतर और स्थिर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक आदेश जारी किया है।

भारत सरकार के सभी सचिवों और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को जारी किए गए एक पत्र में, मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने कहा कि फार्मा, फ़ूड प्रोसेसिंग, पॉलिमर, कृषि, पैकेजिंग, पेंट, स्टील, मैटल, सेरेमिक, ग्लास, एयरोसोल, फाउंड्री, फोर्जिंग, भारी जल, यूरेनियम और बीज क्षेत्रों में सक्रिय औद्योगिक इकाइयों को मार्च 2026 से पहले की उनकी थोक एलपीजी खपत का 70 फीसदी हिस्सा मिलेगा, बशर्ते कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रतिदिन 0.2 टीएमटी की ऊपरी सीमा लागू हो। यह 16 से 27 मार्च के बीच हुए कम्युनिकेशन पर आधारित है, जिसमें अतिरिक्त 10 फीसदी हिस्सा 'पाइप्ड नेचुरल गैस' (पीएनजी) सुधार के लक्ष्यों से जोड़ा गया है। यह दृष्टिकोण एलपीजी के संतुलित वितरण को सुनिश्चित करता है, और साथ ही वैकल्पिक ईंधन के बुनियादी ढांचे की ओर बढ़ने में भी मदद करता है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि जिन उद्योगों में एलपीजी निर्माण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण और जिसका कोई विकल्प नहीं है, उन्हें आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे क्षेत्रों के लिए, पीएनजी कनेक्टिविटी के लिए आवेदन की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि निर्धारित शर्तों का पालन करते हुए भी औद्योगिक संचालन पर कोई प्रभाव न पड़े।मंत्रालय ने उन उद्योगों के बीच भी स्पष्ट अंतर किया है जो ईंधन के रूप में एलपीजी का उपयोग करते हैं, और समय के साथ पीएनजी पर स्थानान्तरित हो सकते है। साथ ही वे उद्योग जिनके लिए एलपीजी मैनुफैक्चरिंग में अनिवार्य हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दोनों ने ही पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद, घरेलू एलपीजी की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इसी दिशा में, सरकार ने बढ़ती कीमतों का बोझ खुद उठाने का निर्णय लिया है; इसके लिए वह तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के माध्यम से लागत को समायोजित कर रही है और घरेलू उत्पादन को बढ़ा रही है, ताकि कीमतों का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर न पड़े।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी सलाह दी गई है कि वे 'प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन और अन्य सुविधाएं) आदेश, 2026' के प्रावधानों को सभी संबंधित हितधारकों तक पहुंचाएं, सुधारों से जुड़े अतिरिक्त एलपीजी आवंटन का तुरंत उपयोग करें, और पहले सूचित की गई सीबीजी नीति की अधिसूचना जारी करने में तेजी लाएं; ये सभी कदम ऊर्जा की पहुंच और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों के अनुरूप हैं।भारत अपनी 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है, और इसका लगभग 90 फीसदी हिस्सा आम तौर पर होर्मुज़ से होकर गुज़रता है। इस मार्ग पर तनाव बढ़ने के कारण मासिक आयात जो फरवरी में 2.04 मिलियन टन था वह मार्च में घटकर 1.12 मिलियन टन रह गया, यानी 30 दिनों के भीतर 45 फीसदी की भारी गिरावट देखी गई।

चांदी 7,800 रुपए टूटी और सोना 1,500 रुपए कमजोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 7,800 रुपये घटकर 2.43 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि सोना 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। ऐसा पश्चिम एशिया में युद्धविराम के टिकने को लेकर चिंताओं के बीच निवेशकों द्वारा की गई मुनाफावसूली के कारण हुआ। अखिल भारतीय सराफा संघ के

अनुसार, चांदी बुधवार के 2,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 7,800 रुपये या 3.10 प्रतिशत घटकर 2,43,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1,500 रुपये या करीब एक प्रतिशत घटकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। पिछले बाजार सत्र में सोने की कीमत 1,56,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता के कारण कीमती धातुओं में बिकवाली का दबाव देखा गया, जिससे निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज़ में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई, जिससे पिछले सत्र की ज्यादातर बढ़त लुप्त हो गई, क्योंकि निवेशकों ने पश्चिम एशिया में युद्धविराम का फिर से मूल्यांकन किया।''

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लि.
कार्यालय-कार्यपालन अभियंता (अति. उच्च दाब निर्माण) संभाग
नयागांव, रामपुर, जबलपुर-482008

आम सूचना

क्रमांक-कार्य.अभि./अउदा:निर्माण/48 दि. 09.04.2026

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा 220 के.व्ही. जबलपुर-नरसिंहपुर लाइन के दोनों सर्किट को 765 के.व्ही. उपकेन्द्र भेड़ाघाट (पी.जी.सी.आई.एल.) में लिलो का निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसमें से जबलपुर जिले की तहसील शहपुरा के ग्राम लम्हेटी, इमलिया, डुडवारा, ललपुर, खैरी (हीरापुर बंधा) एवं ग्वारी इत्यादि ग्रामों के आसपास के क्षेत्रों से होकर गुजर रही, लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उक्त विद्युत पारेषण लाइन में **दिनांक 10.04.2026 के पश्चात** कभी भी विद्युत प्रवाह चालू किया जा सकता है। उक्त लाइन के आसपास रहने वाले सभी ग्रामवासियों/संबंधितों को सूचित किया जाता है कि उक्त लाइन से किसी भी प्रकार की छेड़खानी न करें, टॉवरों से कोई भी पशु इत्यादि न बाँधें एवं लाइन के नीचे फसलों का भण्डारण एवं निवास न करें अन्यथा किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर की कोई भी जवाबदारी नहीं होगी।

म.प्र. माध्यम/125276/2026 कार्यपालन अभियंता (अउदानि.)

वन रक्षक एवं क्षेत्र रक्षक (कार्यपालिक) एवं जेल विभाग के अंतर्गत जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक (कार्यपालिक) पदों की सीधी भर्ती परीक्षा-2026 के संबंध में संशोधित सूचना

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, सतुपड़ा भवन, भोपाल के पत्र क्रमांक/प्रशा./II/क्षे.स्था.2/1333 भोपाल दिनांक 02 अप्रैल 2026 के अनुसार अनूसचित जाति श्रेणी के पदों को जोड़कर अद्यतन आरक्षण तालिका प्रदान की गई है। जिसको नियम पुस्तिका में समाहित कर संबंधित पृष्ठ मण्डल की अधिकारिक वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर अपलोड की गई है।

उपरोक्तानुसार परीक्षा हेतु उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे। संशोधित जानकारी मण्डल की अधिकारिक बेवसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने एवं संशोधन की तिथियां यथावत रहेंगी।

विज्ञापन क्रमांक 03/2026 **संचालक**

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट)
भोपाल-462011, Fax : +91-0755-2550498, Web.: www.esb.mp.gov.in
म.प्र. माध्यम/125288/2026

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
मोतीबाग, नागपुर में क्रेन्स की CAMC के लिए ई-निविदा सूचना

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, MIBW, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित है:

निविदा सूचना संख्या: MIBW-2025-19-06-03-06R दिनांक: 28.03.2026
कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप में स्थापित 10 EOT क्रेन्स और 06 पिलर माउंटेड जिब क्रेन्स का 03 साल की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,62,14,145/- (रु. एक करोड़ बासठ लाख चौदह हज़ार एक सौ पैंतालीस मात्र), सभी करों सहित),
बयाना राशि: ₹ 3,24,300/- (रु. तीन लाख चौबीस हजार तीन सौ मात्र), **अनुबंध की अवधि:** 03 (तीन) वर्ष,
निविदा प्रपत्र मूल्य: ₹ 0 (शून्य)।
निविदा जमा करना: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दिनांक **20.04.2026** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है व इन्हे अस्वीकार कर दिया जाएगा। प्राप्त सभी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सहायक कार्यशाला प्रबंधक,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
मोतीबाग, नागपुर
MS/03-10

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 6191

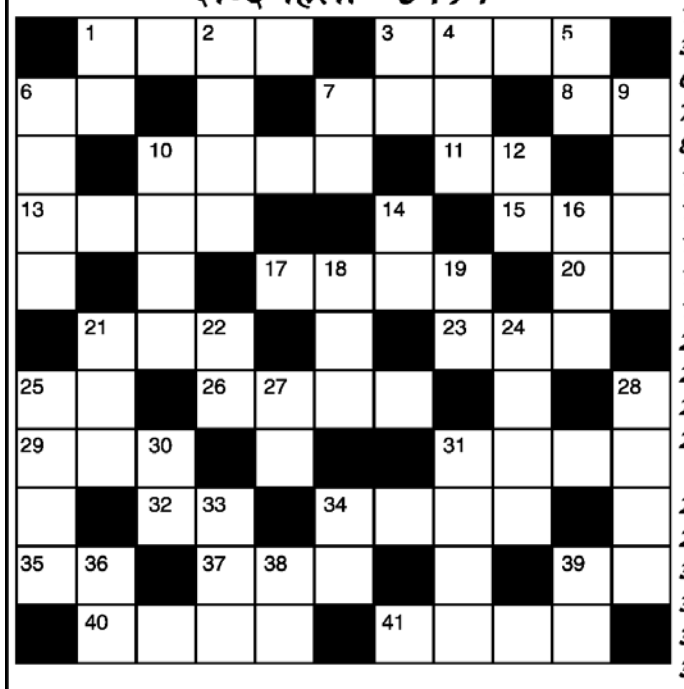

बाएँ से दाए
1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6190 का हल

प	व	न	कु	मा	र	■	म	क	ब	रा
ला	न	■	त	■	स	ली	का	■	स	त
य	■	प	र	वा	ना	■	न	न	■	दि
न	का	र	ना	■	■	क	■	म	हा	न
वा	■	ख	■	स	ह	ल	ज	■	ज	■
दी	वा	ना	प	न	■	प	र	व	री	श
■	जि	■	र	स	ले	ना	■	न	■	री
ग	ब	न	■	नी	■	■	अ	था	न्त	र
ज	■	शा	न	■	आ	ब	नू	स	■	र
रा	ज	■	ज	टा	यु	■	रू	■	क	क्ष
ज	ल	च	र	■	ध	मों	प	दे	श	क

सूडोकु नवताल - 6201

मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6200 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

MANGAL SENACHA BANGALORE

शैल को स्कूल जाते समय गिलहरी का एक प्यारा-सा बच्चा मिल गया। वह उसे अपने साथ स्कूल ले आया। क्लास के बच्चों ने जब ए, बी, सी और वन, टू, थ्री गाकर सीखा तो गिलहरी के बच्चे ने भी एल्फाबेट और काउंटिंग रट ली। इसके बाद जो हुआ, बहुत ही मजेदार रहा!

पढ़ने लगा गिलहरी का बच्चा!

गुजराती कहानी

पुष्पा अंताणी

एक गिलहरी थी। वह अपने नन्हे से बच्चे के साथ रहती थी। गिलहरी को सुबह से लेकर शाम तक दौड़ती हुई देखकर बच्चे ने उससे कहा, 'मां, तुम सारा दिन दौड़ती रहती हो, तो क्या तुम थकती नहीं हो?'

मां बोली, 'क्या करूं, बेटा! दौड़ना तो पड़ेगा ही ना! मैं यदि दौड़ूंगी नहीं, आराम से बैठी रहूंगी तो फिर हम खाएंगे क्या?'

बच्चे ने कहा, 'मां, क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद करूं?'

गिलहरी ने प्यार से जवाब दिया, 'नहीं, तुम अभी बहुत छोटे हो, पहले तुम बड़े हो जाओ, बाद में मेरी मदद करना। जाओ, अभी तो तुम बाहर जाकर खेलो।'

बच्चा खेलने के लिए बाहर दौड़ गया। वहां स्कूल जा रहे नन्हे-मुन्ने शैल की नजर एक पेड़ के तने के पास खेल रहे इस गिलहरी के बच्चे पर पड़ी। उसे वह बच्चा बहुत पसंद आ गया। वह चुपके-चुपके, लुकते-छिपते उसके पास आया ताकि गिलहरी के बच्चे को पता नहीं चले, फिर उसे पकड़ लिया। बच्चा भी बहादुर था, पर शैल ने उसे अचानक ही पकड़ा था, वह कांपने लगा। बच्चे को कांपता देखकर शैल समझ गया कि वह डर गया है। इसलिए वह बच्चे को प्यार से अपने हाथों से सहलाते हुए बोला, 'तुम मुझसे बिल्कुल डरना मत। मैं तुम्हें जरा भी परेशान नहीं करूंगा। मैं तो तुम्हारा दोस्त हूं।'

गिलहरी के बच्चे ने कहा, 'क्या तुम मेरे साथ खेलोगे?' 'हां, मैं तुम्हारे साथ जरूर खेलूंगा, पर अभी तो मैं स्कूल जा रहा हूं। तुम मेरे साथ चलोगे?' शैल ने पूछा।

गिलहरी का बच्चा शैल के साथ स्कूल जाने के लिए तैयार हो गया। शैल ने तुरंत उस बच्चे को बस्ते के अगले वाले खाने में रख दिया, उसके बाद वह स्कूल आ गया। उसका कोई दोस्त बच्चे को देखे, उससे पहले गिलहरी के बच्चे को क्लास की खिड़की के पास बैठाकर कहा, 'तुम यहीं बैठे रहना, आराम से सब कुछ देखते रहना।'

कुछ देर बाद टीचर आए। सभी बच्चों को गा-गा कर पढ़ाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फिर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।' बच्चे भी उसी प्रकार ऊंची आवाज में बोलने लगे। कुछ देर बाद दूसरे टीचर आए। बच्चों को वह 'वन, टू, थ्री, फोर, फाइव' पढ़ाने लगे। बच्चे भी उसी तर्ज पर ऊंची आवाज में गाकर बोलने लगे। गिलहरी का बच्चा यह सब देख रहा था और सुन रहा था। वह भी अपने होंठ फड़फड़ा कर कुछ बोल रहा था। कुछ देर बाद इंटरवल हुआ। सभी बच्चे लंच करने लगे। कोई देख न ले, इसलिए शैल छिपता हुआ खिड़की के पास पहुंचा। उसने देखा कि गिलहरी का बच्चा बहुत खुश था। उस बच्चे को शैल ने अपने टिफिन में से कुछ खिलाया और खुद भी खाना खाया। बच्चे को बड़ा मजा आया। वह कूदने-फुदकने लगा। इससे शैल के सभी मित्रों को पता चल गया कि उनकी क्लास में गिलहरी का बच्चा आया हुआ है। सारे इकट्ठा हो गए, गिलहरी के बच्चे को खिलाने लगे। शैल ने अपने दोस्तों से कहा, 'कोई उसे तंग नहीं करना।' क्लास के सभी बच्चे मिलकर खूब खेले, मजे किए। बाद में पढ़ने के लिए बैठ गए। गिलहरी का बच्चा भी पुनः खिड़की के पास बैठ गया।

स्कूल में छुट्टी होने पर सब अपने-अपने घर जाने लगे। रास्ते में उस पेड़ के पास पहुंचने पर शैल ने गिलहरी के बच्चे से कहा, 'क्या तुम मेरे घर चलोगे?'

बच्चा बोला, 'मेरी मां, मेरा रास्ता देख रही होगी। मैं अभी तो जाऊंगा, शाम को खेलने के लिए आऊंगा।'

शैल ने कहा, 'मैं इसी जगह तुम्हारा इंतजार करूंगा।'

बच्चा तो दौड़ता हुआ अपनी मां के पास चला गया। मां ने उसे देखते ही पूछा, 'कहां था तू इतनी देर से? मुझे तेरी बहुत चिंता हो रही थी। क्या कर रहा था तू?' बच्चा मां को जवाब देने के बजाय ऊंची-ऊंची आवाज में गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

मां तो अपनी आंखें फाड़े अपने बच्चे को देखती ही रह गई। वह बोली, 'तुम यह क्या बोल रहे हो? मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा है।'

बच्चा तो फिर आगे गाने लगा, 'वनटू.थ्री.फोर फाइव., सिक्स., सेवन., ऐट., नाइन., टेन.!' यह सुनकर गिलहरी घबरा गई। उसने सोचा कि उसके बच्चे को किसी ने कुछ कर दिया है या फिर वह पगला गया है।

सभी इमेज: एआई

मां बच्चे को बगल वाले पेड़ पर रह रहे कौए के पास लेकर गई, उससे बोली, 'कौआ भाई! देखो तो मेरे बच्चे को कुछ हो गया है। मैं उसे जो कहती हूं, वह उसकी समझ में नहीं आ रहा। वह ना जाने क्या बोल रहा है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है! आप जरा देखिए तो, कुछ आपकी समझ में आ रहा है?'

कौए ने बच्चे से कहा, 'क्यों क्या हुआ है तुम्हें?'

बच्चा तुरंत गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।' थोड़ी सांस लेकर फिर बोलने लगा,'वनटू थ्री फोर फाइव सिक्स सेवन ऐट नाइन टेन।'

कौआ चौंका, 'अरे बाप रे! इसे तो कुछ हो गया है। पास में ही रह रहे बंदर वैद्य को दिखाओ, तब पता चलेगा इसे क्या हुआ है?' गिलहरी तुरंत बच्चे को लेकर बंदर वैद्य के पास गई। उससे बोली, 'बंदर वैद्य जी, देखिए तो मेरे बच्चे को क्या हो गया है? उसे जल्दी-जल्दी अच्छा कर दीजिए!' बंदर वैद्य ने बच्चे को जांचा। वह तो चुस्त-दुरुस्त ही था। उसने बच्चे से पूछा, 'तुम्हें क्या हुआ है?'

बच्चा तुरंत गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

यह सुनकर बंदर वैद्य बोला, 'ओ मां! यह तुम क्या बोल रहे हो?'

बच्चा फिर से वही बोलने लगा, 'वन टू थ्री फोर फाइव।' बंदर चिंतित होकर बोला, 'गिलहरी, तुम्हारी बात सही है। तुम्हारे बच्चे को सच में कुछ हो गया है!'

यह सुनकर गिलहरी रोने लगी। घर लौटते हुए रास्ते में जो भी मिलता, उससे अपने बच्चे को ठीक कर देने के लिए विनती करती। ऐसा करते हुए शाम हो गई। शाम हो जाने पर शैल को गिलहरी का बच्चा दिखाई नहीं दिया, तो वह उसे खोजने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में उसे उसके दोस्त भी मिले। सब मिलकर बच्चे को खोजने लगे। बच्चा तो कहीं नजर नहीं आया। तभी गिलहरी के बच्चे की दूर से आ रही आवाज सबने सुनी।

वह गा रहा था, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट।' पहले तो किसी की समझ में नहीं आया, लेकिन बाद में शैल की समझ में आ गया कि गिलहरी का बच्चा भी आज स्कूल से ऐसा बोलना सीख कर आया है। सब खुश हो गए और नाचते-कूदते, गाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

गिलहरी ने उनकी यह आवाज सुनी तो बोली, 'अरे, मेरा बच्चा भी ऐसा ही बोल रहा है!' गिलहरी के बच्चे ने भी शैल और उसके दोस्तों की आवाज सुनी तो वह दौड़कर उनके पास गया।

गिलहरी के बच्चे को देखकर सब खुशी से झूमने लगे और गाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, वन टू थ्री फोर फाइव!' गिलहरी का बच्चा भी सबके साथ नाचता जाता और गाता जाता। गिलहरी, कौआ, बंदर और अन्य प्राणी फटी आंखों से यह तमाशा देखते ही रहे। *

हिंदी अनुवाद : रजनीकांत एस. शाह

जीके क्विज-200

1. उत्तर भारत का पहला ग्लास ब्रिज किस स्थान पर बनाया जाएगा?
2. दुनिया की पहली डिजिटल जनगणना किस देश में शुरू की गई है?
3. पानीपत की दूसरी लड़ाई किसके बीच हुई थी?
4. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं?
5. प्रसिद्ध प्राचीन ग्रंथ 'मुद्राराक्षस' के रचयिता कौन हैं?
6. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहां स्थित है?
7. कौन-सा ग्रह सबसे कम समय में सूर्य का चक्कर लगाता है?
8. कौन-सा विटामिन आंखों के लिए सर्वाधिक लाभदायक होता है?
9. स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री कौन थे?
10. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन-सा है?

बच्चो, जीके क्विज-200 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-199 का उत्तर: 1. आरसीबी, 2. छत्तीसगढ़, 3. 18 अप्रैल, 4. देहरादून, 5. सिकंदर लोदी, 6. पंजाब, 7. विटामिन बी और विटामिन सी, 8. वुलर झील, 9. जोधपुर, 10. भारत-पाकिस्तान

जीके क्विज-199 का सही उत्तर देने वाले: कबीर-हिसार, अनुभव-राजनांदगांव, सचिन-दुर्ग, रमेश-बैकुंठपुर, कविता-रायपुर, तनिष्क-रोहतक, कोमल-बिलासपुर, रचित-महासमुंद, आकाश-बलौदा बाजार, कनिका-बालोद

हंसगुल्ले

अजयः यार, आजकल मुझे रात को ठीक से नींद नहीं आती। क्या तुम्हें अच्छी नींद आती है?

विजयः हां, मैं तो 'घोड़े बेचकर' सोता हूं।

अजयः अच्छा! तो तुमने अब तक कितने घोड़े बेच दिए?

-नैतिक, दिल्ली

रोहनः क्या जुबान के भी पैर होते हैं?

सोहनः नहीं।

रोहनः फिर मम्मी क्यों कहती है कि तेरी जुबान दिन भर चलती रहती है?

-काव्या, जबलपुर

राजू, सोनू और मोनू, तीनों एक ही साइकिल पर जा रहे थे। एक ट्रैफिक पुलिस वाले अंकल ने उन्हें रोक लिया।

राजूः सॉरी अंकल, हमारी साइकिल पर और जगह नहीं है। प्लीज, आप किसी और से लिफ्ट ले लें। **-जतिन, रायपुर**

वनस्पति जगत

नयनतारा

बच्चो, जंगलों में बहुत ही विशाल और अनोखे पेड़ पाए जाते हैं। इनमें एक पेड़ है जायंट सिकोइया। इसे 'जंगल का पिता' कहा जाता है। जानो, इस अनोखे पेड़ के बारे में।

जंगल का पिता कहलाता है विशाल-अनोखा पेड़ जायंट सिकोइया

बच्चो, पेड़ एक तरह से पृथ्वी के फेफड़े होते हैं, क्योंकि वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं ताकि हम सांस लेकर जिंदा रह सकें। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर 3 ट्रिलियन से अधिक पेड़ हैं। पेड़ों का भी अनोखा आश्चर्यजनक संसार है, दुनिया भर में एक से बढ़कर एक अनोखे पेड़ पाए जाते हैं। एक पेड़ तो ऐसा था, जो करीब 2,000 साल तक जीवित रहा। उस पेड़ का तना इतना बड़ा था कि उसके बीच से होकर बनाए गए रास्ते में से घुड़सवार भी निकल सकते थे। उस पेड़ का नाम-जायंट सिकोइया था। इस प्रजाति के पेड़ आज भी दुनिया में मौजूद हैं।

इसलिए कहते हैं जंगल का पिताः जायंट सिकोइया के पेड़ पूरे जंगल की क्षमता और ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रारंभिक दौर के मूल जायंट सिकोइया के जो अवशेष मिले हैं, उससे पता चलता है कि वह 400 फीट से अधिक ऊंचा रहा होगा, प्राकृतिक संसार पर यह राजा की तरह राज करता होगा। प्रकृति का रियल लीजेंड है जायंट सिकोइया, इसलिए इसे 'जंगल का पिता' कहते हैं।

अब भी मौजूद हैं इस प्रजाति के पेड़ः बच्चो, सबसे पुराने जायंट सिकोइया के वृक्ष तो अब नष्ट हो चुके हैं। लेकिन इस प्रजाति के वृक्ष आज भी

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में सिएरा नेवादा पर्वत श्रृंखला के ढलानों पर धुंध भरे वातावरण में उगते हैं। ये पेड़ 900 से 2,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ग्रोव्स (उपवनों), विशेष रूप से सिकोइया नेशनल पार्क, किंग्स कैन्यन नेशनल पार्क और कैलावेरस बिग ट्रीज स्टेट पार्क में पाए जाते हैं।

आग में भी रहते हैं सुरक्षितः जायंट सिकोइया पेड़ की छाल लगभग दो फीट मोटी होती है, इनमें कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं पाया जाता है, जिससे ये पेड़ जंगल की आग जैसी आपदाओं में भी बचे रह जाते हैं। कई बार तो जंगल की आग इस पेड़ के लिए फायदेमंद साबित होती है। बच्चो, जायंट सिकोइया के बीज इस पेड़ की शाखाओं पर उगने वाले शंकु (कोन) के अंदर पाए जाते हैं। ये कोन पेड़ पर लगभग 20 साल तक लटके रहते हैं। जंगल की आग की गर्मी में इनके कोन सूख जाते हैं और ओटमील के दाने जैसे छोटे-छोटे बीजों को मिट्टी में छोड़ देते हैं, जिससे जायंट सिकोइया के नए पेड़ पनपते हैं।

पी जाता है डेली 300 गैलन पानीः एक पूरा विकसित जायंट सिकोइया का पेड़ दिनभर में लगभग 300 गैलन पानी पी जाता या जमीन से सोख लेता है। यह पेड़ काफी विशाल तो होता है, पर इसकी जड़ें काफी गहराई तक नहीं पहुंच पाती हैं। इसकी जड़ें सिर्फ 6 से 12 फीट गहराई तक ही जा पाती हैं। ऐसे में इस विशाल पेड़ को संतुलित रखने के लिए इसकी जड़ें चौड़ाई में फैल जाती हैं।

आयु होती है हजारों वर्षः जायंट सिकोइया पेड़ की आयु हजारों वर्ष की हो सकती है। यह पेड़ अधिक पुराने होने या किसी पादप-रोग से नहीं नष्ट होते, बल्कि कई बार अपनी विशालता, वजन और असंतुलन की वजह से गिर पड़ते हैं। *

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

बैसाखी त्योहार अनोखा

बैसाखी त्योहार अनोखा
जोश जगाता है,
बच्चों, बड़ों और बूढ़ों के
मन को भाता है।
बोई हुई फसल खेतों की
पककर कट जाती,
खाली खलिहानों में दानों
की बहार आती,
मजदूरों के श्रम का पूरा
मोल चुकाता है।
नई तरह की मस्ती छाए
पांव थिरक उठते,
घोर निराशाओं के बादल
राहों में लुटते,
जीवन का संगीत सुहाना
खूब सुनाता है।
दिशा-दिशा में मुस्कानों की
एक लहर आए,
अपनेपन की खुशबू से जग
सारा भर जाए,
जो हो गए दूर थे उनको
पास बुलाता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

चार दोस्तों की रोमांचक कहानी

बच्चो, तुमको सुपरहीरोज की कॉमिक स्टोरीज पढ़ने में बहुत मजा आता होगा। इन हीरोज के पास तो सुपर पॉवर होती हैं। इसलिए वे कठिन से कठिन काम भी आसानी से कर लेते हैं। लेकिन इस नॉवेल 'धमाल चौकड़ी और रावण टेकड़ी का रहस्य' में तुम्हारे जैसे ही चार सामान्य बच्चों की कहानी है, जिनके पास कोई सुपर पावर नहीं है। लेकिन फिर भी चारों दोस्त ध्रुव, किट्टू, एकांश और युग किस बहादुरी, साहस और समझदारी से घने जंगल के बीच स्थित एक पुराने खजाने का पता लगाते हैं, इसे पढ़कर तुम रोमांच से भर उठोगे।

कहानी की शुरुआत होती है, जब ध्रुव दिल्ली से अपने मामा के घर रामपुर पहुंचता है। वहां उसकी दोस्ती पड़ोस में रहने वाली नटखट किट्टू और जुड़वा भाई युग और एकांश से होती है। वे साथ में खेलते, मस्ती करते हैं। इसी बीच उन्हें रावण टेकड़ी के प्राचीन खजाने से जुड़े नक्शे के बारे में पता चलता है। फिर चारों कैसे वहां तक पहुंचते हैं, उनके सामने कैसी चुनौतियां आती हैं और वे कैसे उनका सामना करके अपने लक्ष्य को पाते हैं, यह जानने के लिए तुमको यह किताब पढ़नी होगी। बच्चो, नॉवेल रहस्य-रोमांच से भरा है, पढ़कर तुम्हें मजा आएगा। *

किताबः धमाल चौकड़ी और रावण टेकड़ी का रहस्य, **लेखकः** मिथिलेश गुप्ता, **मूल्यः** 249 रुपए, **प्रकाशकः** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, दिल्ली

रंग भरो-199

रंग भरो-199 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

श्रेया, दुर्ग

डॉली, दुर्ग

आशुतोष, उमरिया

त्रियांश, धमतरी

रुपाली, बिलासपुर

आशना, जांजगीर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

काशवी-रायपुर, माही-महासमुंद, रायशा-बिलासपुर, शैलेश-राजनांदगांव, उमंग-खैरागढ़, रुपाली-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, असित-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सुरभि-करनाल, कुसुम-कोरबा

रंग भरो 200

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में दो बच्चे झूला झूल रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को पहली बार नहीं चौथी बार मिली 1 रन से हार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 14वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 1 रन करीबी हार का सामना करना पड़ा। अरुण जेटली स्टेडियम में हुए मैच में जीटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210/4 का स्कोर बनाया था। जवाब में डीसी की टीम 209/8 का स्कोर ही बना सकी। डीसी को आईपीएल इतिहास में 4 चौथी बार 1 रन से हार मिली है, जो सर्वाधिक है।

सीएसके के खिलाफ 2015 में पहली हार

डीसी को आईपीएल इतिहास में अपनी 1 रन से पहली हार 2015 में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मिली थी। उस संस्करण के 9वें मुकाबले में सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ड्वेन स्मिथ (34) और फाफ डु प्लेसिस (32) की पारियों से 150/7 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसी की टीम एल्बी मोर्कल (73) की अर्धशतकीय पारी के बाद भी 9 विकेट के नुकसान पर 149 रन ही बना पाई थी।

गुजरात के खिलाफ 2016 में दूसरी हार

डीसी को आईपीएल इतिहास में अपनी 1 रन से दूसरी हार आईपीएल 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ मिली थी। उस संस्करण के 23वें मुकाबले में जीएल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रेंडन मैकुलम (60) और ड्वेन स्मिथ (52) की अर्धशतकीय पारियों से 172/6 का स्कोर खड़ा किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसी क्रिस मॉरिस (82) और जेपी डुमिनी (48) की पारियों के बाद भी 5 विकेट के नुकसान पर 171 रन ही बना पाई थी।

आरसीबी के खिलाफ 2021 में तीसरी हार

डीसी को आईपीएल इतिहास में अपनी 1 रन से तीसरी हार 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली थी। उस संस्करण के 22वें मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एबी डिविलियर्स (75) और रजत पाटीदार (31) की पारियों के दम पर 171/5 का स्कोर खड़ा किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसी की टीम ऋषभ पंत (58) की अर्धशतकीय पारी के बाद भी 4 विकेट के नुकसान पर 170 रन ही बना पाई थी।

गुजरात टायटंस के खिलाफ 2026 में चौथी हार

दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल इतिहास में अपनी 1 रन से चौथी हार वर्तमान में यानी 2026 में जीटी के खिलाफ मिली है। इस संस्करण के 14वें मुकाबले में जीटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल (70), वाशिंगटन सुंदर (55) और जोस बटलर (52) की पारियों के दम पर 210/4 का स्कोर खड़ा किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसी की टीम केएल राहुल (92*) की अर्धशतकीय पारी के बाद भी 8 विकेट के नुकसान पर 209 रन ही बना पाई।

खबर संक्षेप

दादरा-नगर हवेली, यूपी व पंजाब सब जूनियर राष्ट्रीय हॉकी में जीते

राजगीर (बिहार)। पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने बृहस्पतिवार को यहां 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में डिवीजन 'ए' क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते। दिन के पहले मैच में दादरा और नगर हवेली तथा दम और दीव ने चंडीगढ़ को 2-1 से हराया। दूसरे क्वार्टर फाइनल में पंजाब ने झारखंड को 5-3 से शिकस्त दी। तीसरे क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 6-3 से हराया। दिन के अंतिम मैच में मध्य प्रदेश और हरियाणा ने गोल रहित ड्रॉ खेला जिसके बाद मध्य प्रदेश ने शूट आउट में 4-3 से जीत दर्ज की।

मेदवेदेव ने बेरेत्तिनी से हार के बाद रैकेट सात बार फेंका

मोनाको। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में मातेओ बेरेत्तिनी से 6-0, 6-0 से मिली हार के बाद अपना रैकेट सात बार लाल क्लेकोर्ट पर फेंका। इस समय दसवीं रैंकिंग पर काबिज मेदवेदेव 49 मिनट में मुकाबला हार गए। उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किये जबकि बेरेत्तिनी ने एक भी नहीं किया। मेदवेदेव इस साल क्ले पर अपना पहला मैच खेल रही थी। उन्होंने हाल ही में इंडियन वेल्स में हार्डकोर्ट पर शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज को हराया था।

खालिन ने कायम की आंध्र ओपन में तीन शॉट की बढ़त

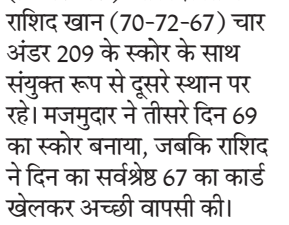

विशाखापत्तनम। खालिन जोशी ने एक अंडर 70 का कार्ड खेल बृहस्पतिवार को यहां आंध्र ओपन 2026 के तीसरे दौर के बाद कुल सात अंडर 206 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर तीन शॉट की बड़ी बढ़त कायम कर ली है। बेंगलुरु के 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाली इस प्रतियोगिता के शुरुआती दो दौर में समान 68-68 के कार्ड खेले थे। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई में छह बार के इस विजेता खिलाड़ी के पास अब चार साल के खिताबी सूखे को खत्म करने का अच्छा मौका है। उन्होंने अपना पिछला खिताब अगस्त 2022 में कोयंबतूर में जीता था। यश-राशिद संयुक्त दूसरे स्थान पर दुबई के यश मजमुदार (71-69-69) और दिल्ली के राशिद खान (70-72-67) चार अंडर 209 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। मजमुदार ने तीसरे दिन 69 का स्कोर बनाया, जबकि राशिद ने दिन का सर्वश्रेष्ठ 67 का कार्ड खेलकर अच्छी वापसी की।

मुकाबला आज गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में रात 7:30 बजे से

आज होगी राजस्थान और आरसीबी के बीच भिड़ंत, लगातार जीत से उत्साहित हैं दोनों टीमें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गुवाहाटी इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 16वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। दोनों ही टीमें लगातार मिल रहीं जीत के कारण उत्साहित हैं। इस मैच में देखना यह होगा कि कौन सी टीम अपनी जीत की लय को बरकरार रखती है और कौन जीत हासिल करने से चूकती है। आईपीएल के इस संस्करण में आरसीबी ने 2 मुकाबले खेले हैं और उसे दोनों ही मैच में जीत मिली है। वहीं, राजस्थान रायल्स ने रियान पराग की कप्तानी में 3 मुकाबले खेले हैं और उसने भी सभी मैचों में जीत दर्ज की है। ऐसे में एक जोरदार भिड़ंत देखने को मिल सकती है। आरआर और आरसीबी के बीच यह मुकाबला आज 10 अप्रैल को गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में रात 7:30 बजे से खेला जाएगा।

आरआर के खिलाफ आरसीबी का पलड़ा रहा है भारी

आईपीएल में दोनों टीमों के बीच अब तक 34 मुकाबले हुए हैं। इस दौरान आरसीबी ने 17 मैच अपने नाम किए हैं। राजस्थान रायल्स को 14 मुकाबलों में जीत मिली है। तीन मैच में नतीजा नहीं निकल पाया है। आईपीएल 2025 में दोनों टीमों के बीच 2 मैच हुए थे। उसे आरसीबी ने जीता था। पहला मैच उसने 9 विकेट और दूसरा मैच 11 रन से जीता था। वहीं, आईपीएल 2024 के दोनों मैच आरआर ने अपने नाम किया था।

टीमें इस प्रकार

आरसीबी : फिलिप सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, कृणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और जैकब डफी।
राजस्थान रायल्स : यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा।

कैसा होगी पिच?

गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच काली मिट्टी से बनी है और यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है। अमूमन यहां पर बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। गेंदबाजों को इस पिच पर ज्यादा मदद नहीं मिलती है। जिसके कारण उन्हें विकेट निकालने के एडी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। हालांकि, स्पिनर्स को थोड़ी मदद मिल सकती है। यहां पहली पारी का औसत स्कोर 198 रन का है, जबकि दूसरी पारी 180 रन है।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

आईपीएल 2026 में आरआर के यशस्वी ने 3 पारियों में 170 की स्ट्राइक रेट से 170 रन बनाए हैं। वैभव के बल्ले से 3 पारियों में 248.97 की स्ट्राइक रेट से 122 रन निकले हैं। वहीं आरसीबी के लिए पडिक्कल ने 55.50 की औसत से 110 रन बनाए हैं। कोहली के बल्ले से 97 की औसत से 97 रन निकले हैं। गेंदबाजी में आरआर के बिश्नोई ने 11.71 की औसत से 7 विकेट चटकाए हैं। इस संस्करण आरसीबी के डफी के खाते में 5 विकेट आए हैं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी ▶▶| मउलानबटोर (मंगोलिया)

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए। मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते। कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे।

'इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-3'

अनिमेष, हिमा सहित कई बड़े खिलाड़ी में लेंगे भाग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनिमेष कुजूर और हिमा दास की अगुवाई में कई बड़े एथलीट शनिवार को यहां होने वाली 'इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-3' में चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। इस आयोजन में खिलाड़ियों को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हाल ही में बिछाए गए मोंडो ट्रैक पर प्रदर्शन करने का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मिलेगा। तूर गोला फेंक प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे, क्योंकि इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में दो बार 20 मीटर से अधिक दूरी तक गोला फेंका है। अनिमेष सहित ये

खिलाड़ी भी ले रहे हैं भाग

अनिमेष कुजूर (पुरुष 100 मीटर और 200 मीटर) और हिमा (महिला 400 मीटर) के अलावा विशाल टीके (पुरुष 400 मीटर) और तेजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुष गोला फेंक) जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 2025 तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में चौथा स्थान हासिल करने वाले भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी चुनौती पेश करते हुए दिखेंगे। इन सभी खिलाड़ियों के नाम भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा जारी प्रविष्टि सूची में शामिल हैं, हालांकि अंतिम प्रतिभागियों की पुष्टि शुक्रवार को होगी।

खिलाड़ियों को मिलेगी दिग्गजों से चुनौतियां

पुरुष 100 मीटर में अनिमेष के लिए मुकाबला आसान नहीं होगा, क्योंकि पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुरिंदरवीर सिंह भी मैदान में होंगे। गुरिंदरवीर ने पिछले महीने भुवनेश्वर में आयोजित पहली राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप में 60 मीटर का स्वर्ण पदक जीता था। इस स्पर्धा के फाइनल में कुजूर को फॉल्स स्टार्ट के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। गुरिंदरवीर का 100 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 10.20 सेकंड है, जबकि अनिमेष का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.18 सेकंड है। विशाल अपनी मुख्य स्पर्धा 400 मीटर के साथ 200 मीटर में भी भाग लेंगे, जहां उनके सामने अनिमेष की चुनौती होगी।
नीरज चोपड़ा भी दिखेंगे मैदान में : दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के अलावा पुरुष भाला फेंक में लगभग सभी शीर्ष भारतीय खिलाड़ी भाग लेंगे। चोपड़ा इस समय विदेश में प्रशिक्षण ले रहे हैं। सचिन विश्व चैंपियनशिप में 86.27 मीटर के साथ चौथा स्थान हासिल करने के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में उतरेंगे, जहां उन्हें किशोर कुमार जेना, रोहित यादव, यशवीर सिंह, विक्रांत मलिक और शिवम लोखरे की चुनौती का सामना करना होगा।

धीमा ओवर फेंकने पर शुभमन पर लगा 12 लाख का जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह मामला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 अप्रैल को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले से जुड़ा है। इस रोमांचक मैच में जीटी ने डीसी को 1 रन से हरा दिया। यह इस सीजन में टीम का पहला ओवर-रेट अपराध था, जिसके चलते गिल पर कार्रवाई की गई।

पहला अपराध था इसलिए 12 लाख जुर्माना

आईपीएल के आधिकारिक बयान के अनुसार, आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत पहली बार धीमी ओवर गति रखने पर कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। इसी नियम के तहत गिल पर भी इतना ही जुर्माना लगाया गया। नियमों के मुताबिक, दूसरी बार अपराध पर कप्तान पर 24 लाख रुपये और टीम के अन्य खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया जाता है, जबकि तीसरी बार सजा और कड़ी हो जाती है।

आईपीएल के बीच बीसीसीआई का नया फरमान, सिर्फ 16 खिलाड़ियों को ही एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े कई सख्त नियम बनाए हैं। नए नियम के मुताबिक मैच के दौरान केवल उन्हीं खिलाड़ियों को मैदान में आने या घूमने की अनुमति होगी जिनका नाम टीम शीट में शामिल होगा।

शीट में सिर्फ 16 खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति होगी।नए नियम के मुताबिक टीम शीट में शामिल न होने वाले खिलाड़ी ड्रिंक्स, बैट या ग्लव्स लेकर मैदान में नहीं जा सकेंगे। वे खिलाड़ियों तक कोई मैसेज भी नहीं पहुंचा सकेंगे। बाउंड्री लाइन के पास केवल 5 खिलाड़ी ही बिब पहनकर घूम सकते हैं। बाकी खिलाड़ियों को डगआउट में ही रहना होगा।

कौन-कौन होंगे शामिल

रिपोर्ट के मुताबिक, नए नियम के अनुसार प्रत्येक टीम अपने खिलाड़ियों की शीट में 16 खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है। इसमें 11 खिलाड़ी वे होंगे जो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। इसके अलावा, इम्पैक्ट सब के रुप में 1 और 4 खिलाड़ी रिजर्व के रूप में रखे जा सकते हैं। इन 16 खिलाड़ियों के अलावा मैदान में टीम का कोई भी अन्य सदस्य मैदान पर प्रवेश नहीं कर सकेगा।

नियमों का पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई

सूत्रों के मुताबिक, टीम प्रबंधन को साफ निर्देश दिए गए हैं कि मैच के दौरान सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों की अनावश्यक आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। बाउंड्री लाइन और एलइडी विज्ञापन बोर्ड के बीच केवल सीमित खिलाड़ियों को ही रहने की अनुमति होगी। इन नियमों का पालन न करना टीम और खिलाड़ियों की मुश्किल बढ़ा सकता है।

इस कारण से लाए गए नए नियम

माना जा रहा है कि यह नया नियम एमपीसी (मैच खेलने की शर्तों) के क्लॉज 11.5.2 और 24.1.4 को और सख्ती से लागू करने के लिए लाया गया है। क्लॉज 11.5.2 के मुताबिक, बिना अंपायर की अनुमति के मैदान पर ड्रिंक्स ले जाना या समय बर्बाद करना नियमों के खिलाफ है।

छक्के जड़कर बनाई अपनी अलग पहचान

टी-20 क्रिकेट में गेल 1056 और पोलार्ड जड़ चुके हैं 982 छक्के

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी-20 क्रिकेट में छक्के लगाना सिर्फ ताकत का नहीं, बल्कि टाइमिंग और आत्मविश्वास का भी खेल है। दुनिया भर के कुछ चुनिंदा बल्लेबाज ऐसे हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में 600 से ज्यादा छक्के जड़कर अपनी अलग पहचान बनाई है। ये खिलाड़ी मैदान पर आते ही गेंदबाजों पर हावी हो जाते हैं और मैच का रुख पलटने का दम रखते हैं। आइए जानते हैं उन धाकड़ बल्लेबाजों के बारे में, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में छक्कों की बारिश कर इतिहास रचा है।

क्रिस गेल (1,056 छक्के)

इस सूची में पहले स्थान पर वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल हैं। उन्होंने अपना पहला टी-20 मुकाबला साल 2005 में खेला था। आखिरी बार वह 2022 में खेलते हुए नजर आए थे। इस खिलाड़ी ने 463 मुकाबले खेले थे और इसकी 455 पारियों में 1,056 छक्के लगाए थे। उनके बल्ले से 14,562 रन निकले थे। उन्होंने 22 शतक और 88 अर्धशतक भी जड़े थे।

किरोन पोलार्ड (982 छक्के)

इस सूची में दूसरे स्थान पर वेस्टइंडीज के एक और दिग्गज खिलाड़ी किरोन पोलार्ड हैं। उन्होंने अब तक 735 टी-20 मुकाबले खेले हैं और इसकी 652 पारियों में 982 छक्के लगाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 31.62 की औसत और 150.96 की स्ट्राइक रेट से 14,482 रन निकले हैं। उन्होंने अपने टी-20 करियर में 1 शतक और 67 अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन रहा है।

आंद्रे रसेल (784 छक्के)

तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे रसेल हैं। उन्होंने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास लिया था। उन्होंने अपना पहला टी-20 मुकाबला 2010 में खेला था। इस खिलाड़ी ने 590 मुकाबले खेले हैं और इसकी 508 पारियों में 26.18 की औसत और 167.61 की स्ट्राइक रेट से 9,636 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 784 छक्के निकले हैं। उन्होंने 2 शतक और 34 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121* रन है।

निकोलस पूरन (712 छक्के)

निकोलस पूरन इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के इस स्टार बल्लेबाज ने अब तक 444 टी-20 मुकाबले खेले हैं और इसकी 417 पारियों में 712 छक्के लगाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 29.91 की औसत और 147.89 की स्ट्राइक रेट से 10,379 रन भी निकले हैं। पूरन ने अपने टी-20 करियर में 4 शतक और 63 अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 108* रन रहा है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले पर लगाई मुहर

15 साल से पुरानी बसों के संचालन बंद करने का आदेश पूर्णतः वैध

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस महत्वपूर्ण आदेश को पूर्णतः वैध करार दिया, जिसके तहत 15 साल से अधिक पुरानी कमर्शियल बसों के संचालन पर रोक लगा दी गई थी। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने बस ऑपरेटरों द्वारा दायर सभी 10 याचिकाओं को खारिज करते हुए साफ किया कि राज्य सरकार को परिवहन नीति बनाने और जनता के हित में निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जब नियमों में संशोधन को पहले ही वैध ठहराया जा चुका है, तो उस आधार पर जारी प्रशासनिक आदेश को अवैध नहीं कहा जा सकता। यात्री सुरक्षा और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सरकार को स्टेज कैरिज परमिट से जुड़ी नीतियां बनाने का अधिकार है। कोर्ट ने गत 27 फरवरी 2026 को सुरक्षित रखा फैसला सुनाया। मध्यप्रदेश सरकार ने 14 नवंबर 2025 को एक आदेश जारी किया था। जिसमें 15 साल की समय सीमा पूरी कर चुके व्यावसायिक वाहनों (विशेषकर बसों) को सड़कों से हटाने का निर्देश दिया गया था। प्रदेश में वर्तमान में 899 ऐसी बसें चल रही हैं जो अपनी आयु सीमा पार कर चुकी हैं। बस संचालकों ने तर्क दिया था कि उनके पास वैध फिटनेस सर्टिफिकेट और परमिट मौजूद हैं। सभी याचिकाकर्ताओं के पास वैध स्टेज कैरिज परमिट हैं। परमिट का समय-समय पर नवीनीकरण भी कराया गया है। फिटनेस सर्टिफिकेट और टैक्स भी नियमित रूप से जमा किए गए हैं। 15 साल की सीमा नए परमिट पर लागू होनी चाहिए, पुराने पर नहीं। राज्य सरकार की ओर से उपमहाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली ने कोर्ट को बताया कि 27 दिसंबर 2022 के संशोधन को पहले ही चुनौती दी जा चुकी है। 12 मार्च 2026 को डिवीजन बेंच ने इसकी वैधता को बरकरार रखा था। वर्तमान आदेश उसी संशोधन का परिणाम है, इसलिए इसे अलग से चुनौती नहीं दी जा सकती।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह व उमा भारती के बीच लंबित मानहानि केस की हाईकोर्ट ने स्टेट्स रिपोर्ट मंगाई

27 अप्रेल तक मांगी रिपोर्ट, 2003 से लंबित है मामला

जबलपुर।मप्र हाईकोर्ट ने 21 वर्ष पहले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के खिलाफ दायर मानहानि के मामले की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने हाईकोर्ट कि रजिस्ट्री को निर्देश दिए हैं कि निचली अदालत से बुलवाकर प्रकरण की अपडेट रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी। 2003 में दिग्विजय सिंह ने भोपाल के सीजेएम कोर्ट में मानहानि का यह मामला दायर किया था। कहा गया था कि उमा भारती ने मीडिया से बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह पर कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। इस बयान से उनकी छवि को नुकसान हुआ था। सुनवाई के दौरान दिग्विजय सिंह की ओर से सभी गवाहों के बयान हो गए थे। उमा भारती की ओर से नरेन्द्र बिरथरे को गवाह बनाया गया। दिग्विजय सिंह की ओर से आग्रह किया गया कि नरेन्द्र बिरथरे को दोबारा बुलाकर उनका प्रति परीक्षण किया जाए। इस आवेदन को सीजेएम कोर्ट ने 29 अगस्त 2017 को निरस्त कर दिया। इसके खिलाफ दायर पुनरीक्षण अर्जी भी 25 सितंबर 2017 को खारिज कर दी गई। इन दोनों आदेशों को चुनौती देते हुए दिग्विजय सिंह की ओर से 2017 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान दिग्विजय सिंह की ओर से अधिवक्ता ने निचली अदालत में हो रहे विलंब की दलील दी। कोर्ट ने पाया कि कि मामले की वर्तमान स्थिति स्पष्ट होना आवश्यक है।

नर्सिंग ऑफीसर के पद सौ फीसदी महिलाओं के लिए आरक्षित करने पर सरकार को नोटिस

जबलपुर।

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

मप्र हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफीसर के पद सौ फीसदी महिलाओं के लिए आरक्षित करने के मामले में राज्य सरकार व प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को नोटिस जारी किए हैं ।चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने 23 अप्रैल तक जबाब देने के निर्देश दिए हैं ।

गौरतलब है कि प्रदेश में हो रही नर्सिंग ऑफिसर की भर्ती में पुरुष उम्मीदवारों को पूरी तरह बाहर रखने के निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है । याचिकाकर्ता विनोद सनोदिया और एक अन्य उम्मीदवार द्वारा याचिका में 2 अप्रैल 2026 को जारी भर्ती विज्ञापन और विभाग के भर्ती नियम के किए गए संशोधनो को असंवैधानिक बताया गया है । याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि विज्ञापन में नर्सिंग ऑफिसर के सभी 1,256 पद केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं । यह मध्य प्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष प्रावधान) नियम, 1997 का उल्लंघन है, जो महिलाओं के लिए अधिकतम 35% क्षैतिज आरक्षण की अनुमति देता है ।याचिका में कहा गया है कि पुरुष उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर करना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत प्राप्त समानता के मौलिक अधिकारों का हनन है । याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवार एक ही संस्थानों में, एक ही पाठ्यक्रम और परीक्षा के माध्यम से नर्सिंग की प्राप्त करते हैं । इसके बावजूद केवल लिंग के आधार पर उन्हें सार्वजनिक रोजगार से वंचित करना अतार्किक और भेदभावपूर्ण है । याचिका में कहा गया है कि मध्य प्रदेश नर्स, मिडवाइव्स, सहायक नर्स-मिडवाइव्स और स्वास्थ्य आगंतुक पंजीकरण अधिनियम, 1972 के तहत ₹नर्सर₹ शब्द में पुरुष नर्स भी शामिल हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि यह पेशा कानूनन लिंग-तटस्थ है । याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2010 में भी इसी तरह के भेदभावपूर्ण विज्ञापन को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था, जिसकी पुष्टि सुप्रीम कोर्ट ने भी की थी । इसके बावजूद सरकार द्वारा बार-बार नियमों में संशोधन कर पुरुष उम्मीदवारों के अवसरों को सीमित किया जा रहा है । याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल पैरवी कर रहे हैं । याचिका में मांग की गई है कि नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में पुरुष उम्मीदवारों को भी समान अवसर प्रदान किए जाएं और भेदभावपूर्ण नियमों को असंवैधानिक घोषित किया जाए ।

घर में बैठाकर पिलाई जा रही थी अवैध शराब

जबलपुर। गोरखपुर थाना अतंर्गत कुम्हार मोहल्ला में घर से अवैध रुप से शराब बेचने व पिलवाने के मामलें में पुलिस ने एक नाबालिग को गिरफ्तार किया, जो ढाई सौ रुपए दिन में यह अवैध काम कर रहा था। मुख्य आरोपी घर पर नहीं मिला। शराब पी रहे दो लोगों को भी पुलिस ने आरोपी बनाया है वहीं मुख्य आरोपी के घर से 5 तलवारे भी जब्त की गई है।

मुख्य आरोपी फरार, 4 गिरफ्तार, 5 तलवारे जब्त

सीएसपी गोरखपुर एम.डी.नागोतिया ने बताया कि गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कल रात कुम्हार मोहल्ला निवासी कैलाश चक्रवर्ती उर्फ बड़ा कैलाश के घर में दबिश दी। यहां घर में बैठकर शराब पी रहे मोदीबाड़ा केण्ट निवासी 37 वर्षीय मुकेश राजभर और गोरखपुर निवासी 54 वर्षीय योगेश वैश्य और 15 वर्षीय बालक को गिरफ्तार किया गया। 15 वर्षीय अपचारी बालक से उक्त शराब के संबंध में पूछताछ करने पर बड़ा कैलाश चक्रवर्ती के घर में दिन में रहकर 250 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से शराब बेचने का काम करना बताया। कैलाश चक्रवर्ती अपने घर पर ही शराब रखे रहता है जो उसे शराब लाकर देता है जिसे वह बेचता है। कार्रवाई के दौरान कैलाश नहीं मिला। घर के अंदर वाले कमरे में कैलाश चक्रवर्ती का बेटा शिवा चक्रवर्ती मिला जो प्लास्टिक की बोरी छुपाने का प्रयास कर रहा था बोरी की तलाशी लेने पर 4 तलवार व एक बकानुमा तलवार रखी मिली जिसे जप्त करते हुये आरोपी बड़ा कैलाश चक्रवर्ती, मुकेश राजभर, योगेश बैश्य तथा अपचारी बालक के विरूद्ध धारा 34, 36(बी), 36(सी), आबकारी एक्ट तथा 78 किशोर न्याय अधिनियम एवं 95 बीएनएस के तहत तथा आरोपी 20 वर्षीय शिवा चक्रवर्ती के विरूद्ध पृथक धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। बताया गया है कि आरोपी शिवा चक्रवर्ती के विरूद्ध अवैध वसूली, मारपीट, आबकारी एक्ट सहित पूर्व से 7 अपराध पंजीबद्ध हैं।

समाचार पत्रों में प्रकाशित जनहित के मुद्दों का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

जबलपुर। मप्र मानव अधिकार आयोग ने शहर के तीन जनहित के मुद्दों पर संज्ञान लेते हुए संबंधितो को कार्यवाही का निर्देश देकर प्रतिवेदन मांगा है। क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर आयोग के मुख्यालय भोपाल में अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने प्रकरण में सुनवाई कर निर्देश जारी किए।

छात्रावास में अव्यवस्थाएं

शहर के राइट टाउन स्थित जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित कन्या छात्रावास में अव्यवस्थाओं के कारण वहां रहने वाली छात्राओं को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कन्या छात्रावास में न साफ-सफाई हो रही है और न ही छात्राओं को तय मेन्यू के हिसाब से भोजन दिया जा रहा है। आयोग ने जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

सार्वजनिक मूत्रालय तोड़कर खोल दी मिठाई की दुकान

शहर के रामपुर स्थित आजाद चौक के व्यापारियों और रामपुर बाजार में आने वाले ग्राहकों के लिये बनाये गये मूत्रालय को अतिक्रमणकारियों द्वारा तोड़कर उस स्थान पर मिठाई की दुकान खोलने का मामला सामने आया है। इस कारण बाजार के व्यापारियों एवं बाजार में आने वाले ग्राहकों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आयोग ने नगर निगम के आयुक्त से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

दीवार गिरने से मजदूर की मौत

जिले में जर्जर सिंचाई विभाग की इमारत की दीवार गिरने से एक मजदूर की मृत्यु होने की घटना सामने आई है। सिंचाई विभाग के कर्मचारी द्वारा ईंट निकालने के लिये एक मजदूर को बुलाया था। इसी दौरान इमारत की एक दीवार टूट कर ढह गई और उसके मलबे में दबने से मजदूर की मृत्यु हो गई। आयोग ने जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर मृतक के वैध उत्तराधिकारियों को शासन के नियमानुसार देय आर्थिक सहायता राशि के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

उखरी में अनियंत्रित कार ने राहगीरों को टक्कर मारी

जबलपुर। उखरी क्षेत्र में बीती रात एक बेलगाम कार ने सनसनी फैला दी। यहाँ एक निजी अस्पताल के सामने तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क किनारे चल रहे 3 से 4 लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस आकस्मिक हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना को अंजाम देकर चालक ने वाहन सहित भागने का प्रयास किया, लेकिन वहाँ मौजूद नागरिकों ने उसे चारों ओर से घेरकर दबोच लिया। घटना में घायल हुए लोगों में से कुछ की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें उपचार हेतु समीप के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस के आने तक चालक को भीड़ ने अपने कब्जे में रखा। सोशल मीडिया पर इस पूरी घटना का वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है। यादव कॉलोनी और उखरी चौकी क्षेत्र के मध्य हुई इस वारदात की पुलिस जांच कर रही है।

डीजल, पेट्रोल टैंकर में हो रही थी गांजे की तस्करी

3 आरोपी गिरफ्तार 20 किलो गांजा जब्त

जबलपुर। क्राईम ब्रांच एवं खितौला पुलिस की संयुक्त टीम ने डीजल पेट्रोल के टैंकर में हो रही गांजा तस्करी का भंडाफोड़ किया। दरअसल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पान उमरिया रोड से एक नीले रंग के डीजल पेट्रोल टैंकर क्रमांक एमपी 18 एच 5408 में 2-3 लोग गांजा लेकर शहडोल तरफ से जबलपुर आ रहे हैं। इस पुख्ता सूचना के बाद पुलिस ने पान उमरिया रोड में बिजली आफिस के सामने बेरीकेट लगाकर टैंकर को रोका और उसकी तलाशी ली तो उसमें 20 किलो गांजा जब्त किया गया। जिसकी कीमत 10 लाख रुपए बताई गई है। टैंकर में सवार तीन आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

खितौला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पान उमरिया रोड में संदिग्ध टैंकर को रोका। इस टैंकर को ग्राम रौसरा थाना चुरहट जिला रीवा निवासी 39 वर्षीय देवराज यादव चला रहा था और उसमें सिमरा थाना जयसिंहनगर जिला शहडोल निवासी 34 वर्षीय महेन्द्र कुमार पटेल और ग्राम रघुनाथपुर थाना रामपुर बघेलान जिला सतना निवासी 34 वर्षीय बिनोद कुमार यादव सवार थे। टैंकर की तलाशी लेने पर 20 किलो गांजा, 2 मोबाइल और नगदी 700 रुपए व टैंकर ट्रक जब्त किया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

नकली सोना रख, बैंक से लिया 13 लाख का लोन

ज्वेलर्स सहित मुख्य आरोपियों पर ईओडब्ल्यू ने कसा शिकंजा

जबलपुर।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में नकली सोना रखकर 13.58 लाख रुपए का लोन लेने के मामलें में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्लयू) ने दो मुख्य आरोपियों सहित दो ज्वेलर्स के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। दरअसल आरोपियों और ज्वेलर्स ने सुनियोजित तरीके से यह धोखाधड़ी की, पहले छोटा लोन लेकर अपनी रेपोटेशन बनाई और बड़ी राशि का लोन लेकर चपत लगाई। वार्षिक जांच में जब खुलासा हुआ तो बैंक की ओर से शिकायत की गई।

ईओडब्ल्यू पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार भीमनगर निवासी सौरभ चौधरी ने इस पूरी साजिश की शुरुआत जून 2023 में की थी। उसने बैंक ऑफ महाराष्ट्र जीएस कॉलेज शाखा से सबसे पहले 3.73 लाख रुपये का गोल्ड लोन लिया और उसका समय पर भुगतान कर दिया। इस लेनदेन से बैंक अधिकारियों का उस पर भरोसा जम गया। इसी साख का लाभ उठाते हुए उसने 30 जून 2023 को फिर से बैंक में गोल्ड लोन के लिए आवेदन किया। इस बार उसने दो अलग-अलग किस्तों में 4.79 लाख और 8.78 लाख रुपये के ऋण की मांग की। बैंक ने प्रक्रिया के तहत जब जेवरों का मूल्यांकन कराया तो वहां मौजूद पैनल के ज्वेलर्स ने इसे असली करार दिया।इस धोखाधड़ी में सिद्धेश्वरी ज्वेलर्स के संचालक आशुतोष सराफ और सौम्या ज्वेलर्स के संचालक अनिल सोनी की भूमिका संदिग्ध पाई गई। बैंक की नियमावली के अनुसार इन दोनों ज्वेलर्स को गिरवी रखे जाने वाले सोने की शुद्धता जांचनी थी। आरोपियों ने आपसी मिलीभगत करते हुए नकली जेवरों को असली बताते हुए उनकी फर्जी मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की। इस रिपोर्ट के आधार पर बैंक ने कुल 13.58 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कर दिया। जांच में यह भी पाया गया कि लोन की राशि बैंक खाते में आते ही उसी दिन 4.56 लाख रुपये अचिन उरमलिया के एक नए बैंक खाते में भेज दिए गए थे।धोखाधड़ी के इस मामले का खुलासा फरवरी 2025 में हुआ जब भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ प्रबंधक धीरज कुमार वार्षिक निरीक्षण के लिए जबलपुर पहुंचे। रैंडम जांच के दौरान जब संदेह होने पर संबंधित पैकेटों को खोलकर अन्य अधिकृत ज्वेलर्स से दोबारा जांच कराई गई, तो सभी जेवर नकली निकले। बाजार में इन जेवरों की कीमत शून्य पाई गई। ईओडब्ल्यू की विस्तृत जांच में सौरभ चौधरी, अचिन उरमलिया, अनिल सोनी और आशुतोष सराफ के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 61(2), 336(3) और 340(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240